श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी 09:02 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 16 जुलाई 2025
वर्ष 3, अंक 326, पृष्ठ 14
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

बेरोजगारी दर जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर

12

आतंकवाद को बर्दाश्त न करने पर अडिग रहेगा भारत

-

...कुछ नया जन्म लेने वाला है

नई सोच हमेशा नई राहों पर ले जाती है।
इसी तरह नई शुरुआत नए जीवन से रु-ब-रु कराती है।
यही निरंतरता की स्थिति होती है।

शुभांशु की वापसी पर झूमे लोग

- सीएमएस, लखनऊ ऑडिटोरियम में सजीव प्रसारण देख रहे लोगों ने एकदूसरे को दी बधाई
- शुभांशु के पिता ने कहा- बेटे की अंतरिक्ष यात्रा भारतवासियों के सामूहिक विश्वास का परिणाम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: शुभांशु शुक्ला के स्पेसएक्स क्रू ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने मंगलवार को भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:01 बजे जैसे ही प्रशान्त महासागर के कैलीफोर्निया तट पर सफल लैंडिग की, देशवासी खुशी व गर्व से झूम उठे। सिटी मांटेसरी स्कूल (सीएमएस), कानपुर रोड ऑडिटोरियम में शुभांशु के माता-पिता और परिजनों के साथ सैकड़ों लोगों ने इस ऐतिहासिक क्षण को लाइव देखा। जैसे ही कैप्सूल ने प्रशांत महासागर की सतह को छुआ, ऑडिटोरियम का माहौल अत्यन्त भावुक हो उठा। पूरा ऑडिटोरियम भारत माता की जय के नारे व तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

शुभांशु 25 जून को फाल्कन-9 रॉकेट से अंतरिक्ष की उड़ान पर रवाना हुए थे। 26 जून को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़ गए थे। उन्होंने अंतरिक्ष में 18 दिन बिताए। 310 से अधिक कक्षाएं पूरी कीं और लगभग 1.3 करोड़ किमी की दूरी तय की। इस दौरान उन्होंने इसरो द्वारा सौंपे गए सातों सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण प्रयोगों को सफलतापूर्वक पूरा किया। मांसपेशी पुनर्जनन, टार्डिग्रेड परिक्षण, बीज अंकुरण, शैवाल संवर्धन, फसल सहनशीलता, विकिरण प्रभाव एवं मानव शरीर विज्ञान संबंधी अध्ययन शामिल थे। ये प्रयोग भारत के आगामी गगनयान कार्यक्रम हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। शुभांशु के अन्तरिक्ष यान के पानी में उतरने के साथ ही सीएमएस प्रबंधन एवं शुभांशु के परिवार ने त्रि-स्तरीय केक काटा। इस केक के तीन स्तर लांच, आईएसएस पर प्रवास और धरती पर वापसी के प्रतीक स्वरूप थे। इस अवसर पर पूरा ऑडिटोरियम तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। इस अवसर पर शुभांशु के पिता शम्भू दयाल शुक्ल ने भावुक होकर कहा कि यह उपलब्धि भारतवासियों के सामूहिक विश्वास का परिणाम है। उन्होंने डा. भारती गांधी, प्रो. गीता गांधी किंगडन और सीएमएस परिवार का आभार व्यक्त करता हूं। सीएमएस प्रबंधक प्रो. गीता गांधी किंगडन ने कहा कि शुभांशु की सफलता ने हमारे छात्रों की कल्पनाशक्ति को पंख दिए हैं। वह सीएमएस के आदर्श वाक्य 'जय जगत' का जीवंत उदाहरण हैं और सिद्ध करते हैं कि अंतरिक्ष कोई कल्पना नहीं, बल्कि हमारा भविष्य है। सीएमएस अलीगंज कैम्पस, जहां शुभांशु ने शिक्षा प्राप्त की थी, वहां के छात्र भी अत्यधिक प्रेरित दिखे। कक्षा 9 की छात्रा अनन्या मिश्रा ने कहा कि अब मैं भी अंतरिक्ष यात्री बनना चाहती हूं, अगर वो कर सकते हैं, तो मैं भी कर सकती हूं। कक्षा 11 के आदित्य वर्मा ने कहा, 'पहले यह सपना दूर लगता था। आज यह वास्तविक है।

सीएमएस की संस्थापक-निदेशिका डा. भारती गांधी ने समापन में कहा, 'शुभांशु हमारे मार्गदर्शक सितारे हैं। साक्षात प्रमाण हैं कि गहरे मूल्यों और साहसी सपनों के साथ सितारों तक पहुंचा जा सकता है।

आईएसएस से आखिरी कॉल कर रहा हूं मां - शुभांशु

लखनऊ। यह मेरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से आखिरी कॉल है... अब लौट रहा हूं, जल्द मिलूंगा। एस्ट्रोनॉट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने जैसे ही ये शब्द कहे, लखनऊ स्थति उनके घर में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया और परिवार के लोगों की आंखें खुशी के आंसुओं से छलक उठीं। 18 दिनों की ऐतिहासिक अंतरिक्ष यात्रा के अंतिम चरण में यह कॉल शुभांशु के परिवार के लिए सबसे भावुक क्षण बन गई। सोमवार सुबह 4:30 बजे एक्सिओम मिशन-4 के तहत शुभांशु का आईएसएस से अनडॉकिंग शेड्यूल थे। उसी से कुछ घंटे पहले उन्होंने अपने माता-पिता को सेटेलाइट कॉल की। यह बातचीत परिवार के दिल में हमेशा के लिए दर्ज हो गई।

ये कॉल अलग थी

शुभांशु की बहन शुचि मिश्रा ने कहा कि, अब तक की हर कॉल में हम हंसते थे। बात करते थे, सवाल पूछते थे। लेकिन, इस बार जैसे सभी ने चुप रहने का मन बना लिया था। मां आशा शुक्ला की आंखों से लगातार आंसू बहते रहे। उन्होंने कहा, मैं कुछ बोल नहीं पाई। बस उसकी आवाज सुनी और रोती रही। वो जानता था कि मैं रो रही हूं, लेकिन फिर भी शांत रहा। हमें ढांढस देता रहा। कहता रहा कि सब ठीक होगा। परिवार ने माना कि यह कॉल भले ही भावुक थी, लेकिन उसी ने उन्हें हिम्मत भी दी। मां आशा शुक्ला कहती हैं, वो स्वस्थ लग रहा था, उसकी आंखों में चमक थी। उस कॉल ने हमारे बहुत सारे डर मिटा दिए।

पिता ने किया सुंदरकांड पाठ

अंतरिक्ष से लौटते समय देशभर की नजरें जिस वीर बेटे पर टिकी थीं। उसके परिवार ने रात भर ईश्वर से उसकी सलामती की प्रार्थना की। लखनऊ निवासी अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के परिवार के लिए बीती रात बेहद तनावपूर्ण और भावनात्मक रही। शुभांशु का रिटर्न कैप्सूल पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है, उनके पिता शंभू दयाल शुक्ला ने सोमवार सुबह सुंदरकांड का पाठ किया।

पूरी रात जागते रहे

शुभांशु के पिता ने बताया, हमारे लिए बीती रात बहुत भारी रही। नींद तो जैसे आंखों से कोसों दूर थी। बस भगवान से यही प्रार्थना कर रहे थे कि हमारा बेटा सुरक्षित जमीन पर उतर जाए। वो जिस तरीके से एक बंद कैप्सूल में आ रहा था, उसे सोचकर दिल बैठा जा रहा था।

शुभांशु शुक्ला की वापसी के बाद केक काटकर जश्न मनाते माता– पिता और अन्य परिजन।

शुभांशु का मानो दूसरा जन्म हो

शुभांशु की वापसी को परिवार पुनर्जन्म के तौर पर देख रहा है। बहन शुचि कहती हैं, जैसे वो पृथ्वी से किसी और ही दुनिया में गए और अब वापस लौट रहे हैं। नए अनुभवों और यादों के साथ। जैसे वो फिर से जन्म लेकर आ रहे हों। मां आशा ने बताया कि मिशन के अंतिम चरण में उन्होंने घर पर 18 दिन तक विशेष पूजा करवाई। हमारे लिए वो दोबारा जन्म लेकर आ रहा है।

मां रो पड़ी, पिता ने लहराया तिरंगा

शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट 20 दिन अंतरिक्ष यात्रा के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। शुभांशु के सकुशल लौटने पर उनका परिवार बेहद खुश है। लखनऊ के सीएमएस स्कूल में माता–पिता ने बेटे की लाइव लैंडिंग देखी। यह क्षण परिवार के लिए भावुक और गर्व से भर देने वाला था। पिता शंभू दयाल मुस्कराते हुए तिरंगा लहराकर बेटे का हौसला बढ़ा रहे थे।

अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य क्रू सदस्यों के मंगलवार को सफलतापूर्वक पृथ्वी पर लौटने पर मुरादाबाद के स्कूली में जश्न मनाते छात्र।

शुभांशु के 17 अगस्त तक भारत आने की संभावना

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के मिशन बाद की कई प्रक्रियाओं को पूरा करने के बाद 17 अगस्त तक भारत पहुंचने की उम्मीद है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कुछ मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन किया जाना है... उनका पुनर्वास, डीब्रीफिंग सत्र और इसरो की टीम के साथ कई चर्चाएं। हम 17 अगस्त तक उनके दिल्ली पहुंचने की उम्मीद कर सकते हैं। इस मिशन को "अभूतपूर्व" बताते हुए सिंह ने कहा कि कक्षीय प्रयोगशाला में अपने प्रवास के दौरान शुक्ला द्वारा किए गए प्रयोग मानव अस्तित्व और सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में जीवन से निकटता से जुड़े हैं। उन्होंने कहा, "ये प्रयोग न केवल भारतीयों के लिए, बल्कि पूरी मानवता के लिए उपयोगी होंगे।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुभांशु के पिता से बात कर कहा- पूरे देश को है गर्व

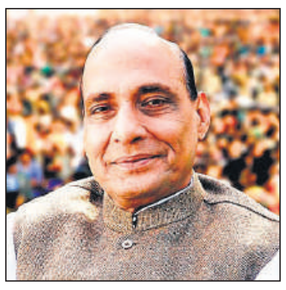

लखनऊ। रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष में रिकॉर्ड बनाकर धरती पर वापसी पर खुशी और गर्व व्यक्त किया और लखनऊ में शुभांशु के पिता से फोन पर बात कर कहा कि पूरे देश को उनके पुत्र पर गर्व है। शुभांशु 18 दिन बाद अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से पृथ्वी पर लौटे हैं। राजनाथ सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक एक्सिओम–4 मिशन से सफल वापसी हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने न केवल अंतरिक्ष को छुआ है, बल्कि भारत की आकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन तक उनकी यात्रा और वापसी केवल एक व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत की बढ़ती अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए एक गौरवपूर्ण कदम है। मैं उनके भविष्य के प्रयासों में उन्हें अपार सफलता की कामना करता हूं।

शुक्ला ने भारत का गौरव बढ़ाया, वैज्ञानिकों में फिर से विश्वास जगाया : अमित शाह

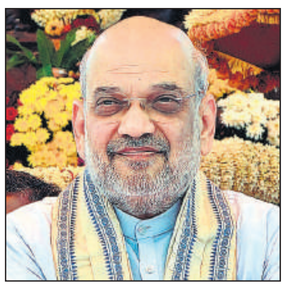

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा के बाद पृथ्वी पर सफलतापूर्वक लौटने पर मंगलवार को बधाई दी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि शुक्ला ने एक ऐसी विजय गाथा लिखी है, जिसने न केवल देश का गौरव बढ़ाया है, बल्कि भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों एवं वैज्ञानिकों में अपनी प्रतिभा और साहस को लेकर विश्वास भी जगाया है। शाह ने एक्स पर लिखा कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा के बाद पृथ्वी पर उनकी सफल वापसी पर हार्दिक बधाई। भारत की महानता की खोज में उन्होंने विजय की एक ऐसी गाथा लिखी है, जिसने न केवल हमारा गौरव बढ़ाया है, बल्कि भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों और वैज्ञानिकों में अपनी प्रतिभा और साहस के प्रति विश्वास भी जगाया है। गृह मंत्री ने कहा कि इस यात्रा के दौरान अर्जित ज्ञान और अनुभव भविष्य के अंतरिक्ष अभियानों में भारत के लिए महत्वपूर्ण होंगे।

श्रावण कृष्ण पक्ष षष्ठी 09:02 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 16 जुलाई 2025
वर्ष 3, अंक 326, पृष्ठ 16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

बेरोजगारी दर जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर 12

आतंकवाद को बर्दाश्त न करने पर अडिग रहेगा भारत 14

शुभ आगमन

18 दिन आईएसएस पर रहने के बाद पृथ्वी पर सुरक्षित लौटे शुभांशु शुक्ला

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 18 दिन के प्रवास के बाद मंगलवार को खुशी और मुस्कुराहट के साथ शुभांशु शुक्ला पृथ्वी पर लौट आए। यह एक ऐसी उपलब्धि है, जो भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान की महत्वाकांक्षाओं को साकार करने का वादा करती है। लखनऊ में जन्मे शुक्ला और निजी 'एक्सिओम-4' मिशन के तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री प्रशांत समयानुसार रात 2:31 बजे (भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:01 बजे) कैलिफोर्निया के सैन डिएगो के निकट प्रशांत महासागर में उतरे। पूरे भारत में खुशी की लहर दौड़ गई।

भारतीय वायु सेना में ग्रुप कैप्टन शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत रूस मिशन के तहत अंतरिक्ष की यात्रा की थी। वह ऐसे पहले भारतीय भी बन गए हैं, जिन्होंने पृथ्वी की कक्षा में सबसे लंबे समय (20 दिन) तक रहकर अंतरिक्ष की यात्रा की। भारत, हंगरी और पोलैंड के लिए इस मिशन ने मानव अंतरिक्ष उड़ान की वापसी को साकार किया है, क्योंकि इन देशों के अंतरिक्ष यात्रियों ने 40 वर्षों से अधिक समय बाद पहली बार अंतरिक्ष की यात्रा की है। कक्षीय प्रयोगशाला में शुक्ला, कमांडर पैगी व्हिटसन तथा पोलैंड के मिशन विशेषज्ञ स्लावोज उज्नान्सकी-विस्नीवस्की और हंगरी के टिबोर कापू सहित एक्सिओम-4 मिशन दल ने अगले 18 दिन 60 प्रयोगों और 20 संपर्क सत्रों में बिताए। ड्रैगन अंतरिक्ष यान ने 28 हजार किलोमीटर प्रति घंटे से अधिक की गति से यात्रा करते हुए एक्सिओम-4 चालक दल के सदस्यों को लेकर धीरे-धीरे गति कम करने और पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करने के लिए कई प्रक्रियाएँ पूरी कीं तथा प्रशांत महासागर में उतरने से पहले तीव्र गर्मी का सामना किया। कुछ ही मिनटों बाद अंतरिक्ष यान को स्पेसएक्स के रिकवरी शिप शैनन के ऊपर ले जाया गया।

ड्रैगन अंतरिक्ष यान से मुस्कुराते हुए बाहर निकले

तीन सप्ताह तक भारहीनता की स्थिति में रहने के बाद धरती पर रखा कदम

आईएसएस पर तीन सप्ताह तक भारहीनता की स्थिति में रहने के बाद पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण के साथ तालमेल बिठाने के लिए पैरों के सहारे चलवाने में शुक्ला की ग्राउंड स्टाफ ने मदद की। हेलीकॉप्टर के जरिए तट पर ले जाए जाने से पहले एक्सिओम-4 के चालक दल को जहाज पर ही कई चिकित्सीय जांचों से गुजरना पड़ा। चारों अंतरिक्ष यात्रियों के सात दिन पुनर्वास कार्यक्रम में रहने उम्मीद है।

बेटे की वापसी पर भावुक हो गए शुभांशु के माता-पिता।

मामा-पिता की आंखों से खुशी के आंसू छलके

लखनऊ में शुक्ला के माता-पिता ने अपने बेटे के पृथ्वी पर लौटने पर राहत की सांस ली। शुक्ला के पिता शंभू दयाल शुक्ला और मां आशा देवी की आंखों से खुशी के आंसू निकल आए। उनकी बहन शुचि मिश्रा ने भी नम आंखों और हाथ जोड़कर अपने भाई के पृथ्वी पर उतरने का स्वागत किया। शंभू दयाल शुक्ला ने कहा, वह अंतरिक्ष में गए और वापस आए तथा हम बहुत खुश हैं, क्योंकि इस मिशन का देश के गगनयान कार्यक्रम के लिए अपना महत्व है।

शुभांशु शुक्ला की उपलब्धि ने करोड़ों सपनों को किया प्रेरित : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा करने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री के रूप में शुक्ला ने अपने समर्पण, साहस और अग्रणी भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, यह हमारे अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन – गगनयान की दिशा में एक और मील का पत्थर है।

शुभांशु साहस, समर्पण और विज्ञान के प्रति संकल्प का प्रतीक : योगी

मुख्यमंत्री योगी ने सोशल मीडिया मंच एक्स के माध्यम से बधाई देते हुए उनकी उपलब्धि को उत्तर प्रदेश और देश के लिए गौरव का क्षण बताया। योगी ने लिखा है कि वेलकम बैक टू अर्थ! ऐतिहासिक मिशन को सकुशल संपन्न कर सफल वापसी पर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला व उनकी टीम को हार्दिक बधाई।

स्किल्ड युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत: योगी

विश्व युवा कौशल दिवस पर मुख्यमंत्री ने लखनऊ में कौशल मेले का किया उद्घाटन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: सीएम योगी ने एआई व डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि स्किल्ड युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत है। डबल इंजन सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है।

वह मंगलवार को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय कौशल मेले और प्रदर्शनी का उद्घाटन करने के बाद बोल रहे थे। योगी ने युवाओं को विश्व युवा कौशल दिवस की बधाई देते हुए कहा कि उनकी प्रतिभा के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है। इस वर्ष की थीम 'एआई और डिजिटल स्किल के माध्यम से युवा सशक्तिकरण' प्रदेश के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है। सीएम ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति युवाओं को एक साथ डिग्री और कौशल प्रशिक्षण प्राप्त करने की सुविधा देती है। पिछले आठ वर्षों में 2 करोड़ युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध करने के लक्ष्य समेत टाटा टेक्नोलॉजी के सहयोग से 150 आईटीआई को न्यू-एज टेक्नोलॉजी के साथ जोड़ने का जिक्र किया।

लखनऊ में आयोजित कौशल मेले में युवती को यूथ आईकॉन सम्मान देते योगी।

प्रदेश में खुल रहे निवेश और रोजगार के नए अवसर

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में निवेश के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी जिक्र किया। कहा कि 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। यह लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं। उन्होंने उद्योगों और शैक्षिक संस्थानों के बीच तालमेल को आवश्यक बताते हुए कहा कि इससे उद्योगों की मांग के अनुसार प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार किए जा सकते हैं। 'सीएम युवा' योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि अब तक 50 हजार से अधिक युवा लाभान्वित हो चुके हैं।

डेढ़ करोड़ से अधिक लोगों को रोजगार

योगी ने कहा कि वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) और मुख्यमंत्री विश्वकर्मा श्रम सम्मान जैसी योजनाओं के माध्यम से परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया गया है। ओडीओपी के तहत डेढ़ करोड़ को रोजगार मिला जबकि विश्वकर्मा योजना के तहत एक लाख हस्तशिल्पियों टूलकिट दिए गए।

15 युवाओं को दिया यूथ आईकॉन सम्मान

सीएम ने 15 युवाओं को यूथ आईकॉन सम्मान और 11 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इसके अलावा, प्रदेश के लिए पांच स्किल रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने उद्योग प्रतिनिधियों को 'इंडस्ट्री एम्बेसडर' सम्मान से भी सम्मानित किया।

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

नई दिल्ली। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिश 31 जुलाई तक की जा सकती है। इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस पर की जाती है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिश राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन की जा सकती है।

पद्म पुरस्कारों में पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री शामिल हैं और इनकी शुरूआत वर्ष 1954 में की गयी थी। पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रदान किए जाते हैं।

निलंबित आईएएस अभिषेक को रिश्वत कांड में चार्जशीट

- मुख्यमंत्री के अनुमोदन के बाद 400 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे इन्वेस्ट यूपी के पूर्व सीईओ पर कार्रवाई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: इन्वेस्ट यूपी और डिफेंस कॉरिडोर घोटाले में आरोपी निलंबित आईएएस अधिकारी अभिषेक प्रकाश को आखिरकार चार्जशीट थमा दी गई है। मुख्यमंत्री के अनुमोदन के बाद 400 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे इन्वेस्ट यूपी के पूर्व सीईओ को यह कार्रवाई की गई है।

चार्जशीट में निलंबित आईएएस अधिकारी के खिलाफ इन्वेस्ट यूपी में निवेशकों से सौदे के नाम पर मोटी रिश्वत मांगने के आरोप हैं। साथ ही डिफेंस कॉरिडोर परियोजना में भूमि आवंटन एवं अनियमितता की जांच और प्रभावशाली पद पर रहते हुए आर्थिक अनुशासन के उल्लंघन के प्रकरण भी शामिल है। मालूम हो कि, लखनऊ के पूर्व डीएम और एलडीए के पूर्व वीसी अभिषेक प्रकाश को घूसखोरी कांड में निलंबित किया गया था। आरोप है कि उन्होंने उद्योग लगाने के बदले व्यापारी से पांच प्रतिशत कमीशन की मांग की थी।

दरअसल, जो चार्जशीट अभिषेक प्रकाश को थमाई गई है, उसमें मुख्यतः एक ही आरोप लगाया गया है। जिसमें सौर ऊर्जा के कलपुर्जे बनाने का संयंत्र लगाने वाली कंपनी एसएईएल सोलर पी-6 प्राइवेट लिमिटेड की उस फाइल का जिक्र है, जिसमें पांच प्रतिशत कमीशन (400 करोड़) के चक्कर में लेटर ऑफ कम्फर्ट (एलओसी) कम्पनी को नहीं जारी किया गया था।

राहुल ने किया आत्मसमर्पण, मिली जमानत

- सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी का मामला
- मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त को

विधि संवाददाता, लखनऊ

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सैनिकों के लिए कथित अपमानजनक टिप्पणी के मामले में मंगलवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने अदालत में आत्मसमर्पण किया। उनके अधिवक्ता प्रांशु अग्रवाल ने अदालत से जमानत पर रिहा करने की मांग की।

अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट आलोक वर्मा ने यह अर्जी मंजूर करते हुए, अभियुक्त राहुल गांधी को 20 हजार रुपये की दो जमानत व इतनी ही धनराशि का निजी मुचलका दाखिल करने पर रिहा करने का आदेश दिया। साथ इस मामले की अगली सुनवाई 13 अगस्त के लिए नियत कर दी। राहुल के साथ यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय, सीबीए के पूर्व महामंत्री संजीव पांडेय, पूर्व उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह व कांग्रेस के अन्य नेता भी मौजूद थे। गौर है कि अदालत के समक्ष सीमा सड़क संगठन के सेवानिवृत्त निदेशक (भारतीय सेना में कर्नल के पद के समकक्ष) उदय शंकर श्रीवास्तव की ओर से एक परिवाद दाखिल कर कहा गया है कि 16 दिसंबर 2022 को राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मीडिया कर्मियों और जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा था कि चीनी सैनिकों द्वारा हमारे सैनिकों की पिटाई के बारे में एक बार भी सवाल नहीं पूछा जा रहा है'। राहुल गांधी द्वारा भारतीय सैनिकों की चीनी सैनिकों द्वारा पिटाई के झूठे बयान से परिवादी को आघात लगा।

दिव्यांगजनों को राशन दुकानों के आवंटन में मिलेगा 4% आरक्षण

- राज्य सलाहकार बोर्ड की बैठक में प्रस्ताव को दी गई मंजूरी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में सरकारी राशन दुकानों के आवंटन में दिव्यांगजनों को तीन से बजाय चार प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांगजन राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप की अध्यक्षता में मंगलवार को योजना भवन में दिव्यांगजनों के लिए गठित राज्य सलाहकार बोर्ड की बैठक में इससे जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

साथ ही सभी विभागों में दिव्यांगजनों के खाली पद भरे जाने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। शिक्षण संस्थानों में छात्रों के प्रवेश में आरक्षण को चार प्रतिशत से बढ़ाकर पांच प्रतिशत किये जाने को भी मंजूरी दी गई। बैठक के बाद राज्यमंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों के लिए लागू की गई योजनाओं के धरातल तक क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। उन्होंने बताया कि नगर निकायों के जरिये दिव्यांगजनों को दी जाने वाली दुकानों व गुमटी क्योस्क के आवंटन में आरक्षण को प्राथमिकता से लागू करने का निर्देश दिया गया।

भारतीय नर्स की मौत की सजा टली

- यमन में निमिषा प्रिया के मामले में हरसंभव सहायता प्रदान कर रही सरकार

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी

यमन के अधिकारियों द्वारा भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा स्थगित करने से उसके परिवार और दक्षिणी राज्य केरल के राजनीतिक नेतृत्व सहित अन्य लोगों को राहत मिली है। अब प्रिया के बचने की उम्मीद बढ़ गई है।

सूत्रों ने बताया कि भारत सरकार ने हाल के दिनों में प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान तक पहुंचने के वास्ते अधिक समय देने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। भारतीय नर्स को बुधवार को मौत की सजा दी जानी थी। प्रिया के पति टॉमी थॉमस ने सरकार और अन्य संगठनों के सामूहिक प्रयास पर संतोष व्यक्त किया है। टॉमी थॉमस ने बताया, फांसी टाल दी गई है। यह अच्छी खबर है। हम खुश और राहत महसूस कर रहे हैं।

मुझे यकीन है कि उसकी फांसी रुकवाने और उसे सुरक्षित वापस लाने के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने इस मुहिम में समर्थन के लिए सभी लोगों का धन्यवाद किया। थॉमस ने बताया कि उनकी एक बेटी है जो बारहवीं कक्षा में पढ़ती है और उसे इन सब चीजों से दूर रखा गया है। केरल के पलक्कड़ जिले के कोल्लेंगोडे की रहने वाली प्रिया को जुलाई 2017 में यमन के एक नागरिक की हत्या का दोषी पाया गया था।

वर्ष 2020 में, यमन की अदालत ने प्रिया को मौत की सजा सुनाई और देश की सर्वोच्च न्यायिक परिषद ने नवंबर 2023 में उनकी अपील खारिज कर दी। प्रिया (38) वर्तमान में यमन की राजधानी सना की एक जेल में बंद है, जो ईरान समर्थित हूतियों के नियंत्रण में है।

सूत्रों ने बताया कि भारत सरकार शुरू से ही इस मामले में हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है।

19 से 9 अगस्त तक 10 दिन बंद रहेगा लखनऊ-गोरखपुर हाईवे

- नहीं चल सकेंगे भारी वाहन, लागू होगा रूट डायवर्जन

संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार: श्रावण माह में 19 जुलाई से नौ अगस्त के बीच 10 दिन लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर हाईवे भारी वाहनों के लिए बंद रहेगा। पुलिस ने डायवर्जन लागू किया है।

दूसरे सोमवार व श्रावण त्रयोदशी को लेकर 19 से 24 जुलाई तक 120 घंटे लखनऊ-अयोध्या-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मालवाहक भारी वाहन, ट्रक, डीसीएम, ट्रैक्टर आदि नहीं चल सकेंगे। वहीं, इस वर्ष नई व्यवस्था लागू करते हुए मणिपर्वत मेला, श्रावण माह के तृतीय सोमवार व नाग पंचमी पर्व पर 26 जुलाई की प्रातः आठ से 29 जुलाई की रात 11 बजे तक, श्रावण माह के चतुर्थ व अंतिम सोमवार पर तीन अगस्त की सुबह आठ बजे से चार अगस्त की रात 11 बजे तक व श्रावण पूर्णिमा व रक्षाबंधन पर्व पर आठ अगस्त की प्रातः आठ बजे से नौ अगस्त की रात 11 बजे तक हाईवे को बंद किया गया है। एसपी यातायात एपी सिंह ने बताया कि पड़ोसी जनपद बाराबंकी, गोंडा, गोरखपुर, अमेठी, सुलतानपुर, अंबेडकरनगर से भारी वाहनों का डायवर्जन कर उन्हें अन्य मार्ग से उनके गंतव्य को भेजा जाएगा।

निवेशकों की भागीदारी से डीमैट खातों की संख्या 19.4 करोड़ बढ़ी

मुंबई। भारतीय बाजार में खुदरा निवेशकों की उल्लेखनीय भागीदारी देखी जा रही है और डीमैट खातों की संख्या 2019 के 3.6 करोड़ से बढ़कर 2025 में 19.4 करोड़ हो गई। सूचीबद्ध कंपनियों में घरेलू संस्थागत निवेशकों का स्वामित्व 13 प्रतिशत से बढ़कर 20 प्रतिशत हो गया जबकि विदेशी स्वामित्व 22 प्रतिशत से घटकर 17 प्रतिशत रह गया है। आईवीसीए नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन 2025 द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सेबी की कार्यकारी निदेशक रुचि चोजर ने कहा कि विश्वास निवेश की आधारशिला है और भारत ने वह विश्वास हासिल कर लिया है।

छात्रों के लिए दिल्ली दुनिया का सबसे किफायती शहर

क्यूएस रैंकिंग में दुनिया के शीर्ष 130 शहरों में चार भारतीय शहर

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई छात्रों के लिए दुनिया के शीर्ष 130 शहरों में शामिल हैं, वहीं राष्ट्रीय राजधानी को छात्रों के लिए वैश्विक स्तर पर सबसे किफायती शहर का दर्जा दिया गया है। मंगलवार को घोषित क्यूएस रैंकिंग से यह जानकारी मिली।

छात्रों के लिहाज से बेहतरीन शहरों की रैंकिंग में शामिल सभी चार भारतीय महानगरों दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई ने अपनी स्थिति में सुधार किया है, जो भारत में उच्च शिक्षा के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। लंदन स्थित क्यूएस द्वारा घोषित 2026 क्यूएस बेस्ट स्टूडेंट सिटीज रैंकिंग के अनुसार, मुंबई ने वैश्विक शीर्ष 100 शहरों में फिर से प्रवेश किया है और 15 स्थान ऊपर चढ़कर 98वें स्थान पर पहुंच गया है। दिल्ली सात स्थान चढ़कर 104वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि भारतीय शहरों में बेंगलुरु सबसे ज्यादा सुधार करते हुए 22 स्थान ऊपर चढ़कर 108वें स्थान पर पहुंच गया है। चेन्नई भी उल्लेखनीय रूप से आगे बढ़ा है और 12 स्थान ऊपर चढ़कर 128वें स्थान पर पहुंच गया है। मुंबई और बेंगलुरु ने भी किफायती के पैमाने पर अच्छा प्रदर्शन किया है और शीर्ष 15 शहरों में शामिल हैं। नियोक्ता गतिविधि श्रेणी में, दिल्ली और मुंबई दोनों ही वैश्विक स्तर पर शीर्ष 50 में शामिल हो गए हैं, जो स्नातकों के लिए रोजगार की मजबूत संभावनाओं को दर्शाता है।

भारत की बढ़ती उपस्थिति एक सांख्यिकीय उछाल से कहीं अधिक : जेसिका टर्नर

क्यूएस की सीईओ जेसिका टर्नर ने कहा, 2026 क्यूएस बेस्ट स्टूडेंट सिटीज रैंकिंग में भारत की बढ़ती उपस्थिति एक सांख्यिकीय उछाल से कहीं अधिक है। यह देश के उच्च शिक्षा परिदृश्य में एक ढांचागत बदलाव को दर्शाती है। जैसे-जैसे हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की पांचवीं वर्षगांठ के करीब पहुंच रहे हैं, वैश्विक जुड़ाव, गुणवत्ता वृद्धि और छात्र-केंद्रित शिक्षा पर इसका ध्यान अंतर्राष्ट्रीय मंच पर लाभदायक दिखने लगा है।

शीर्ष पर काबिज लंदन तीसरे स्थान पर खिसका

छह वर्षों तक शीर्ष स्थान पर रहा लंदन तीसरे स्थान पर खिसक गया, जिसका मुख्य कारण किफायती सूचकांक में उल्लेखनीय गिरावट थी, जहां यह 11 स्थान नीचे गिरकर विश्व स्तर पर 137वें स्थान पर आ गया। क्यूएस कम से कम 2,50,000 की आबादी वाले शहरों और कम से कम दो विश्वविद्यालयों को क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में स्थान दिलाने वाले शहरों को रैंकिंग प्रदान करता है।

दोस्त से दगा, खाते में मंगाई फ्राड की रकम, की गई सीज

पीड़ित युवक ने एसपी से दोस्तों के खिलाफ शिकायत की

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

एसपी कार्यालय के बाहर व्यथा बताता युवक

- पीड़ित युवक ने एसपी को दो दोस्तों के खिलाफ दी तहरीर
- खाते से कुछ गडबड़ी करने का लगाया आरोप

अमृत विचार। युवक का एटीएम लेकर दो दोस्तों ने उसके खाते में कहीं बाहर से रुपये डलवा दिये। इसके बाद अपनी बहन के खाते में डालकर निकलवा लिये। फ्राड होने की आशंका पर बैंक ने खाता सीज कर दिया। पीडित युवक ने एसपी से दोस्तों के खिलाफ शिकायत की है। कहा कि जिले में फ्राड करने वाला गैंग सक्रिय है।

सदर कोतवाली क्षेत्र के सरायमीरा डाक बंगला रोड निवासी दीपक राजपूत पुत्र बालकृष्ण राजपूत ने एसपी को दिये शिकायती पत्र में कहा कि वह सरायमीरा के नूरी मार्केट में एक छोटी सी दुकान चलाता है। उसने दोस्त राजन पुत्र शिव कुमार निवासी वेहटा थाना ठठिया व सूरज श्रीवास्तव पुत्र श्याम श्रीवास्तव निवासी सरायमीरा देविन टोला दुकान पर आते जाते रहते थे। दोस्ती के चलते सूरज ने भाई की बीमारी की बात कह कर रुपये की मांग की। खाते में अधिक रुपये न होने से उसने एटीएम मय पासवर्ड व पास बुक दे दी। इसके बाद दोनों ने कहीं से उसके खाते में 1,41000 रुपये मंगाये। इसके बाद ऑनलाइन व एटीएम से सूरज ने अपनी वहन के खाते में 25,000 रुपये ट्रांसफर कर निकाल लिये। उसे इस फ्राड की जानकारी तब हुई जब उसके खाते को सीज कर दिया गया।

इस बात का मैसेज बैंक से आया। उसने बैंक से संपर्क किया तो जानकारी हुई। इसके बाद उसने दोनों से संपर्क किया तो उन्होंने एक 100 रुपये के स्टांप पर शपथ पत्र दिया। इसमें कहा कि यदि इसमें कहीं पर फ्राड होने की बात सामने आती है तो दोनों मित्र कोतवाली पहुंच कर उसे बंगुनाह सावित कर खुद को पुलिस के सुपुर्द कर देंगे। पीडित ने एसपी से कहा कि उक्त दोनों दोस्तों ने उसके खाते से कुछ न कुछ गड़बड़ की है। इसी लिये उसका खाता सीज किया गया है। मांग की कि जांच कराकर कार्रवाई की जाए।

मानीमऊ रोड तिराहा पर जमीन देखते अभिषेक पाण्डेय व इंसपेक्टर जेपी शर्मा।

ठठिया के मानीमऊ तिराहे पर लगेगी आजाद की मूर्ति

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- समाज कल्याण मंत्री ने स्वीकार किया प्रस्ताव

अमृत विचार। ठठिया के मानीमऊ रोड तिराहे पर अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की मूर्ति लगवाई जायेगी। समाज कल्याण मंत्री ने इस की स्वीकृति देदी है। उन्होंने जिलाधिकारी को पत्र भेजा है।

ठठिया कस्वे के मानीमऊ-तिर्वा रोड तिराहे पर महान क्रांतिकारी पं. चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा स्थापित करने के लिये भाजपा आईटी सेल के जिलाध्यक्ष अभिषेक पाण्डेय ने समाज कल्याण मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) एवं सदर विधायक असीम अरुण को प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव को मंत्री ने स्वीकार कर लिया है। उन्होंने जिलाधिकारी को पत्र भेज कर अग्रिम कार्यवाही के लिये कहा है। इस पर मंगलवार को ठठिया थाने के इंसपेक्टर जेपी शर्मा ने तिराहे पर पहुंच कर स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने प्रतिमा स्थापित करने के लिये भूमि देखी।

यातायात नियमों का पालन न करने पर होगा ऑटोमेटिक चालान

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- कलक्ट्रेट में हुई जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक
- अवैध स्कूली वाहनों की हो नियमित चेकिंग

जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेते सीडीओ राम कृपाल चौधरी व अन्य।

अमृत विचार। सड़क सुरक्षा के संबंध में कलक्ट्रेट में बैठक का आयोजन किया गया। इस मौके पर यातायात नियमों का पालन न करने वालों के चालान काटने के निर्देश दिये गये। जिले के प्रमुख चौराहों पर लगे कैमरों को चेक कर चालान काटने को कहा गया।

मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि जनपद के प्रमुख चौराहों पर आटोमेटिक चालान करने की व्यवस्था कैमरे लगा कर लागू की गयी है। जनपद में 15 स्थानों पर इस तरह के कैमरे लगाए गए है। इसमें पाल चौराहा, गोल कुंआ चौराहा, गोल कुंआ ओवरब्रिज साइड, रोडवेज बस स्टैण्ड, मकरंदनगर, जलालपुर पनवारा बाईपास, मंडी समिति अन्डर ब्रिज, हरदोई मोड, पुलिस लाइन तिराहा, कसावा चौकी चैराहा गुरसहायगंज, मानपुर अन्डरपास कन्नौज, पूर्वी बाईपास छिबरामऊ, फर्रुखाबाद तिराहा छिबरामऊ, ठठिया चौराहा तिर्वा तथा इन्दरगढ़ चौराहा तिर्वा शामिल है। उन्होंने कहा कि स्पीड टेबल का प्रस्ताव उपलब्ध कराया जाए।

एनएचएआई के समस्त अण्डरपासों पर प्रकाश की व्यवस्था करा दी गयी हैं एवं साइन बोर्ड में सुधार का काम पूरा कराया जाये। उन्होंने कहा कि अनधिकृत कट मांग के आधार पर बंद करने की कार्रवाई की जाए। चिन्हित ब्लैक स्पॉट की क्रास चेकिंग कर अग्रिम कार्यवाही की जाए। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में मानक विहीन वाहनों की चेकिंग नियमित करायी जाए। पुलिस एवं परिवहन विभाग पहले आमजन को यातायात नियमों का पालन करने हेतु जागरूक करें, नियमों का पालन न करने पर चालान किया जाये।

बैठक में सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी इज्या तिवारी, अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी निर्माण खण्ड संजीव कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सार-संक्षेप

किराना व्यापारी की गोदाम से डेढ़ लाख का माल चोरी

गुरसहायगंज, कन्नौज। किराना व्यापारी की गोदाम से चोरों ने करीब डेढ़ लाख रुपये का सामान चोरी कर लिया। जब सुबह पीड़ित अपनी दुकान पर गया तो उसे चोरी का पता चला। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर चोरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। नगर के मोहल्ला रामगंज निवासी श्याम किशोर गुप्ता पुत्र नत्थूलाल ने कोतवाली में दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि उसकी नगर के बाईपास पर किराने की गोदाम है। इसमें सोमवार की रात चोरों ने धावा बोल दिया और करीब डेढ़ लाख रुपये का सामान पार कर दिया। सुबह जब वह गोदाम में गया तो किराने के सामान की बोरियां वहां नहीं मिली।

युवक पर लगाया नकदी व गेंहू चोरी का आरोप

गुरसहायगंज, कन्नौज। गांव के एक युवक पर पीड़ित ने उसके घर से उसकी अलमारी का ताला तोड़ हजारों रुपये व मोबाइल, एक बोरी गेहूं को चुरा कर ले जाने का आरोप लगाया है। ग्राम फखरपुर निवासी बलबीर पुत्र पन्नालाल ने कोतवाली में दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि 25 जून 2025 की रात में उसके गांव का हीं एक युवक उसके घर में घुस आया और अलमारी का ताला तोड़ उसमें रखें 10,200 रुपये व एक मोबाइल, एक बोरी गेहूं को चुरा कर ले गया। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

दुर्घटनाओं को कम करने के लिए ब्लैक स्पॉट देखे

कन्नौज। रोड सेफ्टी कमेटी के सदस्यों ने जनपद के चिन्हित ब्लैक स्पॉट का निरीक्षण किया। उन्होंने एन एच ए आई के इंजीनियर को ब्लैक स्पॉट में सुधार के लिए निर्देशित किया गया। रोड सेफ्टी कमेटी के सदस्यों में एआरटीओ इज्या तिवारी, क्षेत्राधिकारी यातायात कुलबीर सिंह एवं प्रभारी यातायात आफाक खान ने गोवर्धनी तिराहा, पाल चौराहा और हरदोई मोड़ आदि ब्लैक स्पॉट का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। नेशनल हाईवे अर्थॉरिटी के इंजीनियर को ब्लैक स्पॉट में क्या सुधार किया जा सकता है इस के निर्देश दिए गए।

मां-बाप, भाई-बहन को पीटा

गुरसहायगंज, कन्नौज। पत्नी से बेवजह अभद्रता कर रहे युवक को जब उसके छोटे भाई ने मना किया। तो युवक ने उसके साथ गाली गलौज व मारपीट दी। अपने मां-बाप और छोटी बहन को भी मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर लेकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम सियरमऊ निवासी सुरेंद्र पुत्र राजकुमार ने कोतवाली में दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि बीते सोमवार की शाम करीब 07 बजे उसका बड़ा पुत्र अपनी पत्नी से गाली गलौज कर रहा था। जब उन लोगों ने इस बात का विरोध किया तो आरोपी युवक ने पीड़ित व उसकी पत्नी, पुत्र व पुत्री को भी गाली गलौज कर मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मार डालने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पत्नी व साले के साथ मिलकर मां भाई को पीटा

गुरसहायगंज, कन्नौज। बेटे ने अपनी पत्नी व साले के साथ मिलकर पानी के पाइप के विवाद को मां और भाई से अभद्रता शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम खाड़ेदेवर निवासिनी नन्ही देवी पत्नी राजकुमार ने कोतवाली में दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि बीते सोमवार की शाम करीब 04 बजे पानी के पाइप के विवाद को लेकर उसके बहू, बेटे व उसके साले ने पीड़िता व उसके पुत्र के साथ गाली गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ट्रैक्टर से गिरकर युवक घायल, रिपोर्ट दर्ज

गुरसहायगंज, कन्नौज। ट्रैक्टर के पीछे खड़े होकर खेत की जुताई करवा रहा युवक गिर गया। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे नगर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां से डॉक्टर ने सैफई मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। इसके बाद घायल युवक की पत्नी ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर आरोपित ट्रैक्टर चालक के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्राम रौरा निवासिनी रेखा देवी पत्नी रामचंद्र जाटव ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 31 मई को उसके पति ट्रैक्टर के पीछे खड़े होकर खेत में जुताई करवा रहे थे। तभी अचानक ट्रैक्टर चालक ने स्पीड से ट्रैक्टर को मोड़ दिया। जिससे उसके पति गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

ट्रेन से गिर कर युवक की मौत

संवाददाता जलालाबाद कन्नौज

रेलवे ट्रैक पर पड़े शव को देखती पुलिस व स्थानीय लोग। अमृत विचार

- फर्रुखाबाद से तारीख लेकर लौटते समय हादसा सुबह ट्रैक पर शव मिला

अमृत विचार। फर्रुखाबाद से तारीख लेकर ट्रेन से घर लौट रहा युवक गिर गया। इससे उसकी मौत हो गई।जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शिनाख्त होने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। परिजनों में कोहराम मच गया।

मंगलवार की सुबह स्थानीय लोग शौच के लिए रेलवे ट्रैक के निकट जा रहे थे। इसी दौरान उनको एक युवक का शव दिखाई दिया। जानकारी पर लोगों की भीड लग गई। घटना मिरगावां व सफ़ीपुर जप्ती के बीच रेलवे ट्रैक पर हुई।लोगों ने मझपुरवा चौकी प्रभारी धीरेंद्र सिंह को दुर्घटना की सूचना दी। सूचना पर पहुंचे चौकी प्रभारी ने शव को ट्रैक से हटाकर उसकी शिनाख्त कराने का प्रयास किया। शिनाख्त कन्नौज कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला के मकरंदनगर के कुतुलूपुर निवासी अंकित गिहार (30) पुत्र संजीव गिहार के रूप में हुई है। मृतक गेहुआं कलर की टी-शर्ट व नीले कलर की जींस की पेंट पहना था। मृतक की जेब से 137 रुपये व कुछ कागज निकले जो बारिश की वजह से भीग चुके थे। इससे पढ़ने में नहीं आ रहे थे। आशंका है कि मृतक रात के समय किसी ट्रेन से गिर गया होगा और उसकी मृत्यु हो गई। चौकी प्रभारी ने बताया कि युवक की मौत ट्रेन से गिरने के कारण हुई है। उसके परिजनों ने बताया कि वह फर्रुखाबाद न्यायालय में तारीख लेने गया था। जहां से देर रात लौट रहा था।

वृद्धा ने पुत्र, बहू पर लगाया मारपीट करने का आरोप

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

एसपी कार्यालय के बाहर खडी वृद्धा।

- उसे समय से खाना नहीं दिया जाता, शिकायत एसपी से की

अमृत विचार। वृद्ध महिला को पुत्र व पुत्रवधू ने मारपीट कर घर से निकाल दिया। महिला दर दर की ठोकरें खाती घूम रही है। उसे समय से खाना नहीं दिया जाता। मामले की शिकायत एसपी से की गई है।

गुरसहायगंज कोतवाली क्षेत्र के गांव भट्टा जसोदा निवासी वृद्ध महिला चंद्रावती पत्नी छोटे सिंह ने एसपी को दिये शिकायती पत्र में कहा कि पुत्र रामबाबू व पुत्र बधू ने मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया है। इससे वह दर दर की ठोकरें खाती घूम रही है। उसके बक्से का ताला तोड कर सामान निकाल लिया गया। मकान में तीन कमरे हैं। इस के बाद भी वह घर के बाहर खुले में रहती है। यदि वह बहू से कुछ कहती तो मारपीट करती है। वह जीना दूभर किये हुए है। उसके पास 20 बीघा उपजाऊ भूमि है इस में पांच बीघा उसके पास है। एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच गुरसहायगंज कोतवाली प्रभारी को सौंपी है।

बुलेट व नगदी न मिलने पर विवाहिता को किया बेघर

गुरसहायगंज। ।ग्राम धरनीधरपुर्वा निवासिनी रंजना पुत्री सर्वेश दुबे ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में कहा है कि 05 वर्ष पूर्व उसका विवाह जनपद फर्रुखाबाद के थाना जहानगंज के ग्राम सिरोज निवासी सुरेश दीक्षित के साथ हुआ था। कुछ दिनों बाद से ही ससुराल में उसके पति सुरेश, ससुर मुकेश, देवर दीपक, ननद दीप्ति, जेठानी कोमल, ससुर के बड़े भाई राजीव और ददिया सास प्रकाशा देवी ने उससे अतिरिक्त दहेज में दो लाख रुपये व एक बुलेट मोटरसाइकिल की मांग शुरू कर दी और उसे शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताड़ित करने लगे। 13 जुलाई को उसके साथ गाली गलौज व मारपीट की। जान से मारने की धमकी देते हुए घर से बेघर कर दिया। रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

H.G.J.XXII नमूना काबिज फरोक्त
सम्मन विनावर इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
व अदालत प्रधान न्यायाधीश/परिवार न्यायालय औरैया
मो0 अरसद बनाम अफसाना उर्फ नाजिश
मुद्दई नम्बर– 118/2025
साकिन
अ0धारा – मुस्लिम विदाई
मो0 अरसद बनाम अफसाना उर्फ नाजिश
साकिन मुद्दाअलेह
मो0 अरसद पुत्र इस्लाम, निवासी ग्राम उमरी थाना दिबियापुर जनपद, औरैया
बनाम
अफसाना उर्फ नाजिश पुत्री इसराइल अहमद उर्फ पप्पू, निवासी– ग्राम वलहरामऊ थाना डेरापुर, कानपुर देहात
हरगाह के आपके नाम एक नालिश दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होता है । कि आप व तारीख 29 माह 08 सन् 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन के असालतन या मार्फत के जो मुकदमा के हालत करार माफिक किया गया और कुल पराद अहम मुताबिक मुकदमा का जबाव दे सके या जिसके जबावदेही दाबा के करे आपको लाजिम है कि उसकी जुमला दस्तावेज पेश कर जिन पर बताईद अपनी जबावदेही से दस्तदान करना चाहते हो । आपको इत्तिला दी जाती है अगर मजकूर आप हाजिर न होगें मुकदाम बगैरह हाजिरी मसमुआ और फैसला होगा । बवक्त मेरे दस्तखत और मोहर अदालत का आज दिनांक 15 माह 07 2025 ई0 जारी किया गया है।
प्रशानिक अधिकारी
प्रधान न्यायाधीश
परिवार न्यायालय, औरैया

शंकरपुर में टूटा विद्युत पोल, ग्रामीणों में आक्रोश

छिबरामऊ, कन्नौज। भारतीय किसान यूनियन बलराज के पदाधिकारी सौरव यादव ने बताया कि ग्राम शंकरपुर में एक महीने पहले एक विद्युत पोल टूटकर गिर गया था। ग्रामीणों ने कई बार बिजली विभाग में शिकायत की, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

ग्रामीणों का आरोप है कि जूनियर इंजीनियर (जेई) ने पोल हटाने के लिए हजारों रुपये की रिश्वत मांगी है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही पोल नहीं हटाया गया तो बड़ा हादसा हो सकता है, जिसका जिम्मेदार विभाग होगा। भारतीय किसान यूनियन बलराज ने स्पष्ट किया कि यदि तत्काल कार्रवाई नहीं हुई तो वे धरना-प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे। ग्रामीणों में विभागीय उदासीनता और रिश्वतखोरी के खिलाफ भारी आक्रोश है। यह स्थिति प्रशासन और बिजली विभाग की लापरवाही को उजागर करती है।

ईशन नदी के तट पर वृक्षारोपण महाअभियान, रोपे गए पौधे

संवाददाता,छिबरामऊ, कन्नौज

वृक्षारोपण करवाते वीडीओ दीपांकर आर्य। अमृत विचार

अमृत विचार। जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री के निर्देश पर वृक्षारोपण महाअभियान-2025 के तहत जनपद में ईशन नदी के तट पर बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया गया। इस अभियान का उद्देश्य पर्यावरण संतुलन, भू-जल स्तर में सुधार, जैव विविधता संरक्षण और भावी पीढ़ी के लिए स्वच्छ-हरित वातावरण सुनिश्चित करना है। यह पहल नदियों के पुनर्जनन, मृदा संरक्षण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने में भी सहायक होगी।

मंगलवार को विकासखंड सौरिख के ग्राम सराय ठेकू, छिबरामऊ के कैरादा और तालग्राम के सुतहा, खजुरिया व बरही में ईशन नदी के किनारे व्यापक वृक्षारोपण किया गया। वन विभाग द्वारा उपलब्ध जामुन, नीम, कंजी, शीशम, केसिया, गूलर, पीपल, पाकड़ और बांस जैसे पौधों में से 1000 से अधिक पौधे रोपे गए। ग्राम्य विकास, पंचायती राज और वन विभाग के संयुक्त प्रयासों व स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से यह कार्य संपन्न हुआ। ग्रामीणों ने पौधों की सिंचाई और सुरक्षा का संकल्प लिया। 9 जुलाई को नदी के जलग्रहण क्षेत्र की ग्राम पंचायतों में 25,000 पौधे रोपे गए थे, जिससे हरीतिमा बढ़ेगी और नदी का प्रवाह अविरल रहेगा। प्रभागीय वनाधिकारी और उपायुक्त श्रम रोजगार ने बताया कि जुलाई माह में यह अभियान जारी रहेगा। कार्यक्रम में खंड विकास अधिकारी दीपांकर आर्य, वन विभाग और विकासखंड के कर्मचारी मौजूद रहे।

स्थानीय ग्रामीणों की उत्साहपूर्ण भागीदारी ने अभियान को सफल बनाया। यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण और नदी पुनर्जीवन की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

पत्नी से मारपीट कर दी धमकी

गुरसहायगंज, कन्नौज। डुंडवाबुजुर्ग निवासिनी नूरसवा बेगम ने कहा है कि 14 जुलाई की शाम उसके पति ने उसके साथ गालीगलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर मारपीट कर घायल कर दिया।

आवश्यकता
राजकीय बालिका इंटर कालेज जैतपुर जनपद महोबा में अस्थाई मानदेय पर महिला शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। महिला अंग्रेजी, हिन्दी, भौतिक जीवविज्ञान, ग्रह विज्ञान विषय की महिला हो तथा बीए बीएड एम ए विषय के इच्छुक अभ्यर्थी विद्यालय में आकर प्रधानाचार्य से संपर्क करें ।
शशिदेवी
प्रधानाचार्य
राजकीय बालिका इंटर कॉलेज
जैतपुर– महोबा

पहल | बीएसए ने किया जर्जर भवन का निरीक्षण कर दिया भरोसा

जल्द बनेगा रामगंज प्रा. विद्यालय का नवीन भवन

संवाददाता गुरसहायगंज, कन्नौज

विद्यालय का निरीक्षण करते बीएसए संदीप कुमार। अमृत विचार

अमृत विचार। भवन जर्जर हो जाने के कारण बेसिक शिक्षा विभाग ने प्राथमिक विद्यालय का संचालन बंद कर दिया गया था। स्थानीय लोगों की मांग पर बीएसए ने जर्जर भवन का स्थलीय निरीक्षण किया और तकनीकी सर्वे करा कर जल्द नवीन भवन निर्माण का भरोसा दिया। चेयरमैन प्रतिनिधि ने विभागीय अनुमति मिलने पर निर्माण कराने की बात कही है।

मंगलवार की दोपहर नगर के मोहल्ला रामगंज स्थित प्राथमिक विद्यालय पहुंचे जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार ने विद्यालय के जर्जर भवन का निरीक्षण किया। इसमें पाया कि विद्यालय भवन में पानी जाने के कारण जगह-जगह नमी आ गई है। कई स्थानों पर पानी भी टपक रहा है। उन्होंने कहा कि मौजूदा भवन से बच्चों को खतरा था। कभी भी कोई भी अप्रिय घटना घटित हो सकती है। जल्द ही विद्यालय भवन का तकनीकी मुआयना करा कर एस्टीमेट तैयार कराया जाएगा। इस दौरान पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता ने कहा कि यदि विभाग अनुमति देता है और एस्टीमेट प्राप्त कराता है। तो जनहित में पालिका प्रशासन की ओर से विद्यालय भवन का निर्माण कराया जाएगा। जिससे मोहल्ले के बच्चों को सड़क पार कर पास के पूर्व माध्यमिक विद्यालय में नहीं जाना पड़ेगा। इस पर बीएसए ने सहमति देते हुए कहा कि जल्द ही विद्यालय निर्माण की प्रक्रिया को पूर्ण करने का प्रयास किया जाएगा। इस दौरान सभासद निर्मल गुप्ता, डॉ. रमेश बाथम, मनोज गुप्ता, राजू वर्मा, शिवम गुप्ता, अमन वर्मा, दिनेश सविता, मनोज वर्मा, अरविंद गुप्ता सहित आदि मौजूद रहे।

मेडिकल वैन में रक्तदान करता युवक। अमृत विचार

स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में 45 ने किया महादान

गुरसहायगंज, कन्नौज। एचपीसीएल फाउण्डेशन– डे के उपलक्ष्य में हिंदुस्तान पैट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के तत्वाधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिला अस्पताल की ब्लड बैंक टीम की देखरेख में करीव 45 लोगों ने रक्तदान किया। मंगलवार की सुबह नगर के जीटी रोड स्थित निरीक्षण भवन में पीके गैस सर्विस के द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसका उद्घाटन मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी, भाजपा जिला महामंत्री रामवीर कठेरिया व एरिया मैनेजर राहुल कुमार ने फीता काटकर किया। शिविर में ब्लड बैंक जिला अस्पताल की स्वास्थ्य विभाग टीम के डॉक्टर विभांशु चतुर्वेदी, एलटी अभिषेक प्रजापति, गोविंद मिश्रा, काउंसलर मिथिलेश कुमारी, वार्डबाय संदीप कुमार, मोहम्मद शफी, रविंद्र कुमार की देखरेख में लोगों ने रक्तदान किया। इस दौरान सीडीओ ने कहा कि रक्तदान करने से न सिर्फ हम एक जीवन बचाते हैं। बल्कि पूरे परिवार की खुशियों को भी सुरक्षित एवं संरक्षित करते हैं।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड

सूचना
मेरे आधार कार्ड में सतेन्द्र सिंह लिखा है जबकि शैक्षिक अभिलेखों में योगेन्द्र सिंह है। दोनों ही नाम मेरे है, लेकिन योगेन्द्र सिंह सत्य व सही नाम है। मुझे अब योगेन्द्र सिंह के नाम से जाना जाये। **योगेन्द्र सिंह पुत्र महेन्द्र सिंह, सदरपुर, बिबिया जलालपुर, कन्नौज।**

सूचना
मैं **श्रीमती मिठाना पत्नी स्व. नन्दराम ग्राम पूरे नवरंग, पोस्ट व थाना व तहसील लालगंज, जनपद रायबरेली** की मूल निवासिनी हूं। मेरी छह संतानों में सबसे छोटा पुत्र अमित कुमार और छोटी बहू शालिनी के दुर्व्यवहार और अमानवीय कृत्यों से तंग आकर अपने सारे रिश्ते नाते समाप्त करते हुए मैं अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रही हूं। अमित कुमार और शालिनी के किसी भी कृत्य से मैं या मेरे परिवार का कोई सदस्य जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना
सूचित हो कि मै **सुशील कुमार द्विवेदी पुत्र स्व0 रामआसरे द्विवेदी व श्रीमती सुधा देवी पत्नी सुशील कुमार द्विवेदी निवासीगण ग्राम भड़ावल, थाना डेरापुर, जिला कानपुर देहात।** मेरे चार पुत्र है क्रमशः मनोज कुमार, रोहित कुमार, नितिन कुमार व नितीश कुमार सभी की शादी हो गयी है। मेरा बड़ा पुत्र मनोज कुमार व पुत्रवधू निशा देवी आये दिन कुछ ना कुछ घटनाये कारित करती रहती है और अपराधी किस्म के लोगों को घर बुलाती है जिससे हम पति–पत्नी को उक्त लोग भला बुरा कहते हैं ।मेरे पुत्र मनोज कुमार व पुत्रवधू निशा देवी के गलत आचरण से हम लोग संतुष्ट नहीं है इनके द्वारा कोई भी गलत कार्य किया जायेगा तो उसकी जिम्मेदारी मेरे पुत्र मनोज कुमार व पुत्रवधू निशा देवी की होगी। अतः हम दोनों पति–पत्नी पुत्र मनोज कुमार एवं पुत्रवधू निशा देवी को इनके गलत आचरण के कारण अपनी चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहे हैं।

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा पुत्र इबरार अहमद व उसकी पत्नी जैनब आये दिन मुझे व मेरी पत्नी साफिया बानो को प्रताड़ित करते हैं। जिससे परेशान होकर मैं अपनी समस्त चल अचल संपत्ति से पुत्र इबरार और उसकी पत्नी जैनब को बेदखल करता हूं।इनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य, लेनदेन या लिखापढ़ी के ये दोनों स्वयं जिम्मेदार होंगे।मुझसे व मेरे परिवार से कोई वास्ता व सरोकार नहीं रहेगा। – **मो. यूसुफ पुत्र स्व. सुबराती, ग्राम नबीगंज विशुनपुर सारा पोस्ट नेवादा, थाना रौनाही, अयोध्या।**

सूचना
सूचित हो कि मैं **बनवारी लाल पुत्र राजाराम निवासी–म0न0–6 सिठौली खुर्द थाना–गोसाईगंज मोहनलालगंज जनपद–लखनऊ उत्तर प्रदेश** का हूं, मैने अपने पुत्र आलोक यादव बहू पूजा यादव पत्नी आलोक यादव के गलत चाल–चलन एवं लड़ाई–झगड़े से तंग होकर अपनी चल–अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है आज से आलोक यादव व पूजा यादव के द्वारा किये गये किसी भी कृत्य की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार की नहीं होगी।

सूचना
सूचित किया जाता है कि मैं अपने पुत्र जयकुमार को उसके गलत चालोचलन व गलत आचरण के चलते अपने चल व अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। इनके द्वारा भविष्य में कोई गलत कृत्य किया जाता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा । इससे मेरा या मेरे परिवार का कोई सरोकार नहीं होगा । **ओमप्रकाश मौर्या पुत्र स्व0 हरिनारायन ग्राम खड़ता थाना मलिहाबाद जिला लखनऊ**

आज का मौसम
बुधवार को बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है।
32.0° अधिकतम तापमान
27.0° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05:23
सूर्यास्त 07:08

अनुराग हेल्थ केयर प्रा.लि.
•ICU •NICU DIALYSIS
• MODULAR OT
दूरबीन विधि से आपरेशन अब कम खर्च में
सीजीएचएस, मेडीक्लेम व आयुष्मान कार्ड मान्य
117/क्यू/702, शारदा नगर, कानपुर
9889538233, 7880306999

कोटेदारों को मिले अन्य प्रदेशों जितना लाभांश

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- ऑल इण्डियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसो ने सौंपा ज्ञापन
- मांगें पूरी न होने पर अगस्त में तीन दिन रोक देंगे वितरण

अमृत विचार। ऑल इण्डियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन ने प्रदेश में कोटेदारों को मिलने वाले लाभांश को कम बताते हुए इसे अन्य प्रदेशों की भांति करने की मांग की है। इसके अलावा अन्य बिंदुओं पर भी अपनी मांगें जिला पूर्ति अधिकारी के समक्ष रखी हैं।

मंगलवार को एसोसिएशन की प्रदेश उपाध्यक्ष खातून बेगम के नेतृत्व में कोटेदारों ने तहसील में प्रदर्शन किया। इसके बाद मांगें से संबंधित ज्ञापन जिला पूर्ति अधिकारी राजीव मिश्र को सौंपा। इसमें कहा गया कि वर्तमान में फोन से फीडबैक लिया जा रहा है। इसमें विरोधियों के पास फोन जाने पर उल्टा सीधा जवाब मिलता है। और तो और कई बार तो ऐसे व्यक्ति से बात की जाती है जो राशन लेने गया ही नहीं। इससे गलत जानकारी के आधार पर जांच हो जाती है जिससे शोषण की स्थिति आती है। सरकार किसी एक विभाग से ही जांच कराए। इसी तरह प्रदेश में कोटेदारों के खाद्यान्न पर लाभांश 90 रुपये व चीनी पर 70 रुपये प्रति क्विंटल ही मिलता है। वहीं हरियाणा, गोवा व दिल्ली में 200 रुपये क्विंटल जबकि गुजरात में 20 हजार रुपये कम से कम लाभांश है। प्रदेश में भी यही व्यवस्था लागू की जाए।

जिला पूर्ति अधिकारी राजीव मिश्र को ज्ञापन देते एसोसिएशन के लोग। अमृत विचार

इसके साथ ही कोटे की दुकान पर डोर स्टेप डिलीवरी के तहत खाद्यान्न पहुंचाने, बकाया भुगतान किए जाने, ऑनलाइन वितरण किए जाने से सत्यापन अधिकारी, वितरण अधिकारी, वितरण प्रमाणपत्र व स्टाक रजिस्टर बंद कर पेपर लेस व्यवस्था किए जाने की मांग रखी। यह भी कहा कि स्वयं सहायता समूह की ओर से संचालित दुकान का कमशीन संचालक के खाते में दिया जाए। इसी तरह एमडीएन और आईसीडीएस के खाद्यान्न पर एनएफएसए खाद्यान्न की भांति कमीशन दिया जाए। चेतावनी दी कि यदि इन बिंदुओं पर कार्रवाई नहीं होती है तो वे लोग अगस्त में प्रथम तीन दिन का वितरण रोक देंगे जिसकी जिम्मेदारी शासन व प्रशासन की होगी।

अस अवसर पर ब्रजेश कुमार, तारा देवी, प्रांजुल वर्मा, रामू सिंह, प्रमोद कुमार, गणेश शंकर, गया प्रसाद, जितेंद्र सिंह, राजीव सिंह चौहान, राकेश सिंह आदि मौजूद रहे।

Bareilly-Lucknow Road, Near Faridpur, Bareilly (U.P.) India
Call : 9105057520, 9105057515
www.futureuniversity.in
Scan this QR Code for apply instantly

मेगा कैंप लगा कर बिजली विभाग उपभोक्ताओं की सुनेगा शिकायत

तत्काल शिकायत का किया जायेगा निस्तारण, कल कन्नौज में कैंप लगेगा

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

अमृत विचार। बिजली विभाग उपभोक्ताओं की समस्याओं को लेकर मेगा कैंपों का आयोजन करेगा। कैंप में बिजली संबंधी सभी समस्याओं का निदान किया जायेगा। कैंप 17 से 19 जुलाई तक बिजली कार्यालय, उप खण्ड कार्यालय व गांव में लगाये जायेंगे। कैंप में मीटर से लेकर विभाग के सभी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहेंगे।

बिजली संबंधी समस्या का निस्तारण करने में बिजली विभाग लापरवाही बरत रहा है। इससे उपभोक्ताओं में असंतोष पनप रहा था। इसी को देखते हुए मुख्य अभियंता विद्युत वितरण कानपुर ने पत्र जारी कर अधिशाषी अभियंता विद्युत कन्नौज व छिबरामऊ को आदेश दिये हैं कि वह अपने व उपखण्ड कार्यालय और गांव में मेगा कैंपों का आयोजन 17 से 19 जुलाई तक सुवह 10 से शाम 05 बजे तक करायें। इस दौरान पर्याप्त लैपटाप व कंप्यूटरों की व्यवस्था कैंप में रखें। प्रत्येक शिकायतकर्ता की शिकायत टोल फ्री नंबर 1912 पर दर्ज की जाये। इसकी रसीद भी दी जाये। प्रयास किया जाये कि उपभोक्ता की शिकायत का हर हाल में समाधान हो जाये। इसमें नये कनेक्शन देने, भार वृद्धि, खराब मीटर बदलना, बिल संशोधित करने, विधा परिवर्तन करने, बिल जमा करने समेत अन्य तरह की शिकायतों का निस्तारण किया जायेगा। 17 जुलाई को मेगा कैंप अधिशाषी अभियंता विद्युत कन्नौज कार्यालय परिसर में लगाया जायेगा। कैंप में अधिशाषी अभियंता के अलावा सभी उप खण्ड अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहेंगे। इसी तरह 18 जुलाई को मानीमऊ क्षेत्र के गांव उदैतापुर गांव में कैंप लगेगा। इस कैंप में भी अधिशाषी अभियंता के अलावा एसडीओ व कर्मचारी मौजूद रहेंगे। 19 जुलाई तिर्वा कस्बे के उप खण्ड अधिकारी विद्युत के कार्यालय परिसर में कैंप लगाया जायेगा। यहां पर भी अधिशाषी अभियंता के अलावा एसडीओ व कर्मचारी मौजूद रहेंगे। इसी तरह छिबरामऊ विद्युत वितरण क्षेत्र के गांव गुलरियनपुर पोस्ट सरायप्रयाग में मेगा कैंप लगेगा। यहां पर अधिशाषी अभियंता छिबरामऊ के अलावा सभी एसडीओ व कर्मचारी मौजूद रहेंगे। इस के अलावा 18 जुलाई को ग्राम जलालाबाद में कैंप का आयोजन किया जायेगा।

यही पर भी सभी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहेंगे। 19 जुलाई गांव कसावा में मेगा कैंप का आयोजन किया जायेगा। यहां पर भी अधिशाषी अभियंता छिबरामऊ व एसडीओ और कर्मचारी मौजूद रह कर शिकायतों का समाधान करेंगे। खास बात यह रहेगी कि सभी कैंपों में सहायक अभियंता मीटर अपनी टीम के साथ मुस्तैद रहेंगे। कैंप के लिये मुख्य अभियंता ने चेतावनी दी हैं कि कैंप से गायब रहने वाले अधिकारी कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

खपत घटी, फिर भी हीट हो रहा मानपुर विद्युत उपकेंद्र का ट्रांसफार्मर

कन्नौज। बारिश होने से बिजली की खपत कम हुई है। इसके बाद भी मानपुर विद्युत उपकेंद्र का ट्रांसफार्मर हीट हो रहा है। इससे कर्मचारियों को एक-एक घंटे की कटौती कर बिजली देनी पड़ रही है। जिला मुख्यालय से लगे मानपुर विद्युत उपकेंद्र में ओवरलोडिंग की समस्या का निदान नहीं हो सका है। इसी से कलक्ट्रेट फीडर भी जुड़ा है जो शहरी क्षेत्र में आता है। बारिश के बाद बिजली की मांग कम हुई पर यहां लगा 10 एमवी का ट्रांसफार्मर हीट हो रहा है। इससे कर्मचारियों को एक-एक घंटे की बिजली काटनी पड़ रही है। सोमवार को भी एक-एक घंटे की कटौती से उपभोक्ताओं को दोपहर के समय बिजली नहीं मिली। यह स्थिति तब है जब देहात क्षेत्र को 18 घंटे बिजली देने के आदेश हैं। इनमें स्थानीय फाल्ट होते रहते हैं। इससे उपभोक्ताओं को बिजली नहीं मिलती। उपकेंद्र के कर्मचारी बिजली कितनी मिली इससे वास्ता नहीं रखते, पर यह पता है कि रोस्टिंग कब करनी है। इसकी मुख्य वजह ट्रांसफार्मर की ओवरलोडिंग बताई जा रही है।

हीट हो रहे मानपुर विद्युत उपकेंद्र के ट्रांसफार्मर को चेक करता लाइनमैन।

जमीन विवाद में भिड़े दो पक्ष, तीन लोग घायल

सौरिख,कन्नौज। विवादित जमीन पर पशुओं के खूंटा गाड़ने को लेकर दो पक्षों में लाठी डंडे चले। घटना में महिला सहित तीन लोग घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल में मेडिकल परीक्षण को भेजा गया।

थाना क्षेत्र के गांव मध्य नगला निवासी मदनगोपाल शर्मा ने बताया कि उसके मकान पर गांव के ही लोग जबरिया कब्जा कर रहे थे। जब मना किया तो कुलदीप ,केशव पुत्रगण बृजमोहन, ब्रजमोहन,लल्लन पुत्रगण बेंचेलाल, राजू पुत्र आलोक, दिलीप पुत्र सुभाष ने लाठी डंडों से हमला बोल दिया। जिसके चलते पत्नी रामाकांती व उसे चोटें आईं। दूसरे पक्ष से कुलदीप पुत्र ब्रजमोहन ने बताया कि विवादित जमीन पर पशुओं को बांधने के लिए खूंटा गाड़ रहे थे। जब मना किया तो उक्त लोग एक राय होकर मारपीट कर दी जिसमें उसे चोट आई है। दोनो पक्षों के घायलों ने थाने पहुंच कर प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने सभी घायलों को मेडिकल परीक्षण के लिए भेज दिया। इससे पहले भी कई बार कब्जे को लेकर मारपीट हो चुकी है।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

विश्व युवा कौशल दिवस पर बांटे गए नियुक्ति पत्र

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में हुआ आयोजन
- प्रशिक्षण प्रदाताओं व उद्योग प्रतिनिधियों का भी सम्मान

अमृत विचार। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, बेहरिन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान रोजगार मेले में नौकरी पाने वालों के नियुक्ति पत्र बांटे गए तथा अच्छे काम के लिए प्रशिक्षण प्रदाताओं व उद्योग प्रतिनिधियों को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक कैलाश राजपूत, जिलाधिकारी आशुतोष मोहन अग्निहोत्री तथा मुख्य विकास अधिकारी रामकृपाल चौधरी ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर कौशल यूथ आईकॉन सम्मान के तहत सेवायोजित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरण किए। उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रशिक्षण प्रदाताओं एवं उद्योग प्रतिनिधियों को प्रतीक चिन्ह एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें समाधान टीम ने उपस्थित युवाओं को योजना की विस्तृत जानकारी दी। एमएसएमई के पोर्टल के विषय में प्रस्तुतीकरण किया गया। इस कार्यशाला में सभी बैंकों के जिला समन्वयक भी उपस्थित रहे।

विधायक, जिलाधिकारी, सीडीओ, उद्योग उपायुक्त के साथ नियुक्तिपत्र पाने वाले सेवायोजित युवा। अमृत विचार

विधायक ने राज्य सरकार एवं टाटा टेक्नोलॉजी लि. के मध्य अनुबन्ध के अन्तर्गत राजकीय आई.टी.आई. में चल रहे पाठ्यक्रमों की प्रशंसा करते हुये जनपद के अधिकाधिक युवाओं को कौशल प्रशिक्षण के तहत जुड़ने को प्रोत्साहित किया। जिलाधिकारी ने सभी युवाओं को इस योजना का लाभ लेने को प्रेरित किया। कहा कि मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के माध्यम से युवा 5 लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण लेकर अपना रोजगार खड़ा कर सकते हैं।

कार्यक्रम में उपायुक्त, उद्योग धनन्जय सिंह, अग्रणी जिला प्रबन्धक अमरेन्द्र कुमार, प्रधानाचार्य आईटीआई कन्नौज अनुज कुमार मौर्य, प्रधानाचार्य आईटीआई तिर्वा अनूप श्रीवास्तव, प्रधानाचार्य आईटीआई छिबरामऊ संजीव पाल सहित समस्त कार्यदेशक, समस्त अनुदेशक आदि उपस्थित रहे।

समस्याओं पर भाकियू टिकैत ने किया प्रदर्शन

संवाददाता छिबरामऊ, कन्नौज

अमृत विचार। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत) ने किसानों की समस्याओं के समाधान को लेकर तहसील परिसर में धरना प्रदर्शन करते हुए उपजिलाधिकारी को संबोधित सात सूत्री ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपा है।

मंगलवार को सौंपे ज्ञापन में कहा गया है कि तेराजाकेट से तालग्राम मार्ग पर विरोली में अन्धा मोड़ है, जिससे आए दिन दुर्घटना होती रहती है। इसके लिए उचित व्यवस्था की जाए। समिति में खाद उपलब्ध कराने के साथ किसानों को उचित मात्रा में दी जाए। इसके अलावा मक्का बिक्री केन्द्र खोले जाने, तालाब का पानी न निकलने से जलमग्न मझपुर्वा में पानी की निकासी के लिए उचित व्यवस्था किए जाने, नालों का निर्माण व पुराने नालों की साफ सफाई कराने की मांग रखी। अन्ना पशु द्वारा किसानों की फसलों को नष्ट किए जाने पर चिंता जताते हुए समस्या समाधान की मांग की। इस दौरान जिला उपाध्यक्ष इरशाद अली, तहसील अध्यक्ष मोहम्मद फकरे आलम, जिला सचिव अब्दुल मतीन, नगर अध्यक्ष समधन नईम अहमद, मोहम्मद शमशाद, दीपक शर्मा, सलमान बेग व मोहम्मद आसिफ सहित दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे।

किशोरी के साथ दुष्कर्म, रिपोर्ट दर्ज

सौरिख,कन्नौज। युवक ने किशोरी को बफुसला कर अपने घर बुला कर उसके साथ दुष्कर्म किया। पीड़िता की मां की तहरीर पर पुलिस ने मामला पंजीकृत करते हुए पीड़िता को डॉक्टरी परीक्षण को भेज दिया।

थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी की मां ने तहरीर देते हुए बताया कि उसकी 15 वर्षीय पुत्री को काकरकुई निवासी अभय प्रताप पुत्र पुष्पेंद्र सिंह रविवार रात बहला फुसला कर अपने घर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। पुत्री ने घर आकर पूरी बात रो रोकर बताई। उसके बाद वह अपनी पुत्री को लेकर थाने आई जहां तहरीर देकर न्याय की मांग की। पुलिस ने पीड़िता को डाक्टरी परीक्षण के लिए भेज दिया। जांच की जा रही है।

राशन में घटतौली बर्दाश्त नहीं : असीम

कार्यालय संवाददाता कन्नौज

- उपभोक्ताओं से कहा, कोटेदार पूरा अनाज नहीं देता तो करें शिकायत
- सतर्कता अभियान शुरू किया ताकि योजनाओं का लाभ पात्रों को मिले

अमृत विचार। समाज कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि गरीबों के हक के राशन में घटतौली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोटेदार यदि कम राशन देता है और व्यवहार भी सही नहीं करता तो इसकी शिकायत की जाए। इस पर यथोचित कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सदर विधायक ने प्रदेश सरकार द्वारा पात्र लोगों के लिए भेजे गए राशन के वितरण में पूर्ण पारदर्शिता बनाए रखने और एक-एक दाना सही लाभार्थी तक पहुंचाने की अपील की है। कहा कि योगी सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भेजा गया राशन, पात्र परिवारों तक पहुंचे, यही पहली प्राथमिकता है। इस उद्देश्य को लेकर एक सतर्कता अभियान शुरू किया गया है। लाभार्थियों से अपील की है कि अगर किसी को राशन कम मात्रा में दिया जा रहा है, तो उसे स्वीकार न करें।

1077 पर करें शिकायत, बनाएं वीडियो प्रमाण

राज्यमंत्री ने बताया कि राशन वितरण को लेकर जिला कमांड सेंटर सक्रिय है। कोई भी कोटेदार कम राशन देता है या लाभार्थी को परेशान करता है तो उसकी शिकायत सेंटर के हेल्पलाइन नंबर 1077 पर करें। इसके अलावा घटतौली की स्थिति में वीडियो बनाना न भूलें, ताकि दोषी के खिलाफ ठोस प्रमाण के आधार पर कार्रवाई की जा सके।

डोर स्टेप डिलिवरी की जाएगी सुनिश्चित

यह भी स्पष्ट किया कि सरकार कोटेदारों की समस्याओं को लेकर भी संवेदनशील है। कुछ दुकानों तक छोटे वाहन न पहुंच पाने से डोर स्टेप डिलीवरी में दिक्कतें आ रही हैं। इस संबंध में विपणन विभाग को निर्देशित किया गया है कि नियमों के अनुसार डोर स्टेप वितरण सुनिश्चित करें। कोटेदारों, विपणन कंपनियों और अधिकारियों ने भी सहयोग का आश्वासन दिया है।

सार-संक्षेप

परिवहन मंत्री को पत्र देते ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि। अमृत विचार

तालग्राम में जल्द बनेगा रोडवेज स्टेशन

छिबरामऊ, कन्नौज। प्रदेश सरकार के परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने तालग्राम में रोडवेज बस स्टेशन जल्द बनवाने का आश्वासन दिया है। तालग्राम ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि राजीव सिंह गौर ने लखनऊ में परिवहन मंत्री से मुलाकात करके कहा था कि जनपद कन्नौज के कस्बा व ब्लाक तालग्राम में बस स्टैण्ड बनाये जाने की मांग कई वर्षों से की जा रही है। यहां पर यात्रियों की बसों की प्रतीक्षा से लेकर बैठने उठने तक की असुविधा का सामना करना पड़ता है। रोडवेज बस चालकों को सवारियां रोड से उठानी पड़ती हैं जिससे जाम की समस्या बनी रहती है। जनसमस्या को ध्यान में रखते हुए ब्लाक व कस्बा तालग्राम में एक बस स्टैण्ड का निर्माण कराने की महती आवश्यकता है। इस अनुरोध मंत्री ने परिवहन निगम के प्रबंध निदेशक को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए।

प्रधान प्रतिनिधि पर लगाया मारपीट का आरोप

छिबरामऊ, कन्नौज। ग्राम चंद्रपुर निवासी गर्भवती महिला ने ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाते हुए मामले की शिकायत पुलिस से की है। सिकंदरपुर चौकी क्षेत्र के ग्राम चंद्रपुर निवासी नीलम देवी पत्नी प्रदीप कुमार पुत्री राम औतार ने बताया कि वह गर्भवती है। आरोप है कि सोमवार की शाम ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ने उसके भाई सनोज उर्फ गोरेलाल के साथ पुरानी रंजिश को लेकर गाली गलौज करते हुए मारपीट कर दी। किसी तरह वह खुद को बचाकर घर पर पहुंच गया। उक्त दबंग गाली गलौज करते हुए घर में घुस आए और उसके साथ बुरी तरह मारपीट करने लगे। वह बचाने गई तो दबंगों ने उसके साथ भी लात घूंसों से मारपीट की। पीड़ित महिला ने मामले की शिकायत पुलिस से की है।

नवीन मंडी की समस्याएं हल करने की मांग

छिबरामऊ, कन्नौज। तालग्राम की ब्लॉक प्रमुख सुमन सिंह के प्रतिनिधि राजीव सिंह गौर ने मंडी सचिव को ज्ञापन देकर समस्याएं हल करने की मांग की। ज्ञापन में कहा गया है कि समस्याएं हल करने के बारे में मोबाइल पर कई बार वार्ता की गई, लेकिन किसी समस्या का निस्तारण नहीं किया गया। इन दिनों मंडी में मक्का और मूंगफली की आवक बढ़ने से बड़ी संख्या में किसान आ रहे हैं लेकिन उनके लिए अब तक शौचालय, साफ-सफाई, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था नहीं की गई है। बिजली की जर्जर लाइनों से हर समय जान का खतरा बना रहता है। इन समस्याओं को गम्भीरता से लेते हुए शीघ्र निस्तारित किया जाए।

चोरों ने सोलर प्लेट, इनवर्टर व दो बैटरी पार की

गुरसहायगंज, कन्नौज। युवक के घर से चोरों ने सोलर प्लेट, इनवर्टर व दो बैटरी पार कर दी। पीड़ित ने कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर चोरों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। ग्राम मौरा निवासी हरिनारायण पुत्र वीरपाल ने कोतवाली में दिए गए शिकायती पत्र में कहा है कि सोमवार की रात चोरों ने उसके खांडेदेवर स्थित मकान से सोलर प्लेट, इनवर्टर व दो बैटरी चोरी कर ली। जब सुबह पीड़ित अपने घर में गया। तो उसे इस बात की जानकारी हुई। कोतवाली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

खेलकूद

एथलेटिक्स स्पर्धा में छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

जूनियर वर्ग की फुटबाल प्रतियोगिता में ऋषि भूमि अव्वल

संवाददाता सौरिख, कन्नौज

अमृत विचार। जिला खेल कार्यालय की ओर से स्पोर्ट्स स्टेडियम सौरिख में जिलास्तरीय जूनियर बालक फुटबाल व जूनियर बालक/बालिका एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसमें फुटबाल प्रतियोगिता में ऋषि भूमि इंटर कालेज की टीम ने बाजी मारी।

मंगलवार को प्रतियोगिता का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष राहुल गुप्ता ने किया। फुटबाल प्रतियोगिता में ऋषि भूमि की टीम ने एमएसए एजुकेशन सरदापुर को 4-0 से पराजित कर दिया। कामरान ने 3 व अनिल ने एक गोल किया। इसके अलावा 100 मीटर दौड़ बालक में सत्यम यादव, रजत गौतम व मो. कामरान ने प्रथम तीन स्थान पर कब्जा किया। 200 मी. बालक में अमन प्रथम रहे जबकि ऋषि यादव द्वितीय व रजत गौतम तृतीय स्थान पर रहे। 100 मीटर दौड़ बालिका में रानि, रचना, रियांशी क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय रहीं। 800 मीटर में रचना, शनि, रियांशी अव्वल रहीं। 800 मी. बालक वर्ग की दौड़ में आयुष, सचिन व क्रिस ने पहले तीन स्थान पर कब्जा किया। शाटपुट में अभिनव नागर, अन्नू नागर व गोविंद, डिस्कस थ्रो में सीजर सिंह, ईशू प्रताप सिंह व अन्नू यादव और जेवलिन थ्रो में पिंकू, सूरज सिंह व अभनिव नागर ने पहले तीन स्थान प्राप्त किए।

विजेता खिलाड़ियों के साथ विधायक कैलाश राजपूत, जिला क्रीड़ा अधिकारी नूर हसन व अन्य। अमृत विचार

पुरस्कार वितरण विधायक कैलाश राजपूत ने किया जबकि प्रतियोगिताओं का आयोजन जिला क्रीड़ा अधिकारी नूर हसन की देखरेख में हुआ। निर्णायक मंडल बलराम यादव, प्रदीप कुमार, अमित राजपूत, अनुज यादव रहे।

बार चुनाव को एक सप्ताह तक ली जा सकती सदस्यता

संवाददाता छिबरामऊ, कन्नौज

अमृत विचार। बार एसोसिएशन के चुनाव में अध्यक्ष एवं महासचिव पद के लिए कई पूर्व पदाधिकारियों ने भी जनसंपर्क शुरू कर दिया है। एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष ने सदस्यता के लिए एक सप्ताह का समय और बढ़ा दिया है।

अध्यक्ष पद पर पूर्व अध्यक्ष रामचन्द्र मिश्रा, पूर्व अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्ष राजकुमार सिंह, पूर्व अध्यक्ष शिवनाथ सिंह यादव संभावित प्रत्याशी हैं। महामंत्री पद पर पंकज मिश्रा, श्याम सिंह भारती, रजनीश यादव, घनश्याम यादव, अनिल यादव, राम प्रकाश यादव संभावित प्रत्याशी है। कोषाध्यक्ष पद पर अंजू पटेल, सद्दाम हुसैन, आशुतोष चौहान, सरजीत यादव संभावित प्रत्याशी हैं। कोषाध्यक्ष और महासचिव पद के लिए कई दावेदार दौड़ में हैं। उधर बार एसोसिएशन के वार्षिक निर्वाचन हेतु सदस्यता अभियान के अंतिम दिन तक 401 सदस्यों ने सदस्यता शुल्क जमा कर दिया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष व महासचिव ने एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष को पत्र सौंप कर सदस्यता शुल्क जमा करने के लिए और समय मांगा। इस पर एल्डर्स कमेटी के अध्यक्ष ने एक सप्ताह का अतिरिक्त समय प्रदान किया है। अध्यक्ष एवं महासचिव ने अपील की है कि सभी सदस्य जल्द से जल्द सदस्यता शुल्क जमा करें ताकि मतदाता सूची एल्डर्स कमेटी को सौंपी जा सके।

पेड़ से लटके मिले युवक व युवती

युवक की मौत व युवतीअचेत, युवती को गंभीर अवस्था में पीजीआई में भर्ती कराया गया

संवाददाता बसरेहर इटावा

घटनास्थल पर मौजूद पुलिस व गांव के लोगों से बातचीत करते सीओ सैंफई राम गोपाल शर्मा ।

- चौबिया थाना क्षेत्र के ग्राम नगला बरी का मामला
- मामले की जाचं-पड़ताल में जुटी पुलिस

अमृत विचार । चौबिया थाना क्षेत्र के ग्राम नगला बरी के पास खेत में खड़े एक आम के पेड़ पर मंगलवार की सुबह एक युवक व युवती लटके मिले। दोनों के पेड़ पर लटके मिलने की जानकारी से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई। गांव व आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को फंदे से उतारा लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। वही युवती बेहोशी की हालत में थी। पुलिस ने तुरंत उसे उपचार के लिए पीजीआई भिजवाया जहां उसका उपचार चल रहा है। घटना के पीछे प्रेम प्रसंग का मामला बताया जा रहा है। युवक व युवती अलग अलग गांव के है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

क्षेत्र के गांव हिद्द पुरा निवासी असित यादव पुत्र जल सिंह का अपने ही पड़ोस के गांव की रेशमा से कुछ समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। दोनों अलग अलग बिरादरी के होने के कारण परिवार के लोग इसका विरोध करते थे लेकिन दोनों आपस में मिलते रहते थे। परिवार वालों के विरोध के कारण सोमवार को दोनों अपने अपने घरों से गायब हो गए। उनके गायब होने पर परिवार के लोग उनकी खोजबीन करते रहे। सोमवार की रात को दोनों ने गांव से बाहर खेत पर खड़े आम के पेड़ से फांसी पर लटक गए। असित ने युवती के दुपट्टे से जबकि रेशमा ने युवक की शर्ट का फंदा बनाया था। लेकिन शर्ट का फंदा टूट गया और युवती बेहोशी की हालत में टहनियां में फंसकर लटक गई।

मंगलवार की सुबह जब गांव के लोग खेतों की ओर गए तो दोनों को लटके देखा। जानकारी मिलने पर दोनों के परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों को नीचे उतारा। युवती की सांसे चल रही थी तो पुलिस ने उसे उपचार के लिए पीजीआई भिजवा दिया। जबकि युवक असित की मौत हो चुकी थी ।

असित के परिजनों का आरोप है कि युवती के परिजनों ने उसकी हत्या की है। उनका कहना है खोज बीन के दौरान युवती के परिजनों ने सोमवार की रात्रि करीब साढ़े 9 बजे उनके घर पहुंचकर युवक युवती के मिल जाने पर दोनों की हत्या कर देने की धमकी दी गई थी। और सुबह दोनों पेड़ पर लटके मिले हैं। फिलहाल पुलिस ने मृतक असित के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया है। सीओ सैंफई राम गोपाल शर्मा ने बताया कि प्रथम द्रष्ट्या मामला प्रेम प्रसंग का लग रहा है। लेकिन जांच के बाद ही पूरी तरह से स्थति स्पष्ट होगी।

चार लोगों के खिलाफ दर्ज हुई धोखाधड़ी की रिपोर्ट

बकेवर। कर्नाटक की जेटवर्क कम्पनी के वरिष्ठ प्रबन्धक ने चार लोगों के विरुद्ध धोखाधड़ी व अमानत में खयानत का मामला दर्ज कराया है। मामला कम्पनी द्वारा भेजे गए 1 करोड़ 29 लाख रुपये के माल को गायब करने व फर्म की दी गयी 50 लाख की चेक के बाउंस होने का आरोप है। कर्नाटक के बंगलूर जेटवर्क मैन्युफैक्चरिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबन्धक नवनीत कुमार ने बकेवर थाना में अनिल यादव, अनुराग यादव,शशांक यादव, पर आरोप है कि उनकी एमएस एसोसिएट को लो सल्फर फ्यूल आयल दिया था । शशांक यादव व अनुराग यादव ने खुद को एमएस अनुराग कम्पनी का प्रतिनिधि बताया । बैठक में भंडारण की 500 रुपये टन की शर्ते तय हुई।

कम्पनी ने 1 करोड़ 29 लाख कीमत का माल दिया। लेकिन उन्होंने माल को गायब कर दिया। बाद में उन्होंने 50 लाख का चेक दिया था। जो बांउस हो गया। एसएसपी के आदेश पर बकेवर थाना पुलिस ने सभी के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया।

फ्लोर मिल में आग लगने से मचा हड़कंप

संवाददाता जसवंतनगर इटावा

आग बुझाते दमकल कर्मी व अन्य लोग। अमृत विचार

- दमकल की चार गाड़ियों ने पांच घंटे के बाद आग पर पाया काबू
- एक करोड़ का नुकसान होने का लगाया अनुमान

अमृत विचार । राष्ट्रीय राजमार्ग से सटे डुढहा मार्ग पर मंगलवार सुबह श्रीराम एग्रो आटा मिल में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप घारण कर लिया। जानकारी मिलने पर मिल में काम कर रहे मजदूरों के अलावा आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग बढ़ती ही गई। दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत कर पांच घंटे बाद आग पर काबू पाया।

कस्बा निवासी सत्य प्रकाश की हाईवे से कुछ ही दूरी पर श्री राम एग्रो के नाम से आटा मिल है। मंगलवार की सुबह मिल में अचानक आग लग गई। मिल में आग लगने से धुआं के साथ तेज लपटें उठने लगीं। आग लगने की जानकारी पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने के प्रयास शुरू कर दिए। लेकिन आग बढ़ती ही जा रही थी। सूचना पर पहुंची सीओ आयुषी सिंह तहसीलदार नेहा सचान इंस्पेक्टर रामसहाय सिंह ने तुरंत ही दमकल विभाग को सूचना कर फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को मौके पर बुलाया। तब तक आग मिल के तीसरी मंजिल तक पहुंच चुकी थी। चार फायर ब्रिगेड गाड़ियों ने पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पास ही स्थित बृजेश भुवनेश कोल्ड स्टोरेज से दमकल गाड़ियों के लिए पानी की आपूर्ति की गई। इस दौरान दुढहा जारी खेड़ा मार्ग की बदहाल स्थिति और पानी भरे गड्ढों ने अभियान में काफी बाधा डाली। आग के चलते मिल में रखा सारा सामान चपेट में आ गया। इस हादसे में करीब 1,500 गेहूं से भरे कट्टे और ढाई लाख से ज्यादा खाली बोरे जलकर राख हो गए। मिल मालिक सत्य प्रकाश पुत्र राजेंद्र कुमार ने इस घटना में करीब एक करोड़ रुपये से ज्यादा के नुकसान का अनुमान लगाया है। मिल मालिक ने बताया कि उनकी आटा मिल में धरतीपुत्र ब्रांड के नाम से आटा पैकिंग होती है। मंगलवार सुबह दस बजे उन्हें सूचना मिली कि मिल में आग लग गई है। सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंचे तो देखा कि पूरी मिल आग की लपटों से घिरी हुई थी और धुएं का गुबार दूर से दिखाई दे रहा था। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

विश्व युवा कौशल दिवस पर हुई लाभार्थियों की प्रतियोगिता

कार्यालय संवाददाता इटावा

अमृत विचार । जन शिक्षण संस्थान प्रायोजित कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार ने जसवन्तनगर ब्लाक के ग्राम सिसहाट में सरस्वती इण्टर कालेज में विश्व युवा कौशल दिवस पर लाभार्थियों की कौशल प्रतियोगिता में मेंहदी प्रतियोगिता, नाटक प्रतियोगिता के उपरान्त कौशल दिवस की महत्ता पर गोष्ठी हुई।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक रवीन्द्र चौहान ने कहा आज भी कई ऐसे देश और समाज हैं जहां भारी संख्या में युवा बेरोजगार हैं। ऐसे में उन्हे कौशल बनाने और उनकी क्षमता के विकास के लिए जागरूकता पैदा करना ज़रूरी है। इसलिए प्रत्येक वर्ष 15 जुलाई के दिन विश्व युवा कौशल दिवस मनाया जाता है। विद्यालय प्रधानाचार्य नरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि युवाओं को कौशल के साथ साथ प्राकृतिक संसाधनों को बचाने का कार्य करना चाहिए। सहायक कार्यक्रम अधिकारी यश कश्यप ने कहा कि युवा वर्ग के स्किल और उनके कार्यों को डेवलप करना है, जिससे युवाओं को स्वरोजगार के साथ आत्मनिर्भर बनाया जा सके। प्रतियोगिता में प्रथम निशा, द्वितीय आरती, तृतीय अनुपा ने स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता की संयोजिका वैजयंती एवं कार्यक्रम का संचालन अमन चतुर्वेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में अनुज कुमार, इंदू, चंदन पोरवाल, सतेन्द्र आदि रहे।

जनपद की रैंकिंग में सुधार लाने के दिये निर्देश

कार्यालय संवाददाता इटावा

बैठक में मातहतों को निर्देश देते जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल। अमृत विचार

- डीएम ने बैठक कर विभिन्न विभागों के कार्यों की समीक्षा की

अमृत विचार । दर्पण पोर्टल विकास कार्यों की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में हुई।

विद्युत विभाग की समीक्षा में जिलाधिकारी ने विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत सप्लाई कम दी जा रही है इससे ग्रामीणों को अत्यधिक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आरईडी को भवन निर्माण, सड़क निर्माण एवं कस्तूरबा गांधी विद्यालय के कार्य को जल्द से जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने दिव्यांगजन अधिकारी को निर्देश दिए कि पेंशन के लिए जो पात्रता की शर्तें हैं। उसी के आधार पर उन्हीं लाभार्थियों को लाभ दिया जाए। उन्होंने संस्कृत पर्यटन अधिकारी को निर्देश दिए कि पर्यटन विभाग के सभी कार्य जल्द से जल्द पूर्ण कराए जाएं। उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि सेम बच्चों को अधिक से अधिक चिह्नित किया जाए एवं उनका इलाज कराया जाए । उन्होंने कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत बताया कि जनपद में 35वीं रैंक पर है, जिसपर जिलाधिकारी ने रैंक को खराब बताते हुए समय सीमा से लम्बित आवेदन पर विशेष ध्यान देने हेतु निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए ओडीओपी में चिन्हित लाभार्थियों का चयन करके उन्हें योजना का लाभ दिया जाए। उन्होंने गोवंश को पकड़कर गौशाला में लाया जाए । उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि सामूहिक विवाह का लक्ष्य जल्द ही पूर्ण कराया जाए। उन्होंने फैमिली आईडी के कार्य में सुधार लाया जाए। उन्होंने समस्त विभागीय अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार ही कार्य किया जाए एवं अपना अपना इंडिकेटर बढ़ाया जाए । बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार गौतम, पशु चिकित्सा अधिकारी मनोज कुमार, डीडी कृषि आरएन सिंह, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी रमेश चंद्र, जिला विद्यालय निरीक्षक, विजय शंकर आदि मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

विषाक्त पदार्थ खाकर महिला ने किया जान देने का प्रयास

इटावा। थाना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत पुरविया टोला में एक महिला ने गृह कलह के चलते चूहे मार दवा खाकर आत्महत्या का प्रयास किया ।जानकारी के अनुसार थाना कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत पुरविया टोला निवासी अनुपम 30 वर्ष पत्नी ऋषि बाबू ने परिवार में किसी बात पर नाराज होकर चूहे मार दवा का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों ने महिला को उपचार के लिए तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया।

राबिया उद्योग व्यापार मंडल की महिला नगर अध्यक्ष बनीं

इटावा। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल बंसल गुट की बैठक जिला अध्यक्ष जागेश्वर प्रसाद अग्रवाल की अध्यक्षता में बेरुन टोला स्थित मोहम्मद आसिफ के आवास पर संपन्न हुई । महिला जिला अध्यक्ष अर्चना कुशवाहा के नेतृत्व में महिला नगर कार्यकारिणी में पूर्व नगर अध्यक्ष रिचा कुशवाहा को जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं राबिया सुल्तान को महिला नगर अध्यक्ष, यासमीन को नगर उपाध्यक्ष, ख़ुशी सविता को नगर मंत्री बनाया गया। सभी नए पदाधिकारीयों को व्यापार मंडल का प्रमाण पत्र एवं सदस्यता रसीद देकर सम्मानित किया गया। बैठक का संचालन जिला महामंत्री धर्मेंद्र जैन ने किया। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष सर्वेश चौहान, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष कुमार, डॉ संतोष राठौर, लल्लू वारसी, जिला उपाध्यक्ष हाजी मुईनुद्दीन गुडडू मंसूरी, जिला प्रवक्ता इकरार अहमद, रंजीत सिंह कुशवाहा, संजय वर्मा, मोहम्मद वसीम राईन, जिला संरक्षक सुशीला राजावत, पूजा आदि व्यापारी उपस्थित रहे।

नवोदय में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

इटावा। जिलाधिकारी एंव अध्यक्ष विद्यालय प्रबन्ध समिति जवाहर नवोदय विद्यालय शुभ्रान्त कुमार शुक्ल ने बताया कि शैक्षिक सत्र 2026-27 में जवाहर नवोदय विद्यालय में कक्षा 6 में प्रवेश हेतु आवेदन पत्र आनलाइन के माध्यम से भरे जाएंगे। आवेदन पत्रों को नवोदय विद्यालय समिति मुख्यालय नोएडा द्वारा जारी लिंक के माध्यम से कक्षा 5 में अध्ययनरत समस्त विद्यार्थियों को फार्म आवश्यक रूप से भरवायें। उक्त प्रवेश परीक्षा के सन्दर्भ में डीएम ने जिले के सभी प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं मान्यता प्राप्त विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों तथा समस्त खण्ड शिक्षाधिकारियों को निर्देश दिए कि वे कक्षा 5 में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को फार्म अवश्य भरवाएं ताकि मेधावी विशेषकर ग्रामीण अंचल के विद्यार्थियों एवं शहरी विद्यार्थियों को उक्त परीक्षा में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सके। ज्ञातव्य हो कि आवेदन भरे जाने की अंतिम तिथि 29 जुलाई है ।

प्राइवेट स्कूलों में हो एक देश एक पाठ्यक्रम: प्रशांत तिवारी

इटावा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य प्रशांत तिवारी ने कहा कि वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन की सरकार एक देश एक चुनाव की बात कर रही है लेकिन ये क्यों आदेश नहीं कर रही है कि सभी प्राइवेट स्कूलो मे एक देश एक पाठ्यक्रम होना चाहिए। श्री तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मांग की है कि आपने उत्तर प्रदेश के 5000 स्कूल बंद कर दिए अपने कहा कि बच्चे कम है तो बंद कर दिए ताकि भविष्य में वो स्कूल प्राइवेट को दे दे। श्री तिवारी ने कहा आज प्राइवेट स्कूल पढ़ने पढ़ाने के लिए नहीं खोले जा रहे आज स्कूल के नाम पर व्यापार हो रहा है किताबों में ड्रेस में जूतों में ये नियम कौन सा है बच्चे जिस स्कूल में पढ़े वही से सब खरीद करे। किताबों में 40 प्रतिशत तक कमीशन स्कूल मैनेजमेंट को जाता है। अभिभावक कितनी परेशानी का सामना करते है।

जामुन खिलाने के बहाने 6 साल की बच्ची से दुष्कर्म

बसरेहर । बसरेहर थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार की शाम करीब साढ़े छह बजे 22 वर्षीय युवक ने जामुन खिलने के बहाने घर में ले जाकर एक छह वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पीड़ित बच्ची और उसकी एक छोटी बहन ने घर जाकर परिजनों को बताया कि बगल में रहने वाले चाचा जामुन खिलाने के लिए घर के अंदर ले गये थे और वहां पर मुझको पकड़ कर मेरे साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया ।जब परिवार ने अपनी दोनों बेटियों के मुंह घटना के बारे में सुना तो उनके होश उड़ गए उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। पूरे मामले पर बसरेहर थाना प्रभारी सौरभ सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है और गहनता से जांच पड़ताल की जा रही है। जांच में जो भी तत्व सामने निकल कर आएंगे उसके आधार पर कार्रवाई को अमल में लाया जाएगा। घटनास्थल पर ग्रामीण अपर पुलिस अधीक्षक शिरीष चंद्र भी मौके पर पहुंचे।

स्मार्ट मीटर, विद्युत दरों में वृद्धि और स्कूलों के समायोजन का किया विरोध

संवाददाता भरथना इटावा

उपवास पर बैठे संयुक्त किसान मोर्चा के पदाधिकारी। अमृत विचार

- सरकार के विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा ने रखा उपवास

अमृत विचार। भरथना कस्बा क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने और दक्षिणांचल विद्युत परिषद के निजीकरण के साथ विद्युत दरों में प्रस्तावित वृद्धि औरप्राइमरी स्कूलों के समायोजन के विरोध में भरथना के संयुक्त किसान मोर्चा ने मंगलवार को कस्बा के सब्जी मंडी स्थित महात्मा गांधी की प्रतिमा के नीचे बैठकर सामूहिक उपवास रखा और सरकार का जमकर विरोध किया।

धरना स्थल पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश सरकार द्वारा समायोजन के नाम पर गरीबों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है और आगे सरकार सत्ताईस हजार प्राथमिक व मिडिल स्कूलों को बन्द करने पर आमादा है। वक्ताओं ने कस्बे में लग रहे स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध करते हुए कहा कि जब हमारे पुराने मीटर ठीक काम कर रहे हैं,तो नये मीटर की जरूरत क्या है? वक्ताओं ने बिजली दरों की प्रस्तावित 45 प्रतिशत की वृद्धि को तत्काल वापस लेने की मांग की। किसान नेता अनिल दीक्षित, जयवीर सिंह यादव, मधुर यादव, पूर्व सभासद महेश प्रताप सिंह, जय गोविंद बंटी, प्रधान आपेन्द्र कुमार, इतवारी लाल, पूर्व लेखपाल ओम प्रकाश, दुर्गविजय सिंह, बृजेश कुमार, रामप्रकाश आदि ने सभा को संबोधित किया। बाद में मुख्यमंत्री को संबोधित मांग पत्र भरथना के उपजिलाधिकारी सुशांत श्रीवास्तव को सौंपा गया।

वीडीओ संघ : बब्बू राजा बने अध्यक्ष

महेवा। स्थानीय ब्लॉक सभागार में मंगलवार को ग्राम विकास अधिकारी संघ की बैठक आयोजित की गई जिसमें नई कार्यकारिणी का चुनाव सर्व सम्मति से किया गया। पूर्व में गठित कार्यकारिणी के कई पदाधिकारियो के गैर ब्लॉक में स्थानांतरण होने के चलते कार्यकारिणी भंग कर दी गई थी । जिसमें अध्यक्ष बब्बू राजा को व महामंत्री संदीप सविता को सर्व सम्मति से चुना गया ।

इसके अलावा वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में बृज भान सिंह को तथा उपाध्यक्ष के रूप में शिववीर सिंह सेंगर ,कोषाध्यक्ष के रूप में दुर्विजय सिंह एवं मीडिया प्रभारी व संगठन मंत्री के रूप में अजय कुमार को चुना गया । जिला प्रतिनिधि के रूप में अशोक सिंह परिहार को नामित किया गया कार्यकारिणी गठन के बाद नवचयनित पदाधिकारियों को साथियों द्वारा माल्यार्पण कर स्वागत किया गया ।

रेडीमेड व्यापारी के गोदाम में लगी आग

कार्यालय संवाददाता इटावा

- दमकल विभाग की टीम ने मौके पर जाकर आग पर पाया काबू

अमृत विचार। शहर के मोहल्ला करमगंज पुराने गुरुद्वारा के पास रेडीमेड व्यापारी संजय कुमार तिवारी के घर में सुबह आग लग गई, आग की लपटें और धुंआ देखकर मोहल्ले में हड़कंप मच गया और लोगों ने घटना स्थल पर पहुंचकर आग बुझाने का प्रयास किया। आग बुझाने में व्यापारी संजय तिवारी भी झुलस गए। साथ ही स्थानीय सभासद अभिषेक त्रिपाठी मिक्की भी आग बुझाने में जल गए। घटना की सूचना पाकर दमकल विभाग और कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। व्यापारी संजय तिवारी की पहले रामगंज चौराहे के पास रेडीमेड कपड़े की दुकान थी। दुकान बंद होने के बाद दुकान का सामान घर पर ही रखा था, उसी में सुबह के समय आग लग गई। गृह स्वामी संजय तिवारी ने बताया है कि हम ऊपर वाले कमरे में थे परिवार के लोग भी वहीं थे धुंआ देखने पर घर के सभी लोगों को बाहर निकाला जिसमें हम और मेरे परिवार का एक सदस्य व मोहल्ले के लोग झुलस गए। आग कैसे लगी इस बात की जानकारी नहीं है, लेकिन करीब 30 लाख रुपये का माल जलकर राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शी बेचे लाल ने बताया कि घर के बाहर अपना ठेला लगा रहे थे तभी अचानक से घर से धुआं निकलता देखा तो हमने गृह स्वामी को आवाज लगाई तब तक आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना स्थल पर आलोक दीक्षित एवं देव गुप्ता भी पहुंचे और पीड़ित व्यापारी को ढांढस बंधाया।

नेक कार्य

एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत सुदिति ग्लोबल एकेडमी ने मनाया वन महोत्सव कार्यक्रम

151 फलदार व छायादार पौधों का किया रोपण

कार्यालय संवाददाता इटावा

पौधरोपण करती छात्राएं साथ में मौजूद टीचर व अन्य लोग अमृत विचार

अमृत विचार । सुदिति ग्लोबल एकेडमी में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही धूमधाम से किया गया । कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय के निदेशक मयंक यादव, प्रधानाचार्य कमल कुमार एवं एच. एम. सिंपल त्रिपाठी ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया। तत्पश्चात विद्यालय की छात्राओं द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया व प्रांगण में 151 पौधों रोपे गये।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य कमल कुमार ने समस्त छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत में वन महोत्सव या पौधरोपण दिवस की शुरुआत वर्ष 1950 में डॉ. कन्हैया लाल माणिकलाल मुंशी ने की थी, जो उस समय कृषि मंत्री थे। यह वार्षिक कार्यक्रम भारत में पौधरोपण के महत्व और वनों के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए शुरू किया गया था। विद्यालय में आयोजित वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय की छात्रा भूमि कक्षा 8 सानिया कक्षा 6 ने वृक्षों की उपयोगिता के संदर्भ में भाषण प्रस्तुत किया । प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में भी सुदिति कक्षा 6, साक्षी कक्षा 9 व भूमि यादव कक्षा 8 ने विशेष प्रदर्शन किया। एकल नृत्य के अंतर्गत छात्रा छवि यादव कक्षा 11 ने गीत "ना काटो मुझे दुखता है" पर बहुत ही मार्मिक नृत्य किया। छात्राओं ने गीत "बेजुबान कब मैं रहा" पर सामूहिक नृत्य की प्रस्तुत किया। नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया जिसका शीर्षक "पेड़ों को लगाना है" था। तथा चित्रकला प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ जिसमें लगभग 100 से अधिक छात्राओं ने प्रतिभागिता की ।

कार्यक्रमों की अंतिम कड़ी के रूप में विद्यालय की सैकड़ों छात्राओं ने विद्यालय के मैदान में आम, अमरूद, अनार, मनी प्लांट, गुड़हल, गेंदा, कनेर, गुलाब, स्नेक प्लांट आदि कई प्रकार के 151 पौधे लगाए और प्रण लिया कि हम जीवन में सदैव पौधों का संरक्षण करते रहेंगे। वन महोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय की विज्ञान शिक्षिका डे. जी. दास, जोहरा खान, प्रिया वाथम, अर्चना रावत, सुजाता चौहान,शिक्षक भूतेंद्र गौड़ व संजय तिवारी एवं चित्रकला शिक्षिका निधि सक्सेना आदि का विशेष योगदान रहा।

सावन में श्रद्धालुओं को नहीं मिल रहीं सुविधाएं

संवाददाता ताखा इटावा

एसडीएम ताखा श्वेता मिश्रा को ज्ञापन सौपते कांग्रेस जिला अध्यक्ष आशुतोष दीक्षित ।

- कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार। सावन मास में भारी संख्या में शिवभक्तों के आगमन को देखते हुए कांग्रेस पार्टी ने प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस के जिलाध्यक्ष आशुतोष दीक्षित ने मंगलवार को एसडीएम ताखा श्वेता मिश्रा को राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए आरोप लगाया कि बनारस जैसे ऐतिहासिक धार्मिक नगर सहित प्रदेशभर में शिवभक्तों के लिए मूलभूत सुविधाओं का अभाव है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की डबल इंजन सरकार आम जनता को मूलभूत सुविधाएं देने में विफल रही है और शिवभक्तों को पीने के पानी, शौचालय, विश्राम स्थल व चिकित्सा जैसी सुविधाएं तक उपलब्ध नहीं हो रही हैं। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि सावन के दौरान कांवड़ यात्रा पर निकले श्रद्धालुओं को जगह-जगह असुविधा का सामना करना पड़ रहा है, जिससे उनकी आस्था को ठेस पहुंच रही है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार जनता का ध्यान भटकाने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से कार्य कर रही है और बेगुनाह लोगों को फर्जी मुकदमों में फंसाया जा रहा है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि श्रद्धालुओं के लिए उचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं और निरपराध लोगों को फर्जी मुकदमों से तत्काल राहत दी जाए। इस अवसर पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उपस्थिति में एसडीएम को ज्ञापन सौंपा गया और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की गई।

पुलिस के पीटने से आहत युवक ने फांसी लगा दी जान

आत्महत्या से पहले अपनी पहनी हुई पेंट पर लिखा सुसाइड नोट, दो सिपाहियों सहित पांच के खिलाफ रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। पत्नी से विवाद और पुलिस की पिटाई से आहत युवक ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले उसने अपनी पहनी हुई पेंट पर सुसाइड नोट लिखा । सुसाइड नोट के आधार पर दो पुलिस कर्मियों सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने दोनों आरोपी सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया।

दिलीप।

भाजयुमो जिला महामंत्री राहुल राजपूत ने परिवार वालों से की बात।

थाना मऊदरवाजा क्षेत्र के ग्राम छेदानगला गुतासी निवासी रामरहीस ने बताया कि उसके पुत्र दिलीप का उसकी पत्नी नीरज से विवाद चल रहा था। बहू नीरज ने थाना मऊदरवाजा में अपने पति के खिलाफ शिकायत की थी जिसके तहत 14 जुलाई को हथियापुर चौकी पुलिस ने दिलीप को बुलाया था। उन्होने बताया कि दिलीप के साथ मैं भी पुलिस चौकी गया था। रामरहीस ने बताया कि पुलिस चौकी में सिपाही यशवंत यादव ने कहा कि 50 हजार रुपये दो तो छोड़ देंगे, कुछ देर बाद दूसरा सिपाही महेश उपाध्याय दिलीप को भीतर ले गया और दिलीप के साढ़ू रजनेश राजपूत निवासी आलूपुर के कहने पर उसके साथ मारपीट करने लगा । बाद में सिपाही महेश उपाध्याय ने 40 हजार रुपये लेकर समझौता कराया। जिसके बाद रामरहीस बेटे दिलीप को घर लेकर आ गए।

मारपीट से आहत होकर दिलीप ने कमरे में साड़ी का फंदा लगाकर फांसी लगा ली। उसने जो पेंट पहनी थी उसी पर सुसाइड नोट लिखा । सुबह लगभग 5 बजे परिजनों को मामले की जानकारी हुई तो परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस कमरे से शव को उठाने का प्रयास करने लगी तो परिजनों ने हंगामा शुरू कर दिया । अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय सिंह, अपराध निरीक्षक चन्द्रिका प्रसाद, थानाध्यक्ष बलराज भाटी मौके पर पहुंच गए । घटना की जानकारी मिलने पर सांसद मुकेश राजपूत के भतीजे भाजयुमो जिला महामंत्री राहुल राजपूत मौके पर पहुंचे और परिजनों को सांत्वना देकर पुलिस को कार्यवाही करने के लिए कहा। सुसाइड नोट के आधार पर पुलिस ने मृतक दिलीप के ससुर बनवारी लाल, साला राजू , साढ़ू रजनेश राजपूत के साथ ही हथियापुर पुलिस चौकी के सिपाही यशवंत यादव, सिपाही महेश उपाध्याय के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है । मामले की जांच की जा रही है।

आरोपी सिपाही लाइन हाजिर

चौकी में युवक से मारपीट करने और 40 हजार रुपये रिश्वत लेने के मामले में पुलिस अधीक्षक ने दोनों सिपाहियों महेश उपाध्याय व यशवंत यादव को लाइन हाजिर कर दिया। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है| शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

सुसाइड नोट बयां कर रहा कहानी

दिलीप ने मरने से पहले अपनी पेंट पर सुसाइड नोट में दो पुलिस कर्मियों के नाम का उल्लेख किया है। बताया कि पहले समझौता कराया और 40 रुपए भी ले लिए लेकिन बाद में मेरे साथ मारपीट की है और ससुराल वालों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की। इसी से आहत होकर मैने आत्महत्या का कदम उठाया है।

विश्व युवा कौशल दिवस मेला में दिए गए प्रमाण पत्र

फर्रुखाबाद। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर में दो दिवसीय विश्व युवा कौशल दिवस रोजगार मेला संपन्न हुआ l इस दौरान अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र दिए गए। संस्थान के प्रधानाचार्य ने कहा कि इस मेला में सभी ट्रेडों के लाभार्थियों को आमंत्रित किया गया था ।

उन्होंने कहा कि जो लाभार्थी मेला में आए थे उन सभी को रोजगार का अवसर प्रदान किया गया है। संस्थान परिसर में प्रदर्शनी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम काव्य आयोजन किया गया l मुख्य अतिथि सांसद मुकेश राजपूत, विशिष्ट अतिथि विधायक भोजपुर नागेंद्र सिंह राठौड़, अमृतपुर विधायक सुशील शाक्य भाजपा जिला अध्यक्ष फतेहचंद वर्मा मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा का माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान कई लोग मौजूद रहे।

सार-संक्षेप

तमंचा लहराने वाला पुलिस हिरासत में। अमृत विचार

तमंचा लहराने वाला युवक गिरफ्तार

राजेपुर। थाना राजेपुर पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुए एक वीडियो का संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। वायरल वीडियो में एक युवक व एक छोटा बच्चा तमंचा जैसे हथियार के साथ खेलते नजर आ रहे थे। इस घटना पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई की गई।पुलिस अधीक्षक आरती सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय सिंह तथा क्षेत्राधिकारी अमृतपुर अजय वर्मा के देखरेख में थाना राजेपुर प्रभारी आशुतोष सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने आरोपी विनय चौहान पुत्र जितेन्द्र सिंह निवासी ग्राम वीरसिंहपुर, थाना राजेपुर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के दौरान अभियुक्त के कब्जे से 01 तमंचा 315 बोर बरामद किया गया। पूछताछ में अभियुक्त ने स्वीकार किया कि वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा तमंचा उसका ही है और उसने यह वीडियो बनाकर मजाक में सोशल मीडिया पर साझा किया था। अपनी गलती स्वीकार कर ली है । पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध थाना राजेपुर में आर्म्स एक्ट के तहत अभियोग पंजीकृत कर कार्यवाही प्रारंभ कर दी है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक आशुतोष सिंह, उप निरीक्षक रामनरेश मुख्य आरक्षी सुबोध कुमार आरक्षी अमित कुमार मौजूद रहे। पुलिस की सतर्कता और तत्परता से एक और अवैध हथियार पकड़ में आया है, जिससे जनपद में अपराधियों के विरुद्ध जारी अभियान को बल मिला है।

छींटाकशी का विरोध करने पर चाचा व भतीजी को किया घायल

कायमगंज। कंम्पिल थाना क्षेत्र में दबंगों ने चाचा भतीजी को मार-पीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। थाना क्षेत्र के गांव निजामुद्दीन पुर निवासी जाहिद व उसकी भतीजी इलफिजा को पुलिस घायल अवस्था मे मेडिकल जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज लेकर आई। जहां उपचार के दौरान जाहिद ने बताया कि गांव के ही दबंग युवक बहुत दिनों से उसकी बहनों व भतीजियों को देख कर छींटाकशी करते हैं। मंगलवार को जब हम लोगों ने इसका विरोध किया तो दबंगों ने उसे व भतीजी को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस मामले की जानकारी कर रही है।

विद्युत समस्या समाधान कैंप 17 जुलाई को

फर्रुखाबाद । बिजली उपभोक्ताओं के लिए समाधान कैंप का आयोजन कन्या प्राथमिक विद्यालय सातनपुर (टाटा मोटर्स के सामने) में 17 जुलाई को सुबह 10 :00 बजे से शाम 5 :00 बजे तक लगाया जायेगा। यह जानकारी देते हुए संबंधित एसडीओ ने बताया कि शिविर में बिल संशोधन, भार वृद्धि व भार कमी, नया विद्युत कनेक्शन सप्लाई टाइप चेंज ,खराब मीटर या रुका मीटर संबंधी समस्याओं का समाधान किया जायेगा। यह विशेष कैंप फतेहगढ़ सब डिवीजन के उपभोक्ताओं के लिए आयोजित होगा। उन्होंने उपभोक्ताओं से शिविर का लाभ लेने की अपील की है।

तहसीलदार का तबादला सदर तहसील हुआ

अमृतपुर। अमृतपुर तहसील मे तैनात तहसीलदार शशांक सिंह का तबादला तहसीलदार न्यायिक के पद पर सदर तहसील के लिए जिलाधिकारी द्वारा कर दिया गया है। चर्चा है कि तहसीलदार शंशाक सिंह का एसडीएम अतुल कुमार सिंह से तालमेल न बैठ पाने के कारण तथा बाढ़ प्रभावित तहसील होने के बाद भी तहसील मे रात्रि प्रवास न करने की सूचना पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार शशांक सिंह का तबादला अमृतपुर से सदर तहसील मे तहसीलदार न्यायिक के पद कर किया गया है ।

पुलिस ने नाजायज छुरी सहित युवक को गिरफ्तार किया

कालपी(जालौन)। स्थानीय कोतवाली के उपनिरीक्षक राजेश कुमार की टीम ने अवैध छुरी लेकर घूम रहे आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लियके बाद उसका चालान करके उसे जेल भेज दिया। करके सुसंगत धाराओं में चालान कर दिया।

कालपी कोतवाली क्षेत्र के दरोगा राजेश कुमार तथा हेड कांस्टेबल धर्मेंद्र सिंह गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना मिलने पर उपनिरीक्षक टीम के साथ कांशीराम आवासीय कॉलोनी के समीप रेलवे लाइन के पुल के नीचे पहुंचे। वहीं पर संदिग्ध अवस्था में घूम रहे आरोपी युवक कलीम मुहम्मद पुत्र मुन्नन निवासी मोहल्ला भट्टीपुरा कालपी को पकड़ लिया। तलाशी लेने पर आरोपी के पास से अवैध छुरी बरामद की गई। दरोगा ने आरोपी युवक के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करके चालान करके दिया।

गौशाला का निरीक्षण कर एसडीएम ने देखीं व्यवस्थाएं

कालपी जालौन । मंगलवार को जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय के निर्देश पर एसडीएम कालपी अतुल कुमार ने ग्राम पंचायत आटा स्थित अस्थायी गौ आश्रय स्थल का निरीक्षण किया। गौशाला में मौके पर 80 गोवंश संरक्षित मिले इसमें 11 बच्चे हैं। इस दौरान गेवंशों की टैगिंग पाई गई।मंगलवार की दोपहर एसडीएम ने गौशाला में भूसा, हरा चारा तथा पखनका स्टाक चेक किया। इस दौरान गौशाला के परिसर में जल भराव नहीं पाया गया। खड़ंजा और पेयजल की व्यवस्था ठीक है। सोलर लाइट लगी हुई है। सबमर्सिबल पंप क्रियाशील मिले। सीसीटीवी कार्य कर रहा है। चेक करने पर पता चला कि इसकी लाइव फीडिंग जिला कंट्रोल रूम में दिख रही है। भूसा पर्याप्त मात्रा में स्टॉक है। गौशाला के पीछे की तरफ के गेट का एक पिलर आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त पाया गया। इसकी मरम्मत करने के निर्देश मौके पर मौजूद प्रधान प्रतिनिधि रविन्द्र को दिए गए। जानकारी करने पर ज्ञात हुआ कि ग्राम संदी की गौशाला से 40 गोवंश आज यहां स्थानांतरित किये जा रहे हैं। इन 40 गोवंशों के लिए यहां पर्याप्त शेड पेयजल और भूसा की व्यवस्था है।

कोटा बैराज से छोड़ा गया 17 हजार क्यूसेक पानी

कालपी जालौन। राजस्थान के कोटा बैराज से 17 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने से मंगलवार को यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ कर 101 मीटर पार कर गया। यमुना नदी में बाढ़ की संभावनाओं को देखते हुए प्रशासन ने यमुना नदी के तटवर्ती इलाकों के ग्रामीणों को सतर्क रहने की सलाह दी है। कालपी में यमुना नदी पर खतरे का निशान 108 मीटर पर है वर्तमान में यमुना नदी का जल स्तर 100 . 42 मीटर पर है फिलहाल यमुना नदी का जलस्तर एक सेंटीमीटर तक घंटे के हिसाब से बढ़ रहा है लेकिन 16 जुलाई की सुबह से ही यमुना का जल स्तर 2 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ना शुरू हो जाएगा। बाढ़ नियंत्रण अधिकारी रूपेश कुमार के अनुसार कोटा बांध से 17 हजार क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद यमुना के जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी होने की संभावना व्यक्त की जा रही है।

महिला ने झोला काट कर एक लाख रुपये उड़ाये

संवाददाता कायमगंज

- घटना सीसीटीवी कैमरे में पूरी कैद हुई , पुलिस कर रही जांच
- महिला रुपयों को एक दुपट्टे में छुपा कर बैंक से भाग गई

अमृत विचार। कायमगंज में एक महिला ने बैंक से रुपये निकालने गए खाता धारक का झोला काटकर100000 रुपये पार कर दिए। घटना सीसीटीवी कैमरे में पूरी कैद हुई ।

कोतवाली कायमगंज क्षेत्र के गांव कटरा रहमत खां निवासी अंसार खां पुत्र मदार खां ने पुलिस को तहरीर देकर कहा कि वह ई रिक्शा खरीदने के लिए 14 जुलाई को बैंक आफ इंडिया शाखा कायमगंज से अपने खाता से रुपये निकालने गया था। उसने अपने खाते से 100000 रुपये का भुगतान प्राप्त कर झोले में रख लिया और वह काउंटर पर अपनी पासबुक कंप्लीट कराने एवं मोबाइल नंबर की फीडिंग कराने लगा। इसी बीच एक महिला ने ब्लेड से उसके झोले को काटकर उसमें रखी 500 की दो गड्डियां निकाल ली। महिला रुपये की दो गड्डियां निकालती हुई दिखाई दे रही है। यह घटना बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जब अंसार ने फीडिंग कराने के बाद जब उसने अपना झोला देखा तो उसके होश उड़ गए।

उसने घटना की जानकारी बैंक कर्मचारियों को दी। तो उसी समय सीसीटीवी कैमरे को खंगाला गया जिसमें महिला रुपए निकलती दिखाई दे रही है और यह भी स्पष्ट हो रहा है कि महिला रुपए निकालने के बाद रूपयों को एक दुपट्टे में छुपा कर बैंक से फरार हो गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

तीन ने गटका कीटनाशक, दो की हालत नाजुक

कायमगंज। कायमगंज क्षेत्र में तीन लोगों ने कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया जिससे तीनों की हालत बिगड़ गई। जिसमें दो की हालत नाजुक है। थाना मेरापुर क्षेत्र के गांव नगला मकोड़ा निवासी सजली (30) पत्नी प्रवीन कुमार कायमगंज नगर के मोहल्ला पटवन गली निवासी कीर्ति (40) पत्नी कुलदीप कुमार व कोतवाली कायमगंज क्षेत्र के गांव जौरा निवासी शिवम (25) ने संदिग्ध हालत मे कीटनाशक पदार्थ का सेवन कर लिया जब हालत बिगड़ने लगी तभी परिजनों को जानकारी हुई। इसके बाद परिजनों ने गंभीर हालत में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने कीर्ति व शिवम की गंभीर हालत को देखते हुए दोनों को लोहिया अस्पताल के लिए रेफर कर दिया।

ओवरटेक करते पिकअप खाई में पलटी

संवाददाता राजेपुर

अमृत विचार। बीती रात थाना राजेपुर क्षेत्र अंतर्गत हमीरपुर गांव के पास एक बड़ा सड़क हादसा बच गया। तेज रफ्तार और ओवरटेक की जल्दबाजी ने पिकअप वाहन को हादसे का शिकार बना दिया। रात करीब 1:00 बजे एक पिकअप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में वाहन चालक बाल-बाल बच गया, लेकिन पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पिकअप किसी बड़े ट्रक या कंटेनर वाहन को ओवरटेक करने की कोशिश कर रही थी। इस दौरान सामने से एक और वाहन आता दिखाई दिया। संकरी सड़क और बारिश से फिसलन भरी सड़क के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और पिकअप खाई में पलट गई। हादसा इतना जोरदार था कि वाहन के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए।

खाई में पड़ा क्षतिग्रस्त वाहन। अमृत विचार

हादसे की आवाज सुनकर पास के खेतों और गांव से ग्रामीण मौके पर दौड़े। उन्होंने तत्परता दिखाते हुए पिकअप में फंसे चालक को बाहर निकाला। संयोग अच्छा रहा कि वाहन में सिर्फ चालक ही मौजूद था और उसे मामूली खरोंचें आईं। यदि वाहन में अन्य लोग भी होते या सामने से आ रहा वाहन थोड़ा और नजदीक होता, तो बड़ा हादसा हो सकता था।

स्थानीय लोगों का कहना है कि हमीरपुर की यह सड़क पहले से ही संकरी है और बारिश के दिनों में कीचड़ व गड्ढों के कारण बेहद खतरनाक हो जाती है। कई बार प्रशासन से मरम्मत की मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई।

पालिकाध्यक्ष ने हिंदी भवन रोड की नवनिर्मित सड़क का किया उद्घाटन

संवाददाता कालपी(जालौन)

- निर्माण कराने पर मोहल्ले वालों ने जताया आभार
- नगर पालिका के बजट से मार्ग का निर्माण कराया गया

अमृत विचार। स्थानीय नगर के बीचो बीच निकली हिन्दी भवन रोड की नवनिर्मित सड़क का मंगलवार को पालिकाध्यक्ष अरविंद यादव ने फीता काटकर उद्घाटन किया। सड़क का निर्माण कराने पर मोहल्लेवासियों ने पालिकाध्यक्ष का आभार जताया।

नगर के बड़ा बाजार, जुलैहटी हाईवे एमएसवी इंटर कालेज अंडरपास से रेलवे स्टेशन, तहसील को जाने वाला मार्ग हिन्दी भवन होकर निकलता है। हिंदी भवन के आसपास की सड़क खराब हो गई थी। फलस्वरूप नगर पालिका के बजट से सड़क मार्ग का निर्माण कराया गया नवनिर्मित हिन्दी भवन सड़क का क्षेत्रीय सभासद अतुल चौहान व अन्य सभासदों की मौजूदगी में पालिकाध्यक्ष अरविंद यादव ने फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सबका साथ, सबका विकास की नीति पर कार्य कर रही हैं।

सड़क का उद्घाटन करते पालिकाध्यक्ष अरविंद यादव। अमृत विचार

उन्होंने कहा कि नगर की अधिकांश जर्जर सड़कों को दुरुस्त कराया जा चुका है। जो शेष रह गई हैं, उन पर भी काम चल रहा है। इस दौरान मोहल्लेवासियों ने पालिकाध्यक्ष को कुछ समस्याओं से अवगत कराया। इस पर उन्होंने जल्द ही समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया। राकेश यादव, आशू यादव, रविंद्र कोरी समेत क्षेत्रीय नागरिकों ने सहभागिता दिखाई।

पूर्व सांसद ने पौधरोपण कर मनाया जन्मदिन

कालपी(जालौन)। नगर के वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई पार्क में पूर्व केंद्रीय मंत्री भानु प्रताप वर्मा का जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर पूर्व सांसद ने भारत सिंह यादव तथा नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव व अन्य तमाम वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ पौधरोपण किया। जालौन गरौठा भोगनीपुर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री भानु प्रताप वर्मा के जन्मदिन के अवसर पर सुबह से ही वरिष्ठ भाजपाई एवं समर्थक हाईवे रोड स्थित यमुना नदी के समीप लक्ष्मी बाई पार्क में एकत्रित हो गये। पूर्वाह्न 11 बजे पौधरोपण कार्यक्रम शुरू हुआ। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष अरविंद यादव ने कहा कि मानव के लिए वायु बहुत जरूरी है ऑक्सीजन एवं वायु हमको पेड़ो से मिलती है, इसलिए धरती में वृक्ष होना अति आवश्यक है।

कालपी से सूर्य मंदिर तक सड़क निर्माण की पहल तेज

संवाददाता कालपी (जालौन)

अमृत विचार। ऐतिहासिक एवं पौराणिक रूप से विख्यात सूर्य मंदिर तक सड़क निर्माण का रास्ते में वन आरक्षित भूमि की बाधा को दूर करने के लिए विधायक विनोद चतुर्वेदी की पहल पर शासन स्तर पर तेजी से चल रही है।

उक्त संबंध में उत्तर प्रदेश सचिवालय के शासन के विशेष सचिव शरद शुक्ला एवं उप सचिव अर्चना श्याम ने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को शासकीय पत्र के माध्यम से अवगत कराया है कि विधायक विनोद चतुर्वेदी के द्वारा 21 फरवरी 2025 को दिये गये पत्र के चलते विधानसभा कालपी से मुदरालालपुर होते हुए सूर्य मंदिर तक सड़क निर्माण करने को लेकर सूचना दी गई थी। जिस पर विभागीय मंत्री ने परीक्षण कराकर सड़क निर्माण करने का हर संभव भरोसा दिया था। उक्त मार्ग में कालपी से मदरालालपुर के किमी एक से 14 (600) में से करीब 2 किमी. लंबाई में आरक्षित वन क्षेत्र है। कार्य की मंजूरी आरक्षित वन भूमि के हस्तांतरण ग्राम सभा से किए जाने के निर्णय पर तैयार है।

इस संबंध में वन विभाग के अधिकारियों तथा लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों से वार्तालाप की गई। दोनों विभाग अपेक्षित हस्तांतरण ग्राम सभा से निर्णय किए जाने के निर्णय पर तैयार हैं। विधायक विनोद चतुर्वेदी ने कहा कि पौराणिक एवं धर्मस्थलों के विकास तथा उससे जुड़ी सड़कों के निर्माण के लिए सरकार की प्राथमिकताओं में हैं। उन्होंने बताया कि वन आरक्षित भूमि के मामले का जल्द समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा, ताकि सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो सके।

कार्यक्रम उन युवाओं को भी सम्मानित किया जो अपनी अलग पहचान बनाने के साथ-साथ युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं

विश्व युवा कौशल विकास दिवस पर विलक्षण प्रतिभाओं का अभिनंदन

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

- सम्मानित होने वाले हुनरमंद युवाओं में यूट्यूबर शिवम भी
- सभी को अभिनंदन पत्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया

अमृत विचार। विश्व युवा कौशल दिवस पर विश्वनाथ संस्थान द्वारा हुनरमंद युवाओं का सम्मान समारोह का आयोजन चीजी क्रेजी सभागार में किया गया।

कार्यक्रम का प्रारंभ मुख्य अतिथि जिला मिशन प्रबन्धक ग्रामीण आजीविका मिशन डॉ महेन्द्र कुमार नामदेव, अवनीश कुमार एवं संस्थान के निदेशक सुरेन्द्र पाण्डेय के द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन के साथ हुआ। कार्यक्रम में उन युवाओं को भी सम्मानित किया गया जो आज अपने हुनर के बल पर समाज में अपनी अलग पहचान बनाने के साथ-साथ युवाओं के लिए प्रेरणा स्रोत भी हैं। सम्मानित होने वाले हुनरमंद युवाओं में यूटूबर शिवम् मिश्रा जिन्होंने फ़र्रुखाबाद मेरी जान चैनल के माध्यम से फ़र्रुखाबाद की पहचान को सभी तक पहुचाया है, कीरतपुर निवासी अमिता दीक्षित रेडीमेड शर्ट तैयार करके समूह की 10 अन्य महिलाओं को भी रोजगार प्रदान कर रही हैं, नबाबगंज के सोना जानकीपुर गाव की गीतांजलि चौहान चूड़ी, कंगन, पूजा थाली, पूजा वस्त्र तैयार कर रोजगार से जुडी हैं। कुटरा कालोनी फतेहगढ़ की नमृता फूल झाड़ू निर्माण व आशादीप डिटरजेंट का निर्माण कर रहीं है, इनके माध्यम से 50 महिलायें इस कार्य में लगी हैं। नमृता युवाओं के लिए प्रेरणा श्रोत बनीं हैं। संस्था द्वारा सभी को अभिनंदन पत्र व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। विश्व युवा कौशल दिवस पर निसबड के छात्रों को प्रमाण पत्र भी वितरित किये गए।

विश्व युवा कौशल विकास दिवस पर प्रतिभा को सम्मानित होने के बाद प्रतिभाएं।

छात्रो को संबोधित करते हुए डॉ महेन्द्र कुमार नामदेव ने कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति को स्वरोजगार से जुड़कर कर आगे बढ़ने की आवश्यकता है। जिला मिशन प्रबन्धक अवनीश कुमार ने कहा कि आज स्वरोजगार के लिए वातावरण सब प्रकार से अनुकूल है। मुख्यमंत्री युवा उद्धमी योजना मील का पत्थर साबित हो रही है। इस दौरान संस्था सचिव व इंस्टीट्यूट के निदेशक सुरेन्द्र पाण्डेय ने कहा कि संस्था का उद्देश्य सभी को रोजगार परक शिक्षा प्रदान कर उन्हें रोजगार से जोड़ने एवं उसके कौशल का विकास करने का है । संस्थान समय समय पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता है। इस मौके पर इंस्टीट्यूट द्वारा 23 वीं सामान्य ज्ञान परीक्षा का पोस्टर भी जारी किया गया। यह परीक्षा 24 अगस्त को 4 केन्द्रों पर आयोजित होगी।

कमीशन न मिलने पर कोटेदारों ने कलेक्ट्रेट में किया प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, फर्रुखाबाद

अमृत विचार। ऑल इंडियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया बाद में मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी को दिया है ।

एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अनिल तिवारी ने बताया कि जिला प्रशासन खाद्यान्न का वितरण तो करा रहा है लेकिन अभी तक जनपद के किसी भी कोटेदार को पिछले 6 माह से कमीशन नहीं मिला है । कोटेदार कलेक्ट्रेट से जिला पूर्ति कार्यालय पहुंचकर जिला पूर्ति अधिकारी का दफ्तर घेर लिया और उन्हें मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन भी दिया । जिला पूर्ति अधिकारी सुरेंद्र सिंह ने बताया की कोटेदारों को फरवरी माह से कमीशन नहीं मिला है साथ ही कमीशन बढ़ाए जाने की मांग की है। ज्ञापन में स्वयं सहायता समूह अन्य को आपूर्त होने वाले खाद्यान्न का भी कमीशन दिलाए जाने की मांग की है l उन्होंने कहा कि जिला स्तर पर सुनवाई ना होने पर जनपद घर के कोटेदार 18 जुलाई को लखनऊ पहुंचकर जवाहर भवन में आयुक्त कार्यालय का घेराव करने की चेतावनी दी है l

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते कोटेदार। अमृत विचार

अदालत में तमंचे के साथ धरे गए चाचा-भतीजा

संवाददाता, बिधूना (औरैया)

- जमीन विवाद संबंधी मामले की तारीख में पहुंचे थे दोनों
- न्यायालय परिसर के मेटल डिटेक्टर द्वार में पकड़े गए

अमृत विचार। न्यायालय परिसर के मुख्य द्वार पर मेटल डिटेक्टर की चेकिंग के दौरान चाचा-भतीजे की जोड़ी को तमंचा व जिंदा कारतूस के साथ पकड़ा गया। दोनों के विरुद्ध मुकदमा पंजीकृत कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से दोनों को जेल भेज दिया गया। दोनों आरोपी सिविल जज जूनियर डिवीजन की अदालत में जमीन विवाद संबंधी एक मुदकमे की तारीख में आए थे।

कोतवाली क्षेत्र के साहूपुर गांव निवासी लवप्रीत और राकेश कुमार जमीन विवाद संबंधी मुकदमे की तारीख में मंगलवार को कोर्ट आए थे। दोनों न्यायालय परिसर में मुख्य द्वार पर लगे मेटल डिटेक्टर व स्कैनर मशीन से गुजरने लगे, तभी उनकी साजिश नाकाम हो गई। झोले में छिपाकर रखे गए 315 बोर का तमंचा पकड़ लिया गया। सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मियों ने तुरंत दोनों को हिरासत में लेकर कोतवाली पुलिस को सूचना दी।

सूचना पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मुकेश बाबू चौहान, सीओ पी पुनीत कुमार मौके पर पहुंच गए और दोनों से पूछताछ की। चाचा और भतीजे ने बताया कि दोनों जमीन विवाद संबंधी मुकदमे की तारीख में आए थे। राकेश ने बताया कि उसकी मां राजरानी ने गांव में कुछ प्लॉट बेचे थे। एक प्लॉट ऊदल सिंह को बेचा गया था। ऊदल ने लिखा-पढ़ी के दौरान मां राजरानी को धोखा देकर प्लॉट के साथ बिधूना-अछल्दा मार्ग पर सड़क किनारे स्थित उनकी साढ़े पांच बीघा जमीन भी धोखाधड़ी से अपने नाम करवा ली थी।

इसी मुकदमे की तारीख में दोनों लोग न्यायालय आये थे। उन्होंने कहा कि उनके बैग में तमंचा कैसे आ गया? इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। पुलिस का कहना है कि न्यायालय परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है। मंगलवार को मुख्य गेट पर महिला पुलिसकर्मी संगीता और पांच पुरुष पुलिसकर्मी अनुज गुर्जर, राजेश पाल, नकुल और विमल साहनी तैनात थे। उनकी सक्रियता से तमंचा सहित दोनों आरोपी गिरफ्तार किए गए।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

सतर्कता बरतने के निर्देश, सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए

सिविल जज जूनियर डिवीजन न्यायालय परिसर में प्रवेश करते समय मेटेल डिटेक्टर से असलहे सहित पकड़े गए चाचा-भतीजे को लेकर जहां अधिवक्ता चिंतित नजर आए, वहीं सिविल जज जूनियर डिवीजन प्रवीण सिंह ने सुरक्षा को लेकर सख्त निर्देश दिए हैं। उधर, अपर सिंविल जज जूनियर डिवीजन एवं सिक्योरिटी प्रभारी कुशाग्र मिश्रा ने सुरक्षा कर्मियों को किसी भी प्रकार की शिथिलता न बरतने के निर्देश दिए। कहा कि सुरक्षा में किसी भी प्रकार की चूक बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान सुरक्षा संसाधनों एवं सीसीटीवी कैमरों को भी चेक किया गया।

स्कैनर मशीन में दिखा तमंचा

आरक्षी अनुज गुर्जर ने बताया कि गेट पर चेकिंग चल रही थी। यहां मेटल डिटेक्टर के साथ स्कैनर मशीन रखी है, जिसमें चेकिंग होती है। 11:40 बजे एक संदिग्ध व्यक्ति बैग लेकर आया तो झोला मशीन रखने को कहा। जैसे ही बैग रखवाया तो मशीन में तमंचा दिखने लगा, जिसे बरामद कर लिया और थाने को सूचना दी।

किसान दिवस आज

औरैया। उप कृषि निदेशक शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि पूर्व माह की भांति जुलाई माह के तृतीय बुधवार को शासन के निर्देश के क्रम में किसान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी की अध्यक्षता में 16 जुलाई (बुधवार) को अपरान्ह 12 बजे से दो बजे तक विकास भवन सभागार ककोर में किया जायेगा। किसान दिवस में कृषि क्षेत्र से जुडे विभागों के अधिकारियों एवं कृषि वैज्ञानिकों द्वारा कृषकों की कृषि से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण किया जायेगा तथा विभागों में संचालित योजनाओं एवं कृषि की नवीनतम तकनीकी जानकारी से कृषकों को अवगत कराया जायेगा। अतः किसानों से किसान दिवस में प्रतिभाग कर अपनी कृषि से सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण प्राप्त करें।

फफूंद में अवैध कब्जों से गायब हो रहे कुआं

संवाददाता, फफूंद

अमृत विचार। कस्बों में जल संरक्षण और सनातन परंपरा दोनों पर संकट गहरा गया है। नगर पंचायत क्षेत्र के अंदर स्थित करीब आधा दर्जन से अधिक कुएं अवैध कब्जों के चलते बंद हो गए हैं। अब कुएं न होने के कारण लोग अपने घरों के बाहर घड़ा रखकर प्रतीकात्मक रूप से पूजन कर रहे हैं, जो इस प्राचीन परंपरा के लुप्त होने का स्पष्ट संकेत है।

नगर पंचायत क्षेत्र में कई सार्वजनिक कुएं थे, जो स्थानीय लोगों के लिए जल स्रोत होने के साथ-साथ सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व भी रखते थे, लेकिन समय के साथ इन कुओं पर अतिक्रमण होता गया और धीरे-धीरे वे बंद हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि इन कुओं पर भू-माफियाओं और कुछ व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है, जिससे ये पूरी तरह से गायब हो चुके हैं। यह स्थिति तब है जब शासन द्वारा कुओं और तालाबों को कब्जा मुक्त कराकर उनके जीर्णोद्धार और संरक्षण के स्पष्ट आदेश दिए गए हैं। कुआं-तालाब जैसे जल स्रोतों को सुरक्षित रखने का अभियान भी चलाया जा रहा है, लेकिन फफूंद में इन आदेशों का पालन होता नहीं दिख रहा है।

बोले जिम्मेदार

- नगर पंचायत अधिकारी ने कहा कि उन्हें इस समस्या की जानकारी है। नगर पंचायत क्षेत्र में कई कुओं के अवैध कब्जे की शिकायतें मिली हैं। शासन के आदेशों के अनुसार इन सभी कुओं को चिह्नित कर रहे हैं। जल्द ही कब्जा मुक्त कराने की कार्रवाई शुरू करेंगे।

पिता की क्रूरता से टूटी बेटी ने जान देने की कोशिश की

डीएफसी रेलवे ट्रैक पर कटने जा रही थी सात साल की मासूम, स्थानीय लोगों ने बचाया

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

- लोगों के सुरक्षित बचाने पर बोली, अब घर नहीं जाना
- थाने में उसकी आपबीती सुनकर स्तब्ध रह गए लोग

अमृत विचार। मंगलवार की सुबह अछल्दा क्षेत्र में उस समय हड़कंप मच गया, जब मुक्खे मड़ैया गांव के सामने डीएफसी रेलवे ट्रैक पर एक 7 वर्षीय मासूम बच्ची आत्महत्या करने पहुंच गई। गनीमत रही कि स्थानीय नागरिकों की सजगता और पुलिस की तत्परता से बच्ची की जान बच गई। वह बोली, अब मुझे घर नहीं जाना है।

खजुरियन का पूर्वा निवासी संतोष राजपूत की 7 वर्षीय बेटी रोशनी मंगलवार की सुबह करीब 8 बजे ट्रैक पर बैठी थी, तभी राह चलते राहुल खान और मोहर सिंह राजपूत की उस पर नजर पड़ी। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए उन्होंने तत्काल 112 नंबर डायल कर पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में मौके पर पहुंची पीआरवी-112 की टीम के कांस्टेबल राजकुमार और रामकिशोर ने स्थानीय लोगों की मदद से बच्ची को सुरक्षित किया फिर उसे थाने लाए। थाने में रोशनी ने जो आपबीती सुनाई, उसे सुनकर हर कोई स्तब्ध रह गया।

रोशनी ने बताया कि 'वह सुबह 5 बजे घर से भाग निकली। पापा मुझे रोज मारते हैं। कल तो उन्होंने मुझे छत से धक्का दे दिया और फिर हाथ-पैर बांधकर कमरे में बंद कर दिया। जब मौका मिला, तो मैं निकल आई। अब मैं उस घर में नहीं जाना चाहती'। बच्ची की आप बीती सुनकर थाने में मौजूद हर किसी की आंखें भर आईं। संतोष राजपूत की तीन बेटियों और दो बेटों में रोशनी दूसरे नंबर की संतान है। बताते हैं कि संतोष राजपूत आर्थिक तंगी का शिकार है। उसकी पत्नी भी मानसिक रूप से बीमार है। घर में रोज कलह होती है। थाना प्रभारी रमेश सिंह ने कहा कि बच्ची पूरी तरह सुरक्षित है। उसके स्वास्थ्य की निगरानी की जा रही है। उन्होंने बताया कि कानूनी लिखा-पढ़ी के बाद बच्ची को बजरंग नगर निवासी चंदन राजपूत को सौंप दिया गया है।

अछल्दा थाने में लोगों के साथ मौजूद रोशनी।

चंदन की जिंदगी में आई रोशनी

अछल्दा के बजरंग नगर निवासी चंदन राजपूत पेशे से टेलर होने के साथ खेती-किसानी करते हैं। उन्होंने रोशनी को गोद लेकर मिसाल कायम की है। उनके एक बेटा है। एक बेटी की कमी खल रही थी। जब उन्हें रोशनी के बारे में पता चला, तो उन्होंने उसे गोद लेने का निर्णय लिया। चंदन राजपूत ने कहा- 'मैं रोशनी को बेटी की तरह पालूंगा और अच्छे से उसकी शादी करूंगा'। उन्होंने मंगलवार को ही रोशनी का एक इंग्लिश मीडियम स्कूल में एडमिशन करवा दिया। बच्ची के लिए उन्होंने नए कपड़े खरीदे और स्कूल की यूनिफॉर्म सिलने को दी है। यूनिफॉर्म तैयार होते ही रोशनी स्कूल जाना शुरू कर देगी।

पिता बोले, पत्नी बीमार हालात ने किया मजबूर

रोशनी के पिता संतोष राजपूत ने कहा कि आर्थिक तंगी के चलते वह बच्चों की परवरिश ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। उनकी पत्नी की भी मानसिक स्थिति भी ठीक नहीं है, जिससे हालात और बिगड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि इसीलिए मैंने अपनी बेटी रोशनी को चंदन राजपूत के हाथ सौंप दिया। अब वह बिटिया की देखभाल अच्छे से कर पाएंगे।

विकास कार्यों में जनपद को मिला प्रदेश में द्वितीय स्थान

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- जिलाधिकारी के दिशा निर्देशन में किए जा रहे विकास कार्यों के संचालन से आमजन को मिल रहा योजनाओं का लाभ

अमृत विचार। शासन की प्राथमिकता वाले विकास कार्यक्रमों की सघन समीक्षा एवं सतत् अनुवीक्षण के परिणाम स्वरूप मुख्यमंत्री की शीर्ष प्राथमिकताओं में शामिल विकास एवं जनोपयोगी योजनाओं की जनपद स्तर पर हो रही प्रगति के आंकलन के लिए संचालित मुख्यमंत्री डैश बोर्ड पर प्रदर्शित सूची में जनपद को द्वितीय स्थान मिला है।

जिलाधिकारी डा. इन्द्रमणि त्रिपाठी एवं मुख्य विकास अधिकारी संत कुमार द्वारा संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए, जिसका संबंधित अधिकारियों द्वारा शासन से समन्वय स्थापित कर अक्षरशः पालन सुनिश्चित किया गया। इसी का नतीजा रहा कि सीएम डैशबोर्ड पर जनपद को प्रदेश में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। इसमें दीनदयाल उपाध्याय सोलर स्ट्रीट लाइट, ड्राप मोर क्राप-माइक्रो इरीगेशन, पीएम सूर्य घर योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, मनरेगा, ग्रामीण सड़क, एम्बुलेंस सेवाएं 102 व 108, टेली रेडियोलॉजी, फैमिली आईडी, 15वां वित्त आयोग, व्यक्तिगत शौचालय, वृक्षारोपण मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, ओडीओपी वित्त पोषण योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, मत्स्य उत्पादन, पशु टीकाकरण, खराब ट्रांसफार्मरों की शिकायतों के निस्तारण, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में दैनिक विद्युत आपूर्ति, विद्युत बिलों के सम्बन्ध में प्राप्त शिकायतों के निस्तारण, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, पीएम कुसुम योजना, बीज डीबीटी, सहकारी दुग्ध समितियों का गठन, विभिन्न पेंशन योजनाओं आदि में जनपद को ए श्रेणी प्राप्त हुई है।

जिलाधिकारी ने इस प्रगति के लिए जनपद के अधिकारियों को बधाई दी है और अपेक्षा की है कि इसी लगन के साथ योजनाओं की शत-प्रतिशत पूर्ति सुनिश्चित करें।

सार-संक्षेप

मंगलवार को अस्पताल में लगी मरीजों की भीड़। अमृत विचार

एक्स-रे मशीन 4 दिन से खराब, भटक रहे मरीज

औरैया। जिला मुख्यालय स्थित 100 शैय्या युक्त संयुक्त चिकित्सालय की एक्स-रे मशीन चार दिनों से खराब पड़ी है। जिससे मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मशीन बंद होने से आने वाले दर्जनों मरीजों को बैरंग लौटना पड़ रहा है या निजी केंद्रों का सहारा लेना पड़ रहा है। वही मधु, मंजू देवी, रवि, मुकेश, रीना, सुरेश समेत कई मरीजों ने बताया कि वे हाथ-पैर की चोट, फ्रैक्चर जैसी समस्याओं के लिए एक्स-रे कराने जिला अस्पताल पहुंचे थे, लेकिन वहां मौजूद स्टाफ ने यह कहकर वापस भेज दिया कि मशीन खराब है। दो दिन पहले भी आये मशीन खराब बताकर वापस लौटा दिया कई मरीज दूर-दराज जैसे अछल्दा, फफुंद, बिधूना, दिबियापुर से पहुंचे थे, लेकिन उन्हें इलाज के बजाय निराशा ही हाथ लगी। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पिछले चार दिनों में रोज लगभग तीन दर्जन से अधिक मरीज एक्स-रे के लिए पहुंचे, लेकिन उन्हें या तो इंतजार करना पड़ा या फिर प्राइवेट लैब का विकल्प चुनना पड़ा, जो गरीब वर्ग के मरीजों के लिए बड़ा बोझ है। अस्पताल प्रशासन की लापरवाही से आमजन को परेशान होना पड़ रहा है। मरीजों और तीमारदारों ने जल्द से जल्द मशीन की मरम्मत कराने की मांग की है।

बारिश से लाइन में हुए फाल्ट, बत्ती के लिए लोग परेशान

अछल्दा। कस्बा में बंबा के नीचे से निकली 11 केवी लाइन की केबिल में बारिश होने पर बार-बार फाल्ट आने से हरीगंज बाजार और ब्लॉक चौराहे के उपभोक्ता लंबे समय से बिजली समस्या से जूझ रहे थे। कस्बे के सभासद फिरोज़ खान ने इस गंभीर समस्या को लेकर लगातार एक्स (पूर्व ट्विटर) पर बिजली विभाग को अवगत कराया। शिकायतों को संज्ञान में लेते हुए विभागीय अधिकारी हरकत में आए और मंगलवार को अवर अभियंता (जेई) धीरेंद्र कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर पहुंचे बिजली कर्मियों ने तत्काल फाल्ट सुधार कार्य शुरू किया। बंबा के नीचे से खराब हो चुकी केबिल को निकालकर नई 11 केवी लाइन खींची गई, जिससे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति फिर से बहाल हो गई। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बार-बार हो रही फाल्ट की वजह से दुकानदारों और छात्रों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही थी। वहीं, सभासद फिरोज खान ने आश्वासन दिया कि आगे ऐसी समस्या न हो इसके लिए स्थायी समाधान पर भी जोर दिया जाएगा।

जनपद में शीघ्र बनेंगे 75 अन्नपूर्णा भवन

औरैया। जिलाधिकारी ने अन्नपूर्णा भवन (उचित दर दुकान) निर्माण के संबंध में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में निर्देश दिए कि भवन निर्माण के लिए स्थान चिह्नित कर सूची उपलब्ध कराएं, ताकि समय से शासन को रिपोर्ट प्रेषित की जा सके। उन्होंने उप जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि पूर्ति निरीक्षक और लेखपाल के साथ स्थान चिह्नांकन के लिए बैठक करें। इसमें मानकों की अनदेखी न की जाए और समय का विशेष ध्यान रखा जाए। बैठक में जिला पूर्ति अधिकारी राजेश कुमार ने बताया कि जनपद में 75 अन्नपूर्णा भवन (उचित दर दुकान) निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रत्येक अन्नपूर्णा भवन (उचित दर दुकान) में दो कक्षों का निर्माण कराया जाएगा, जिसमें एक कक्ष में उचित दर दुकान का संचालन किया जाएगा और दूसरे कक्ष में जन सुविधा केंद्र का संचालन होगा। इसके अलावा लाभार्थियों के लिए प्रतीक्षा हाल का भी निर्माण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सदर नगर पालिका परिषद में 5 और विकास खंडों में 10-10 अन्नपूर्णा भवन निर्माण का लक्ष्य दिया गया है। पालिका के अधिशाषी अधिकारी रामआसरे कमल ने बताया कि उनके क्षेत्र में पहले से ही रिटेल शॉप निर्मित हैं और रिक्त हैं। बैठक में एसडीएम सदर राकेश कुमार, बिधूना एसडीएम गरिमा सोनकिया, अजीतमल एसडीएम निखिल राजपूत, डिप्टी कलेक्टर अजय आनंद वर्मा, एसडीएम न्यायिक बिधूना अमित त्रिपाठी, सभी तहसीलदार, बीडीओ आदि मौजूद रहे।

सेवानिवृत्त शिक्षक के घर से लाखों की नकदी-जेवर चोरी

संवाददाता, बिधूना

- बिधूना कोतवाली क्षेत्र के लुधपुरा गांव में हुई वारदात

अमृत विचार। सोमवार की रात सेवानिवृत शिक्षक के घर से चोर 7 लाख 90 रुपये, 25 ग्राम का सोने का बिस्किट चोरी कर ले गए। जब सुबह शिक्षक व उसके परिजनों ने सामान बिखरा देखा तो उनके होश उड़ गए।

कोतवाली क्षेत्र के लुधपुरा निवासी आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सराय प्रथम से सेवानिवृत प्रधानाध्यापक राधाकृष्ण पाठक अपने मकान के टीनशेड में पत्नी के साथ सो रहे थे, जबकि पुत्र व बहू कमरे में सोए थे। घर के पिछवाड़े से चोर छत पर पहुंचे और फिर आंगन में उतर गए। उनके हाथ अलमारी की चाबी लग गई। अलमारी का ताला खोलकर डिब्बे में रखे 84 हजार रुपये, 125 ग्राम वजन का सोने का बिस्किट, 200 ग्राम वजन के चांदी के जेवरात ले गए। सुबह जब शिक्षक ने आलमारी खुली देखी तो होश उड़ गए।

घर के पिछवाड़े परिजनों को 50 हजार रुपये जमीन पर पड़े मिले। सूचना पर कोतवाली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पीड़ित परिजनों से जानकारी की। पीड़ित ने घटना की तहरीर कोतवाली पुलिस को दी है। पुलिस ने मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच करने का आश्वासन दिया है। पीड़ित शिक्षक ने बताया कि 6 लाख रुपये उसने एक जमीन खरीदने के लिए बैंक से निकाले थे, जबकि ढाई लाख रुपये पहले से रखे थे।

मेडिकल कॉलेज की ओपीडी दो हजार पार

कार्यालय संवाददाता, औरैया

- डेढ़ साल पहले ओपीडी में देखे जाते थे सिर्फ 600 मरीज
- ओपीडी के साथ ही जांच की सुविधा, सर्जिकल केस बढ़े

अमृत विचार। मेडिकल कॉलेज की सौगात मिलने से जिले में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई है। लगातार संसाधन बढ़ने से ओपीडी में मरीजों की संख्या भी बढ़ी है। डेढ़ साल पहले ओपीडी में छह सौ के करीब मरीज देखे जाते थे, लेकिन अब यह संख्या बढ़कर दो हजार के पार पहुंच गई है। खास बात यह है कि मेडिकल कॉलेज में ओपीडी के साथ ही जांच समेत सर्जिकल केस बढ़े हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए दो साल पहले जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई थी। आलीशान बिल्डिंग बनाने के बाद यहां पर विशेषज्ञ डॉक्टरों से लेकर मेडिकल स्टाफ की तैनाती की गई। जांच के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से मेडिकल कॉलेज को लैस किया गया। यहां पर सेंट्रल लैब की सुविधा देते हुए तमाम तरह की जांचों के इंतजाम किए गए। सुविधाओं से सुसज्जित करने के साथ ही पहले ओपीडी की सुविधाएं चालू की गई। इसी साल फरवरी माह में 20 बेड की इमरजेंसी नई बिल्डिंग में भी शुरू कराई गई।

डेढ़ साल पहले ओपीडी में महज 500-600 मरीज रोजाना डॉक्टर देखते थे, लेकिन सुविधाओं की बढ़ोतरी के साथ ही अब यह ओपीडी तीन गुना बढ़ गई है। मसलन यहां पर रोजाना दो हजार से ज्यादा मरीज देखे जा रहे हैं। यही नहीं मेडिकल कॉलेज में सर्जिकल केसों की संख्या भी दिनों दिन बढ़ रही है। पहले जहां सामान्य सर्जिकल केस एक दो होते थे, वहीं अब यहां पर सामान्य सर्जिकल केस 100 से ज्यादा हो रहे हैं। वहीं क्रिटिकल आपरेशन भी प्रत्येक माह 150 के करीब हो रहे हैं। इससे सर्जिकल मरीजों की दूसरे जनपदों के लिए भाग-दौड़ कम हुई है।

माहवार मरीजों के आकड़े

विभाग	अप्रैल	मई	जून
बाल रोग	1071	1249	1492
महिला रोग	1612	2024	2263
नेत्र रोग	753	749	623
हड्डी रोग	4103	3715	4515
सामान्य	5065	5321	6355
मनोचिकित्सा	438	493	521
क्षय रोग	1126	1815	2286
दंत चिकित्सा	627	550	744

"मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई हैं। इससे ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ रही है। मरीजों का बेहतर तरीके से इलाज किया जा रहा है।
-डॉ. मुकेशवीर सिंह, प्राचार्य

जूम मीटिंग — जिलाधिकारी ने मंगलाकाली मंदिर में साफ-सफाई कराने के दिए निर्देश, फॉर्मर रजिस्ट्री के सत्यापन में तेजी लाने की हिदायत

मंगलाकाली मंदिर का सुधरेगा पाथवे, पौधरोपण से सजेगा परिसर

कार्यालय संवाददाता, औरैया

अमृत विचार। कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय कक्ष में जूम मीटिंग के माध्यम से डीएम ने समीक्षा की। उन्होंने राजस्व व पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि यदि मिशन समाधान, अन्य समाधान की प्रक्रिया राजस्व व पुलिस टीम के द्वारा पैमाइश आदि की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के उपरांत भी किसी भी पक्ष द्वारा पुनः अशांति पैदा करने या झगड़ा आदि करने का प्रयास किया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध पुलिस और राजस्व टीम नजर रखते हुए कार्यवाही सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि गुंडा एक्ट/ अन्य मामलों से संबंधित की तामीला सूचना समय से व्यक्तिगत रूप से संबंधित तहसीलदार आदि उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें अन्यथा कि स्थिति में नोटिस जारी किया जाए। उन्होंने सभी सम्बन्धितों को यह भी निर्देश दिए कि फार्मर रजिस्ट्री के सत्यापन के कार्य को तेजी के साथ कराते हुए प्रगति बढ़ाएं। जिलाधिकारी ने नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी को निर्देशित किया कि मंगला काली मंदिर में पाथवे को दुरुस्त कराएं, साथ ही साफ-सफाई भी सुनिश्चित की जाए जिससे भक्तजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पाथ वे के किनारे पौधरोपण का कार्य भी शीघ्र पूर्ण कराएं। डीएम ने श्रावण मास में चल रहे मेले में बड़ी संख्या में आने वाले भक्तजनों को दृष्टिगत रखते हुए उनके आवागमन में खानपुर चौराहे से देवकली मंदिर जाने वाले रास्ते पर अव्यवस्थित ढंग से (आड़े- तिरछे) ऑटो, ई- रिक्शा तथा हथठेला के कारण बाधित होने वाले यातायात को सुचारू बनाए जाने के लिए कोतवाली प्रभारी निरीक्षक को निर्देशित किया कि पुलिस बल की ड्यूटी निर्धारित करते हुए अव्यवस्थित ढंग से खड़े होने वाले वाहनों आदि को निर्धारित स्थानों पर खड़ा करवाते हुए आवागमन सुचारू रखें, जिससे मेले में आने वाले भक्तजन को किसी प्रकार की कोई असुविधा न हो और वह अपने गंतव्य तक पहुंच सके।

जिलाधिकारी ने थानावार थाना प्रभारियों से भी किसी समस्या आदि के संबंध में जानकारी प्राप्त की जिसपर थाना प्रभारी सहार ने अवगत कराया कि समाधान दिवस में लेखपालों के उपस्थित न रहने से मामलों के निस्तारण में कठिनाई आती है और मामले समयबद्ध ढंग से निस्तारित नहीं हो पाते हैं। डीएम ने संज्ञान लेते हुए बिधूना एसडीएम को निर्देशित किया कि मामलों के निस्तारण में किसी प्रकार की कोई शिथिलता न हो इस हेतु रोस्टर के अनुरूप समाधान दिवस में संबंधित लेखपालों की ड्यूटी निर्धारित करें। यदि वह अपनी जिम्मेदारी के निर्वहन में अनियमितता बरतते हैं तो संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

निर्देश देते डीएम इंद्रमणि त्रिपाठी।

दिव्यांग बच्चों के लिए आज से लगेंगे शिविर

औरैया। जिलाधिकारी डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के चिह्नांकन के लिए जनपद के प्रत्येक विकास खण्ड पर शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इन शिविरों के लिए टीम का गठन कर दिव्यांग बच्चो को चिकित्सीय परीक्षण, दिव्यांगता प्रमाण पत्र और उनकी आवश्यकता के अनुसार सहायक उपकरण उपलब्ध कराने की आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। यह कार्यक्रम विशेष अभियान के रूप में चलाया जाएगा। जनपद के प्रत्येक दिव्यांग बच्चे का डाटाबेस तैयार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अंतर विभागीय समन्वय समिति द्वारा निर्णय लिया गया है कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की ओर से आयोजित कैंप में ही दिव्यांग बच्चों के चिह्नांकन के लिए शिविर का आयोजन किया जाए, जिससे दिव्यांग बच्चों के चिह्नांकन में एकरूपता बनी रहे और समस्त पात्र दिव्यांग बच्चों को आच्छादित किया जा सके। जिलाधिकारी ने बताया कि दिव्यांग बच्चों के चिह्नांकन के लिए अजीतमल में 16 जुलाई, औरैया ग्रामीण में 19 जुलाई, एरवाकटरा में 23 जुलाई, सहार में 25 जुलाई, बिधूना में 29 जुलाई, औरैया नगरीय में एक अगस्त, भाग्यनगर में 6 अगस्त को बीआरसी परिसर में शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधीनस्थ कार्मिकों के माध्यम से शिविरों का व्यापक प्रचार-प्रसार कराकर अधिक से अधिक दिव्यांग बच्चों का परीक्षण कराना सुनिश्चित करें, जिससे चिह्नित दिव्यांग बच्चों को आवश्यकता के अनुरूप सहायक उपकरण दिए जा सकें।

घसारा में धारदार हथियार से युवक पर किया हमला

संवाददाता, अछल्दा (औरैया)

- पुलिस ने शांतिभंग की आशंका में आरोपियों का किया चालान
- खून से सने घायल का सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

अमृत विचार। थाना क्षेत्र के एक गांव में दबंगों ने युवक पर धारदार हथियार से हमला कर लहूलुहान कर दिया। इसका सोशल मीडिया पर तेजी से वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया। पुलिस ने आरोपियों का शांतिभंग की आशंका में चालान किया है।

सोमवार को इंस्टाग्राम पर अपलोड किया गया यह वीडियो घसारा गांव निवासी युवक पर धारदार हथियार से हुए हमले का बताया जा रहा है। अमृत विचार इस वीडियो की पुष्टि नहीं करता। वीडियो में युवक खून से लथपथ हालत में दिखाई दे रहा है। पीड़ित युवक की पहचान रजनीश मिश्रा पुत्र शिवसहाय के रूप में हुई है। हमले के पीछे के कारणों का अब तक स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है, लेकिन बताया जा रहा है कि यह मामला पहले ही पुलिस के संज्ञान में आ चुका था। अछल्दा पुलिस ने 11 जुलाई को इस संबंध में मामला दर्ज किया था। प्राथमिकी में अंशु यादव पुत्र सर्वेश यादव व भंवर सिंह पुत्र पहलवान को नामजद करते हुए धारा 151 के तहत कार्रवाई की गई थी। इसके बावजूद चार दिन बाद सोशल मीडिया पर घायल रजनीश मिश्रा का यह वीडियो वायरल हो जाना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर रहा है। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और आरोपियों पर सख्त कार्रवाई की जाए। थानाध्यक्ष रमेश सिंह का कहना है कि वीडियो पुराना है। इस मामले में आरोपियों के खिलाफ शांतिभंग की आशंका में कार्रवाई की जा चुकी है।

घरेलू बायोगैस से रसोई गैस की 70 फीसदी कम होगी खपत

ग्राम ऊर्जा मॉडल के तहत नई योजना की शुरुआत, किसान लगाएंगे बायोगैस यूनिट, बनेगी खाद व रसोई गैस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के गांवों की तस्वीर अब बदलने जा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में ग्राम-ऊर्जा मॉडल के तहत एक नई योजना की शुरुआत हो रही है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों को आत्मनिर्भर और ऊर्जा-संपन्न बनाया जाएगा। इस योजना से न केवल घरेलू रसोई गैस की खपत में भारी कमी आएगी, बल्कि जैविक व प्राकृतिक खाद के उत्पादन से कृषि को भी नई दिशा मिलेगी।

इस योजना से एक ओर जहां पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, वहीं दूसरी ओर युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। संयंत्रों के संचालन, रखरखाव, खाद वितरण, तकनीकी सहायता जैसे कार्यों में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों को जोड़ा जाएगा। ग्राम-ऊर्जा मॉडल ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

किसानों के दरवाजे पर स्थापित होंगी बायोगैस यूनिट

सरकार की योजना है कि केवल गोशालाओं तक सीमित न रहते हुए यह मॉडल किसानों के दरवाजे तक पहुंचे। बायोगैस यूनिटों की स्थापना सीधे किसानों के घरों या खेतों के पास की जाएगी, जिससे वे स्वयं के उपयोग के लिए गैस और खाद दोनों का उत्पादन कर सकें। इससे खेती की लागत में भारी कमी आएगी और उत्पादकता में वृद्धि होगी।

मनरेगा से बनेगी किसानों की पशुशाला

इस योजना को मनरेगा से भी जोड़ा गया है, जिसके तहत ग्रामीण किसानों को व्यक्तिगत पशुशाला (इंडिविजुअल कैटल शेड) निर्माण का लाभ मिलेगा। इन पशुशालाओं से उत्पादित गोबर का उपयोग बायोगैस यूनिट में कर किसान खुद की रसोई के लिए गैस बना सकेंगे। साथ ही, इससे निकलने वाली स्लरी को वे आसपास के जैविक खेती करने वाले किसानों को बेचकर अतिरिक्त आय भी प्राप्त कर सकेंगे। इससे वे गैस व खाद दोनों में आत्मनिर्भर बनेंगे।

प्रदेश गोसेवा आयोग के ओएसडी डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि गांवों में घरेलू बायोगैस यूनिटों की स्थापना से रसोई में इस्तेमाल होने वाली एलपीजी की खपत में करीब 70 फीसद तक की कमी आएगी। इससे न केवल ग्रामीण परिवारों की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। योगी सरकार 43 चयनित गोशालाओं में बायोगैस और जैविक खाद संयंत्रों को चालू करने जा रही है। इन संयंत्रों से न सिर्फ गैस का उत्पादन होगा, बल्कि गोबर से तैयार स्लरी से जैविक/प्राकृतिक खाद भी बनेगी। हर गोशाला से प्रतिमाह 50 क्विंटल स्लरी तैयार होने की संभावना है, जिसे आसपास के किसान उपयोग में ला सकेंगे।

डिजिटल खतरों से ग्रामीणों को बचाएगा एआई

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- देशभर में 30 सितम्बर तक चलेगा वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान

अमृत विचार : वित्त मंत्रालय की पहल पर उत्तर प्रदेश के भी ग्रामीण नागरिकों को डिजिटल खतरों से बचाने के लिए आर्टिफिशियल इंटिलिजेंस का इस्तेमाल होगा। इस क्रम में देशभर में 1 जुलाई से 30 सितंबर वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत फिशिंग ईमेल्स, फर्जी कॉल्स व अन्य डिजिटल खतरों को लेकर सभी जिलों के 57,702 ग्राम पंचायतों में वित्तीय समावेशन सम्बन्धी जागरुकता कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

इस क्रम में मंगलवार को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उप्र.) एवं पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) लखनऊ के तत्वाधान में एक संयुक्त प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया, जिसमें बैंक आफ बड़ौदा के आंचलिक प्रमुख एवं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उप्र.) के संयोजक शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अभियान से सम्बन्धित जानकारियों को साझा किया। इस दौरान उन्होंने बताया कि ग्रामीण नागरिकों को साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल धोखाधड़ी से बचाव के लिए उन्हें ओटीपी साझा न करने, फिशिंग ईमेल्स, फर्जी कॉल्स व अन्य डिजिटल खतरों के प्रति जागरूक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से हो ग्रामीण नागरिकों के साथ हो रही धोखाधड़ी से बचने के लिये लोगों को जागरुक किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इस अभियान के दौरान बैंकों द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों की 57,702 ग्राम पंचायतों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से शून्य शेष राशि पर प्रधानमंत्री जनधन योजना (पीएमजेडीवाई) के अंतर्गत खाता खोले जा रहे हैं।

एक नजर

लखनऊ में आज जुटेंगे 38 जिलों के डीएम

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी में बुधवार को उत्तर प्रदेश के 38 जिलों के जिलाधिकारी (डीएम) जुटेंगे। महात्मा गांधी मार्ग स्थित आवास विकास मुख्यालय के नवीन सभागार में मतदाता सूचियों के सम्बंध में सुबह 10 से शाम 5 बजे तक प्रशिक्षण कार्यक्रम होगा। जिसमें प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा जिलाधिकारियों को मतदाता सूचियों के सम्बंध में जानकारी देंगे। इस मौके पर जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विशाख जी, अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी शुभी सिंह सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

18 हजार नवजातों को दिया गया ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने 1 से 7 जुलाई के बीच सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले कुल 18,348 नवजातों को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। इसमें लखनऊ मंडल में सर्वाधिक 2555 नवजात शामिल हैं। पौधे हासिल करने वाले अभिभावकों ने बच्चों के साथ ही पौधों की भी देखभाल का संकल्प लिया है। अभिभावकों को लकड़ी, फल व सहजन समेत कई प्रजातियों के पौधे प्रदान किए गए। देवीपाटन मंडल दूसरे व आगरा तीसरे स्थान पर रहा।

नई बिजली दरों के निर्धारण को लेकर हुई जनसुनवाई

अमृत विचार, लखनऊ : नई बिजली दरों के निर्धारण को लेकर राज्य विद्युत नियामक आयोग ने आगरा में जनसुनवाई की। जनसुनवाई में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के अधिकारी व उपभोक्ता प्रतिनिधि शामिल हुए। उप्र. राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने प्रस्ताव का विरोध करते हुए कहा कि बिजली उपभोक्ताओं का बिजली कंपनियों पर 33,122 करोड़ सरप्लस है। ऐसे में बिजली दरों में बढ़ोतरी के बजाय 45 प्रतिशत की कमी होनी चाहिए।

सूख चुकी नून और पीली नदी हुईं पुनर्जीवित

एक जिला-एक नदी अभियान से कानपुर और जौनपुर की दोनों नदियों को मिला नया जीवन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 48 किमी लंबी है नून नदी और 43 किमी में प्रवाहित है पीली नदी

अमृत विचार : कानपुर नगर की सूख चुकी नून नदी अब दोबारा बहने लगी है। एक समय जो नदी पूरी तरह खत्म हो चुकी थी, नक्शे से गायब, गाद से भरी, अतिक्रमण से दब चुकी थी, वह अब जलधारा बनकर फिर से जीवन देने लगी है। वहीं जौनपुर में आदिगंगा गोमती की सहायक पीली नदी भी जनसहयोग से पुनर्जीवित हो उठी है।

यह परिवर्तन यूं ही नहीं आया, इसके पीछे है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सोच और प्रतिबद्धता है। जिन्होंने एक जिला-एक नदी पहल के माध्यम से राज्य की मृतप्राय नदियों को पुनर्जीवित करने का बीड़ा उठाया। 48 किमी. लंबी नून नदी का पुराना रास्ता खोजने में राजस्व अभिलेख, ग्रामीणों की यादें, ड्रोन सर्वेक्षण और सैटेलाइट इमेज का सहारा लिया गया। करीब 6000 श्रमिकों ने 58 ग्राम पंचायतों से मिलकर करीब 23 किलोमीटर की खुदाई और सफाई का कार्य किया। मशीनों की जगह श्रमिकों के श्रम का उपयोग किया गया, जिससे न केवल काम की संवेदनशीलता बनी रही, बल्कि रोजगार भी मिला। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 57 लाख रुपये खर्च हुए और 23 हजार से अधिक मानव दिवस का सृजन हुआ।

अथक प्रयासों के बाद कानपुर की नून नदी में फिर से बहता पानी।

इसी तरह जौनपुर में गोमती नदी की सहायक पीली नदी का जनसहयोग से पुनरोद्धार किया गया। इससे पीली नदी अपने पुराने स्वरूप में दिखने लगी है। वहीं नदियों के किनारे पौधों को रोपा गया है, जिससे पर्यावरणीय संतुलन बना रहे और किसानों को फायदा मिले। जौनपुर जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र सिंह ने बताया कि 61.2 किमी पीली नदी में से 43 किमी जौनपुर में प्रवाहित होती है। यह नदी बदलापुर तहसील के देहुणा गांव से निकलकर भलुआ, खनपुर, बहुर, सिरिकना, रामपुर आदि गांव से गुजरती हुई बेलवां गांव के पास गोमती नदी में मिल जाती है।

1416 करोड़ के निवेश को 20 कंपनियों को यूनिक आईडी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उप्र. वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स नीति-2022: एम्पावर्ड कमेटी की पहली बैठक

अमृत विचार : मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स नीति-2022 के तहत गठित एम्पावर्ड कमेटी की प्रथम बैठक मंगलवार को आयोजित की गई।

यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने बताया कि उप्र. वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक्स नीति-2022 के तहत अब तक प्रदेश में कुल 1416 करोड़ रुपये के निवेश के लिए यूपीसीडा द्वारा 20 कंपनियों को यूनिक आईडी आवंटित कर दी गई है। इन सभी कंपनियों का कार्य प्रगति पर है। इसमें से दो कंपनियों को लेटर ऑफ कंफर्ट जारी करने के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किया जा रहा है। इसके तहत मेसर्स ओडब्ल्यूएम लॉजीपार्क वाराणसी एलएलपी को 4.89 करोड़ रुपये तथा मेसर्स केएमआरए एसोसिएट्स एलएलपी, उन्नाव को 4.90 करोड़ रुपये की पूंजीगत सब्सिडी दी जायेगी। मेसर्स ओडब्ल्यूएम लॉजीपार्क वाराणसी एलएलपी ने वाराणसी के ग्राम बिहरा, तहसील राजातालाब में 8.94 एकड़ क्षेत्र में 33.29 करोड़ रुपये का पूंजीगत निवेश कर स्टोरेज फैसिलिटी (वेयरहाउस) परियोजना स्थापित की है। वहीं, मेसर्स केएमआरए एसोसिएट्स एलएलपी ने उन्नाव के ग्राम रसूलपुर, तहसील हसनगंज में 12 एकड़ क्षेत्र में 44.58 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

दिव्यांगजनों से अभद्रता पर होगी कार्रवाई

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश में दिव्यांगजनों से अभद्रता करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पिछड़ा वर्ग कल्याण व दिव्यांगजन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिये। राज्यमंत्री मंगलवार को योजना भवन में दिव्यांगजनों के लिए गठित राज्य सलाहकार बोर्ड की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

राज्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की बसों में दिव्यांगजनों को चढ़ने-उतरने में ड्राइवर-कंडक्टर की ओर से सहायता दी जाए और उनके साथ मित्रवत व्यवहार सुनिश्चित किया जाय। शिकायत की स्थिति में दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

कौशल मेले में दिखी आत्मनिर्भर यूपी की झलक

विश्व युवा कौशल दिवस पर हुए आयोजन में 100 से अधिक स्टॉल के जरिए प्रस्तुत की प्रदेश की बदलती तस्वीर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर आयोजित कौशल मेला में प्रदेश की बदलती तस्वीर को जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। कुशल उत्तर प्रदेश, आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश की भावना के साथ आयोजित इस मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए, जिनमें हस्तशिल्प, टेक्सटाइल, हेल्थकेयर, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य उत्पादों की प्रदर्शनी देखने को मिली।

मेले में कौशल विकास मिशन से जुड़े कई प्रशिक्षण संस्थानों, एनजीओ और स्टार्टअप्स ने अपनी सेवाएं और प्रशिक्षण मॉडल प्रदर्शित किए। कई जगह लाइव डेमो के माध्यम से युवाओं को स्किल डेवलपमेंट की प्रक्रिया और परिणाम दोनों को देखने का अवसर मिला। इस मौके पर सॉफ्ट स्किल्स से जुड़े वर्कशॉप जैसे स्पोकन इंग्लिश, इंटरव्यू स्किल्स, पर्सनालिटी ग्रूमिंग तथा सीवी मेकिंग ने युवाओं को व्यावहारिक ज्ञान देने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, फूड जोन में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता झलकती रही, जिसमें लखनऊ की भेलपुरी, अयोध्या का सिरका, मुजफ्फरनगर की कचौरी, आगरा का पेठा और प्रतापगढ़ का आंवला विशेष आकर्षण का केंद्र रहे।

बच्चों ने यहां पर अपने हाथों से बनाए पोटली बैग्स, कुशन कवर, बाल हैंगिंग्स, जूट के पेंटिंग बैग्स, डोरमैट, आसनी प्रदर्शित किए।

आयुषी निगम।

शिवानी सिंह।

महिला उद्यमियों और बेटियों की दिखी छाप

कौशल मेले की सबसे उल्लेखनीय झलक रही महिला उद्यमियों और ग्रामीण बेटियों की भागीदारी। आरएसडब्ल्यूएम प्रालि. की सेंट्रल कोऑर्डिनेटर आयुषी निगम ने बताया कि संस्था द्वारा ग्रामीण लड़कियों को सॉफ्ट स्किल और आईटी की निःशुल्क ट्रेनिंग दी जाती है, जिसमें आवास, भोजन और चिकित्सा सुविधाएं भी शामिल हैं। इन बेटियों द्वारा बनाए गए इको-फ्रेंडली हैंडमेड उत्पाद, पोटली बैग्स, कुशन कवर, बाल हैंगिंग्स, जूट बैग्स, डोरमैट, और दीवार सजावट सामग्री मेले में आकर्षण का केंद्र बने। कार्यक्रम में श्री सिद्धि विनायक एजुकेशन सोसाइटी की ट्रेनर शिवानी सिंह ने बताया कि यहां बच्चों को तीन महीने तक मुफ्त आवास, भोजन, किताबों के साथ प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के बाद युवाओं को नोएडा समेत कई कंपनियों और हॉस्पिटल में प्लेसमेंट दिलाया जा रहा है।

स्थानांतरित न्यायाधीशों के लिए फुल कोर्ट रेफरेंस आज

विधि संवाददाता, लखनऊ : इलाहाबाद हाईकोर्ट और इसकी लखनऊ खंडपीठ के चार न्यायाधीशों का स्थानांतरण अन्य राज्यों के उच्च न्यायालयों में कर दिया गया है। लखनऊ बेंच के न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला का स्थानांतरण दिल्ली हाईकोर्ट में किया गया है, जबकि न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्रा को पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट तथा न्यायमूर्ति जयंतीलाल बनर्जी को कर्नाटक हाईकोर्ट भेजा गया है। केंद्र सरकार ने इन न्यायाधीशों के स्थानांतरण संबंधी अधिसूचना सोमवार को सर्वोच्च न्यायालय की अनुशंसा पर जारी की। इन न्यायाधीशों को बुधवार को फुल कोर्ट रेफरेंस में विदाई दी जाएगी।

ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष हुआ तो दलित हो सकता उप मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बसपा और सपा को एक साथ साधने की तैयारी में जुटे भाजपा के रणनीतिकार

अमृत विचार : अक्सर चौंकाने वाले निर्णयों के लिए चर्चित भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने यूपी में प्रदेश अध्यक्ष को लेकर अभी पत्ते नहीं खोले हैं। सिर्फ नामों का शिगूफा छोड़ चर्चा-परिचर्चा समेत पक्ष-विपक्ष में अपने नेताओं-कार्यकर्ताओं की भी परीक्षा ली जा रही है। मगर, धीरे-धीरे साफ हो रहा है कि केशव प्रसाद मौर्य को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया तो उनकी उप मुख्यमंत्री की कुर्सी दलित समाज को मिलेगी।

राजस्थान व एमपी में दलित उप मुख्यमंत्री के सफल प्रयोग को यूपी में भी दोहराकर पंचायत से लेकर वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में बसपा के साथ सपा-कांग्रेस को भी झटका देने की तैयारी है। वैसे केशव प्रसाद मौर्य के यहां जुटने वाले विधायकों-नेताओं, पंचायत प्रतिनिधियों आदि का मजमा उन्हें भावी प्रदेश अध्यक्ष मानकर अपने-अपने टिकट की सेंटिंग करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। हालांकि केशव प्रसाद के लिए यह पद खास मायने नहीं रख रहा है। वे कार्यकर्ताओं-नेताओं से लेकर मंचों पर भी अपने पहले कार्यकाल की उपलब्धियों को ही मील का पत्थर बताते हैं। कहते हैं कि वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में यूपी के लोगों ने उनके सांगठिक क्षमता को देखा है। पहली बार भाजपा ने नरेंद्र मोदी के नाम पर रिकार्ड 71 सीटें जीतीं। यह सिलसिला उनकी अगुवाई में 2017 के विधानसभा चुनाव में भी दिखा, भाजपा ने 325 सीटों के साथ तीन-चौथाई बहुमत से चुनाव जीता। मौर्य बार-बार 2027 में 2017 दोहराने के पीछे संदेश देना चाहते हैं कि वे बड़े अगुवाकार हैं।

यूपी में ओबीसी के बाद दलित वोट की सबसे बड़ी हिस्सेदारी

सपा के पीडीए के प्रति बीते लोकसभा चुनाव में दलितों के रुझान और बसपा की नई टीम की तैयारी से भाजपा दलित समाज से प्रदेश अध्यक्ष न दे पाने की सूरत में उप मुख्यमंत्री बनाकर दलित वोटबैंक साधने की रणनीति पर मुहर लगा सकती है। प्रदेश में ओबीसी के बाद दलित वोट की सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। आंकड़ों के मुताबिक, यूपी में 42-45 फीसदी ओबीसी हैं, उसके बाद 20-21 फीसदी संख्या दलितों की है। इसमें सबसे अधिक 14 फीसदी जाटव हैं, जो राजनीतिक रूप से बसपा का आधार वोट रहा है। इसके अलावा दलितों की 66 उपजातियां हैं, जिनमें 55 ऐसी उपजातियां हैं, जिनका संख्या बल ज्यादा नहीं हैं। इसमें मुसहर, बसोर, सपेरा और रंगरेज शामिल हैं।

वर्ग पहेली-33

बाएं से दाएं

1.1. पायल, नूपुर 2. हाथी के पैर में बांधने की ज़ंजीर।

2.1. कटोरे के आकार की कोई वस्तु 2. पत्तों का बना हुआ दोना 3. हथेली की अंजलि 4. डिब्बा, संदूक, पिटारी, (बॉक्स) 5. मृतक का कपाल, खोपड़ी 6. औषधि आदि पकाने के लिए कपड़े और गीली मिट्टी से लपेटकर बनाया गया एक पात्र 7. कोश 8. गीत का टेक, (केविटी)।

5. मस्जिद का वह ऊंचा चबूतरा जिसपर बैठकर इमाम या मुल्ला उपदेश देते हैं अथवा लोगों को नमाज़

7. बरफ़ के कण, हिम के अति सूक्ष्म टुकड़े; जमी हुई बरफ़ के क्रिस्टलों के समूह।

9.1. मुगल संबंधी, मुगलों का-सा, मुगली, मुगलों की तरह का 2. एक विशेष प्रकार का व्यंजन

10.1. मनगढ़ंत किस्सा या कहानी; कल्पित कहानी 2. ब्योरा, विवरण, हाल।

ऊपर से नीचे

1		■	■	2		3
■	■	4	■		■	
5	6		■		■	
■	7				■	■
■		■	■	■	■	8
9				■	■	
■	■	■	■	10		

2.1. संवर्धन, पालन-पोषण 2. समर्थन।

3.1. एड़ी के ऊपर और पिंडली के नीचे की उभरी हुई हड्डी 2. उक्त हड्डी के आस-पास का भाग।

4. शोथ, सूजन।

6.1. बाहरी या ऊपरी अंग 2. पूजा के आरंभ में किए जाने वाले औपचारिक और बाह्य कृत्य।

8.1. हिनहिनाना 2. घनघनाना, घंटे का बजाना 3. रक्षा करना 4. किसी काम को करते हुए सोच-विचार करने या बनाने-संवारने के लिए बीच-बीच में ठहरना, धीरे-धीरे धैर्य के साथ करना 5. बनाना, निर्माण करना, संवारना।

वर्ग पहेली-32 का हल

■	■	1 कि	■	2 टि	3 पा	रा
4 रँ	ह	च	टा	■	ग	■
■	■	पि	■	5 गि	ल	6 न
■	7 प	च	मे	ल	■	फ़
■	रि	■	■	गि	■	सा
■	षे	■	■	ला	■	नी
8 नि	क	ष	ण	■	■	■

सुडोकू-40

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

							2	
4		3		6	1		8	
5		7	8	2				9
		9			5		1	
	5		3		8		7	
	8		4			5		
8				5	2	1		3
	6		7	3		4		8
	3							

सुडोकू - 39 का हल

5	3	2	4	8	6	1	7	9
7	8	9	1	2	5	3	4	6
6	1	4	9	3	7	8	5	2
8	9	3	6	4	2	5	1	7
4	6	5	7	1	8	9	2	3
1	2	7	3	5	9	4	6	8
9	5	8	2	6	4	7	3	1
2	7	1	5	9	3	6	8	4
3	4	6	8	7	1	2	9	5

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 16 जुलाई, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी-21.01 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

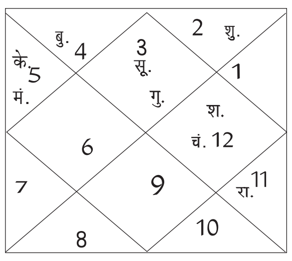

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- वर्षा।

चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-पूर्व भाद्रपद 05.46 तक तत्पश्चात उत्तर भाद्रपद 17 जुलाई 4.50 तक।

मेष - आज विदेशी कंपनियों से नौकरी या व्यवसाय के प्रस्ताव मिल सकते हैं। जीवनसाथी के साथ आपको बातचीत अवश्य करनी चाहिए। घरेलू कलह होने की संभावना है। लंबी दूरी की यात्रा पर जानें से बचें। बनते कार्यों में रुकावट आने से चिड़चिड़े हो सकते हैं।

वृष - आज कार्यक्षेत्र में नए मित्र बन सकते हैं। लोग आपके कार्य की प्रशंसा करेंगे। दोस्तों के साथ पिकनिक पर जा सकते हैं। शांति और धैर्य का परिचय दें। व्यापार में बड़े लाभ मिलने की भरपूर संभावना है। रिश्तेदारों का भरपूर सहयोग मिलेगा।

मिथुन - आज दिन की शुरुआत बहुत ही अच्छी रहेगी। मार्केटिंग से जुड़े कार्यक्षेत्र में आपको लाभ मिलेगा। घरेलू जीवन में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। बड़े अधिकारियों के साथ अपने संबंध मधुर रखें। संतान की उपलब्धियों से उत्साहित रहेंगे।

कर्क - आज अपनी मनोवृत्ति सदैव सकारात्मक रखें। आपको स्वास्थ्य की समस्या हो सकती है। कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा की हानि होने की सम्भावना है। सम्पत्ति विवादों को लेकर आपको बचना चाहिये। व्यवसाय में आपको कुछ आवश्यक फेरबदल करने पड़ सकते हैं।

सिंह - आज कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर कार्य का अतिरिक्त दबाव हो सकता है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के रखरखाव में सावधानी रखें। गूढ़ विषयों का अध्ययन कर सकते हैं। महिलाओं को हार्मोन संबंधी कुछ समस्या हो सकती है। कानूनी विवादों में आपको परेशान होना पड़ सकता है।

कन्या - आज कार्यक्षेत्र का वातावरण ऊर्जावान रहेगा। बच्चे अपनी जिम्मेदारियों के प्रति निष्ठावान रहेंगे। परिस्थितियां पूरी तरह से आपके लिए अनुकूल हैं। लंबे समय से रुका हुआ कार्य आज पुनः प्रारम्भ हो सकता है। जीवनसाथी का पर्याप्त सहयोग आपको मिलेगा।

तुला - आज जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। सहकर्मियों से अत्यधिक सहायता मिलेगी। आत्मविश्वास में कमी होने की सम्भावना है। गर्मी और उमस के कारण सिरदर्द की समस्या हो सकती है। परीक्षा परिणामों में उत्तम सफलता मिलने वाली है।

वृश्चिक - आज नए कार्यों को आरम्भ करना उचित नहीं है। सरकारी कार्यों में आपको अच्छी सफलता मिलेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को उत्तम परिणाम मिलेंगे। अपनी प्रतिभा को और विकसित करने की आवश्यकता है। वाहन धीमी गति से चलायें।

धनु - आज व्यापार में आप नए प्रयोग कर सकते हैं। सरकार की ओर से आपको लाभ प्राप्त होगा। महंगी वस्तुओं की खरीदी करेंगे। धर्म-कर्म के प्रति आप अत्यधिक रुचि लेने वाले हैं। माता-पिता का आशीर्वाद प्राप्त होगा। मित्र आपसे सहायता की अपेक्षा रखेंगे।

मकर - आज आपकी आर्थिक स्थिति अति उत्तम रहने वाली है। जीवनसाथी के साथ आज एकांत में समय बिताना पसंद करेंगे। महत्वपूर्ण मुद्दों पर परिवार के सदस्यों के साथ चर्चा करेंगे। आपके व्यक्तित्व में निखार आयेगा। नई नौकरी आरम्भ करने के अवसर मिलेंगे।

कुंभ - आज कार्यक्षेत्र में परिश्रम का सार्थक परिणाम मिलने में देरी होगी। बैंकिंग से जुड़े मामलों में सावधानी रखने की आवश्यकता है। बच्चों के साथ आप समय व्यतीत करेंगे। प्रेमी जन के साथ मतभेद होने की संभावना है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

मीन - आज संपत्ति के क्रय-विक्रय से धन लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या का समाधान मिलने से प्रसन्नता होगी। मूल्यवान वस्तुओं की खरीदी कर सकते हैं। किसी धार्मिक आयोजन में सम्मिलित होंगे। सभी कार्य सुगमता से पूर्ण हो जायेंगे।

विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम्।।

ज्ञान विनम्रता प्रदान करता है, विनम्रता से योग्यता आती है और योग्यता से धन प्राप्त होता है, जिससे व्यक्ति धर्म के कार्य करता है और सुखी रहता है।

संपादकीय

नवाचार का केंद्र

दुनिया आज जब आर्थिक अनिश्चितता के दौर से गुजर रही है, भारत मजबूत और स्थिर नेतृत्व के साथ वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है। यह यात्रा आसान नहीं थी, परंतु 140 करोड़ भारतीयों की मेहनत, आकांक्षा और आत्मविश्वास की अभिव्यक्ति है। भारत एक दशक पहले कई आर्थिक चुनौतियों और नीतिगत जटिलताओं से जूझ रहा था। केवल एक दशक में भारत ने ब्रिटेन को पछाड़कर 2023 में पांचवां स्थान प्राप्त किया और 2025 में जापान को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर आ गया। आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक ने भी इस उपलब्धि की पुष्टि की। 2025 में आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4.19 ट्रिलियन डालर तक पहुंच गया है और भारत ने जापान जैसे विकसित देश को पीछे छोड़ दिया है। इस प्रगति की नींव में कई संरचनात्मक सुधार रहे मेक इन इंडिया ने निवेशकों का विश्वास लौटाया और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में भारत की रैंकिंग 142 से घटकर 63 पर पहुंची। 2015 में शुरू की गई डिजिटल इंडिया मुहिम ने भारत को डिजिटल नवाचार का केंद्र बना दिया। जनधन, आधार और डीबीटी जैसे मिशनों ने करोड़ों लोगों को वित्तीय प्रणाली से जोड़ा और भ्रष्टाचार पर रोक लगाई। 2023-24 में भारत का कुल निर्यात 824.9 अरब डॉलर तक पहुंचा-जो आईटी, फार्मा, रत्न-आभूषण, कृषि और इंजीनियरिंग क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन का परिणाम है।

भारत अब 'दुनिया की फार्मेसी' और एक ग्लोबल टेक पावर हाउस के रूप में जाना जाता है। प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत 2024 तक 53.13 करोड़ से अधिक बैंक खाते, उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 11 करोड़ से अधिक गैस कनेक्शन, और आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से 50 करोड़ से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा दी गई। यह दिखाता है कि भारत का आर्थिक विकास समावेशिता पर आधारित है। आज भारत को पूरी दुनिया स्थिरता, नवाचार और अवसरों के केंद्र के रूप में देख रही है। वैश्विक विश्लेषकों का अनुमान है कि अगर यह रफ्तार बरकरार रही तो भारत 2027 तक जर्मनी को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन सकता है। भारत की यह उपलब्धि सिर्फ एक आर्थिक सफलता नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के सामूहिक प्रयासों, आकांक्षाओं और आत्मबल की जीत है।

अब नौकरी ही नहीं बिजनेस भी करेगा बिहार

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़ी-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया।

अभी कुछ समय पहले मुंबई से पटना की फ्लाइट में साथ की सीट में एक नौजवान लैपटॉप पर काम कर रहा था। फिर हमारी बातचीत होने लगी। उसने बताया कि वो शेयर मार्केट एक्सपर्ट है और पटना से अपना दफ्तर चलाता है। उसके स्टाफ में आठ लोग हैं। उसका काम के सिलसिले में मुंबई आना-जाना लगा रहता है। उसने यह भी कहा कि एक दौर में वो और उसके बहुत सारे दोस्त सरकारी नौकरी करना चाहते थे। पर फिर लगा कि अब कुछ अपना करना चाहिए। कारण था सरकारी नौकरियां घट रही हैं और उन्हें पाना भी आसान नहीं है। दरअसल ये बिहार में बड़े स्तर पर हो रहा है। बिहारी नौजवान अब अपना कारोबार शुरू करने के बारे में सोचने लगे और उस दिशा में बढ़ रहे हैं। वे कारोबारी दुनिया में बेहतर कमा रहे हैं।

यह भी याद रखा जाए कि बिहार में निजी क्षेत्र का निवेश भी होने लगा है। पिछले साल दिसंबर में बिहार की राजधानी पटना में आयोजित इनवेस्ट समिट के दौरान अडानी समूह, सन पेट्रोकेमिकल्स और कई अन्य बड़ी-छोटी कंपनियों ने राज्य में 1.81 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने का वादा किया। यह निवेश नवीकरणीय ऊर्जा, सीमेंट, खाद्य प्रसंस्करण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में होगा। इससे पहले 2023 में आयोजित पहले निवेशक सम्मेलन में बिहार में 50,300 करोड़ रुपये के निवेश का वादा मिला था।

सन पेट्रोकेमिकल्स 36,700 करोड़ रुपये ऊर्जा परियोजनाओं, जैसे पंप हाइड्रो और सौर संयंत्रों में निवेश करेगी। अडानी समूह, जो राज्य में सबसे बड़ा निजी निवेशक है, ने लगभग 28,000 करोड़ रुपये निवेश करने का वादा किया है। यह निवेश एक अत्याधुनिक थर्मल पावर प्लांट स्थापित करने, सीमेंट उत्पादन क्षमता बढ़ाने, खाद्य प्रसंस्करण और लॉजिस्टिक्स व्यवसायों के विस्तार में किया जाएगा।

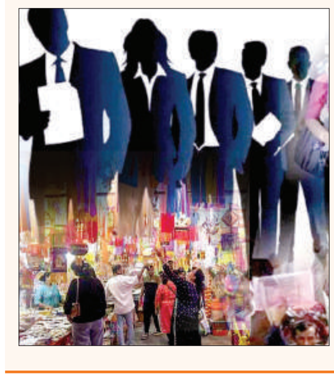

बिहार के उद्योग जगत पर नजर रखने वाले जानते हैं कि यहां से ही अनिल अग्रवाल (वेदांता समूह), आर.के. सिन्हा (एसआईएस सिक्योरिटी), संप्रदा सिंह एल्केम लैबोरेटरीज, आनंद कुमार (सुपर 30) जैसे बड़े कारोबारी निकले। इस सूची में कुछ नाम और भी शामिल किए जा सकते हैं और आने वाले समय में यह सूची बहुत लंबी होगी क्योंकि अब बिहारी नौजवान बदलने लगा है। उसे सरकार का साथ भी मिल रहा है।

यकीन मानिए, बिहार अब आर्थिक पुनर्जागरण की मिसाल बनता जा रहा है। हाल ही में पटना में आयोजित एक विशेष औद्योगिक संवाद में देश की 55 आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने हिस्सा लिया। ये कंपनियां राज्य में निवेश की संभावनाएं टटोल रही थीं। ड्रोन, डेटा सेंटर, सोलर उपकरण, लैपटॉप निर्माण और सॉफ्टवेयर सेवाओं से जुड़ी कंपनियों ने जिस उत्साह से बिहार की नई नीतियों की सराहना की, वह बताता है कि राज्य अब 'लालटेन' से 'लैपटॉप' की ओर तेजी से बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा निवेशकों के लिए 70 प्रतिशत तक प्रोत्साहन राशि देने की नीति, सिंगल विंडो क्लीयरेंस की व्यवस्था और निवेशकों के साथ संवाद की तत्परता ने उद्योग जगत को आकर्षित किया है। इस बार बदलाव केवल कागजों तक सीमित नहीं है, बल्कि ज़मीन पर भी दिखने लगा है। बिहार में आर्थिक चेतना का एक नया अध्याय निवेशकों की भागीदारी से भी खुल रहा है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़े बताते हैं कि बीते पांच वर्षों में बिहार में शेयर बाजार में निवेश करने वाले लोगों की संख्या 0.7 लाख से बढ़कर 52 लाख हो गई है। यह 68 गुना की वृद्धि न केवल देश में सबसे अधिक है, बल्कि यह दर्शाता है कि अब राज्य की जनता आर्थिक निर्णयों को लेकर अधिक जागरूक और आत्मनिर्भर होती जा रही है। यही नहीं, म्यूचुअल फंड में बिहार के निवेशक 89 प्रतिशत हिस्सा इक्विटी योजनाओं में लगा रहे हैं, जो यह संकेत देता है कि उन्हें बाजार की चाल और लाभ-हानि की समझ अब बेहतर हो चुकी है।

बिहार के उद्योग जगत पर नजर रखने वाले जानते हैं कि यहां से ही अनिल अग्रवाल (वेदांता समूह), आर.के. सिन्हा (एसआईएस सिक्योरिटी), संप्रदा सिंह एल्केम लैबोरेटरीज, आनंद कुमार (सुपर 30) जैसे बड़े कारोबारी निकले। इस सूची में कुछ नाम और भी शामिल किए जा सकते हैं और आने वाले समय में यह सूची बहुत लंबी होगी क्योंकि अब बिहारी नौजवान बदलने लगा है। उसे सरकार का साथ भी मिल रहा है। विश्व विख्यात आई सर्जन और दिल्ली एम्स के राजेन्द्र प्रसाद आई सेंटर के पूर्व डायरेक्टर डॉ. राजवर्धन आजाद कहते हैं कि दरअसल मीडिया में कुछ लोग बिहार को लेकर नकारात्मक खबरें पेश करना अपना धर्म समझते हैं। इससे राज्य की सही तस्वीर सामने ही नहीं आ पाती। इस मानसिकता को बदलने की जरूरत है। बिहार में शिक्षा और सेहत के क्षेत्र में लगातार बेहतर काम हो रहा है। अब उद्योग जगत को भी प्रोत्साहन मिल रहा है। देखिए इस बदलाव के कई आयाम हैं। एक तो यह कि अब सरकारी नौकरी को ही एकमात्र विकल्प मानने की मानसिकता में कमी आई है। दूसरा, यह कि डिजिटलीकरण और मोबाइल एप आधारित वित्तीय सेवाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंच बना ली है। जेरौडा, ग्रो और अपस्टाक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स ने न केवल जानकारी को सहज बनाया है, बल्कि निवेश को भी सरल बना दिया है। आज समस्तीपुर का एक छोटा कारोबारी और दरभंगा की एक गृहिणी म्यूचुअल फंड में निवेश कर रही है। यह बदलाव छोटे दिख सकते हैं, लेकिन जब इन्हें करोड़ों लोगों की आदत में शुमार कर लिया जाए, तो इसका प्रभाव देश की पूरी आर्थिक संरचना पर पड़ता है। बिहार के इस बदलाव का संबंध शिक्षा और सूचना तक पहुंच से भी है। बीते एक दशक में राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों की संख्या में वृद्धि हुई है। स्मार्टफोन और इंटरनेट ने ग्रामीण युवाओं को वैश्विक दुनिया से जोड़ा है। सोशल मीडिया और यूट्यूब जैसे माध्यमों ने जानकारी को लोकतांत्रिक बना दिया है। अब वित्तीय निर्णय केवल विशेषज्ञों का क्षेत्र नहीं रहा। आम जनता भी शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड, बीमा और टैक्स प्लानिंग जैसी चीजों में रुचि ले रही है। यह समझना भी जरूरी है कि भारत की आर्थिक उन्नति केवल जीडीपी के आंकड़ों या बाजार सूचकांकों से नहीं मापी जा सकती। यह बदलाव तब स्थायी और प्रभावी होगा, जब देश के सभी हिस्से इस विकास में समान भागीदार बनें। बिहार जैसे राज्य, जिनकी दशकों तक विकास दर कम रही, यदि तेजी से ऊपर उठते हैं तो यह भारत के लिए सामाजिक संतुलन और क्षेत्रीय न्याय का संकेत भी होगा।

यह जरूरी है कि नीति निर्धारण में बिहार जैसे राज्यों को केवल लाभार्थी के रूप में नहीं, बल्कि साझेदार के रूप में देखा जाए। उनकी समस्याएं, संरचनात्मक बाधाएं, कौशल विकास की जरूरतें, और औद्योगिक आधारभूत ढांचे की कमी को दूर करने के लिए केंद्र और राज्य मिलकर काम करें।

व्यंग्य

अथश्री पौधारोपण कथा

आषाढ़ सावन की रिमझिम फुहारों के बीच प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी पौधारोपण उत्सव मनाया गया। स्कूल, कॉलेज, सार्वजनिक क्षेत्र के पार्क में पौधारोपण की औपचारिकता निभाई गई। धरती की छाती चीरकर करोड़ों की संख्या में पौधे रोपित किए गए। प्रकृति और पर्यावरण के प्रति गंभीर विचार गोष्ठियां हुई। कुछ राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अपने अपने चहेते मंत्रियों, पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों को पौधारोपण हेतु आमंत्रित किया। फोटो सेशन भी हुए। एक एक पौधे को अनेक समाजसेवियों ने धरती माता को सौंपा। धरती माता को पौधा समर्पित करते हुए पौधे के संरक्षण एवं संवर्धन का दायित्व निभाने की गुहार लगाई गई। पौधा एक, पौधे को रोपने वाले अनेक की तर्ज पर पौधा रोपने का अभिनय किया। कुछ सामाजिक संस्थाओं के कर्णधारों ने अति उत्साह दिखाया, पुष्पित पल्लवित पुराने पौधे के पास बैठकर हो फोटो खिचवाया। ऐसे में उस माली को फोटो सेशन स्थल से दूर ही रखा गया, जिसने वास्तव में पौधा रोपित किया था। मौलिकता यहां भी कृत्रिम प्रपंचों से सम्मुख हार गई। बहरहाल एक दिन में करोड़ों पौधे रोपने का कीर्तिमान स्थापित किया गया। समाचार पत्रों में ई मीडिया और सोशल मीडिया पर पौधारोपण से जुड़े अनेक फोटो प्रसारित किए गए। वन विभाग को यह दायित्व सौंपा गया था, कि वह डिमांड के अनुरूप सप्लाई करे, पौधों का लेखा जोखा सही से रखे, आंकड़ों में कोई त्रुटि न हो। वन विभाग ने ऐसा ही किया। अपने महाविद्यालय में इसी क्रम में सैकड़ों की संख्या में पौधे मंगाए गए, प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी उन्हीं के हाथों में पौधारोपण की व्यवस्था सौंपी गई, जिन्हें पौधारोपण का विशेषज्ञ माना जाता है। महाविद्यालय के समूचे स्टाफ ने बढ़ चढ़ कर पौधारोपण समारोह में भाग लिया।

किसी ने एक पेड़ मां के नाम पर रोपित किया, किसी ने बेटे के नाम पर, यानि जाकी रही भावना जैसी, उसने रोपी पौध ही वैसी। विगत बीस बरस से ऐसा ही हो रहा है। सैकड़ों पौधे रोपे जाते हैं, एक दिन माली से उन पर पानी का छिड़काव कराया जाता है। फिर तीसरे दिन पौधे को सींचने की प्रक्रिया की जाती है, तदुपरांत सप्ताह में एक बार पौधे पर पानी का छिड़काव होता है और महीना होते-होते पौधे की तरफ से मुंह मोड़ लिया जाता है। पौधा यदि बेशर्म हुआ तो बिना उचित सिचाई के भी खड़ा रहेगा अन्यथा संरक्षण के अभाव में अवसाद में चला जायेगा, अपनी सुध बुध खोकर आत्महत्या करने हेतु विवश हो जाएगा।

बहरहाल हर बरस यही होता है, यदि ऐसा न होता, तो पौधा रोपण के कीर्तिमान बनने के उपरांत पौधों के अपने पैरों पर खड़ा रहने के कीर्तिमान भी बन जाते, किन्तु लगता है कि पौधारोपण होता ही कीर्तिमान बनाने के लिए है। किसी को न पौधों से सरोकार है, न उनके संरक्षण से।

सुधाकर आशावादी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

बहरहाल हर बरस यही होता है, यदि ऐसा न होता, तो पौधा रोपण के कीर्तिमान बनने के उपरांत पौधों के अपने पैरों पर खड़ा रहने के कीर्तिमान भी बन जाते, किन्तु लगता है कि पौधारोपण होता ही कीर्तिमान बनाने के लिए है। किसी को न पौधों से सरोकार है, न उनके संरक्षण से। केवल पौधारोपण में अपने फोटो सेशन से सरोकार होता है। फोटो खिचवाया और सोशल मीडिया पर चस्पा कर दिया। पौधारोपण के लिए आवंटित की गई धनराशि को पौधारोपण में कम और उदरपूर्ति में अधिक खर्च करके समारोह की औचारिकता पूरी कर ली।

बहरहाल सरकारी विभाग इसी कार्यप्रणाली से ही गतिशील रहते हैं। कुछ पौधे धरती पर रोपित करते हैं और कुछ कागजों पर। हर वर्ष यही कथा दोहराई जाती है और कीर्तिमान स्थापित करने के प्रमाणपत्र बांट दिए जाते हैं।

संदिग्ध विश्वविद्यालयों की फर्जी शिक्षा

रोहित कौशिक
वरिष्ठ पत्रकार

कुछ समय पहले यूजीसी ने देश भर में खुले कई फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की थी। इन विश्वविद्यालयों को किसी भी तरह की डिग्री देने का अधिकार नहीं है।

पिछले दिनों स्पेशल टास्क फोर्स ने हापुड़ की मोनाड यूनिवर्सिटी में चल रहे फर्जी डिग्री घोटाले का भंडाफोड़ कर बड़ी कार्रवाई की। एसटीएफ ने छापेमारी के दौरान 1372 फर्जी डिग्रियां, 262 प्रोविजनल और माइग्रेशन सर्टिफिकेट समेत अन्य कई तरह की सामग्री बरामद हुईं। जांच में पता चला कि यह गिरोह बीए, बीएड, बीए-एलएलबी, फार्मेसी, बीटेक जैसे कोर्स की फर्जी डिग्रियां बनाकर बेचता था। प्रति छात्र 50,000 से चार लाख तक वसूले जाते थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि एक तरफ फर्जी डिग्रियों के माध्यम से शिक्षा का मजाक बनाया जा रहा है तो दूसरी तरफ फर्जी विश्वविद्यालय छात्रों को ठग रहे हैं।

कुछ समय पहले यूजीसी ने देश भर में खुले कई फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची जारी की थी। इन विश्वविद्यालयों को किसी भी तरह की डिग्री देने का अधिकार नहीं है। शर्मनाक यह है कि ये विश्वविद्यालय हाल ही में पैदा नहीं हुए हैं बल्कि कई वर्षों से चल रहे हैं। सही जानकारी के अभाव में हजारों छात्र इन फर्जी विश्वविद्यालयों के भंवर में फंस जाते हैं। सवाल यह है कि कई वर्षों से चल रहे इन फर्जी विश्वविद्यालयों पर कार्रवाई क्यों नहीं की जाती है? अगर ऐसे विश्वविद्यालयों पर पहले ही कार्रवाई हो जाती तो हजारों छात्रों के भविष्य पर मंडराते खतरे को दूर किया जा सकता था। दरअसल ऐसे मामलो में हर कोई अपनी जिम्मेदारी से मुक्त होना चाहता है। यूजीसी समय-समय पर विद्यार्थियों को जानकारी देने के लिए फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची अपनी वेबसाइट पर उपलब्ध कराता रहता है। सवाल यह है कि जब यूजीसी और सरकार को फर्जी विश्वविद्यालयों की जानकारी है तो उनके संचालकों की धरपकड़ कर इन अवैध विश्वविद्यालयों को बंद क्यों नहीं कराया जाता? फर्जी विश्वविद्यालयों की सूची प्रकाशित कर देने मात्र से ही यूजीसी और सरकार अपनी जिम्मेदारी से बरी नहीं हो जाते। जानकारी होते हुए भी ऐसे विश्वविद्यालयों को कार्य करते देना और उनके संचालकों के खिलाफ कोई कार्रवाई न करना तो और भी बड़ा अपराध है।

यह विडंबना ही है कि आज गली-गली में निजी शिक्षा संस्थानों की बाढ़ आ गई है। इनमें से कुछ शिक्षा संस्थानों के क्रियाकलाप संदिग्ध हैं। सवाल यह है कि शिक्षा को व्यापार बनाने के लिए जिम्मेदार कौन है? नब्बे के दशक में शुरू हुई उदारीकरण की आंधी ने अन्य क्षेत्रों के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र को भी अपनी गिरफ्त में ले लिया। हालांकि इससे पहले भी कुछ राज्यों में उच्च शिक्षा निजी हाथों में जा चुकी थी लेकिन नब्बे के दशक में व्यापक रूप से पूरे देश में शिक्षा को निजी हाथों में सौपने का काम किया गया।

इनकी देखा देखी छोटे व्यापारी भी इस क्षेत्र की तरफ भागने लगे। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि एक के बाद एक सरकारें इसी नीति पर चलती रहीं। सभी सरकारों द्वारा धड़ल्ले से निजी एवं डीम्ड विश्वविद्यालयों को मान्यता दी जाती रही। सरकारें बार-बार ये बताती रहीं कि हमारे देश के हालात को देखते हुए अभी और विश्वविद्यालय खोले जाने की जरूरत है। इस हड़बड़ी में शिक्षा की गुणवत्ता की तरफ किसी का ध्यान नहीं गया।

आजादी के बाद कुछ हद तक शिक्षा नीति की कमजोरी को दूर करने के प्रयास किए गए लेकिन ये प्रयास पर्याप्त सिद्ध नहीं हुए। एक बार फिर शिक्षा नीति में परिवर्तन की कोशिशें हो रही हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि हमारे नीति-निर्माता शिक्षा नीति में परिवर्तन करने की हड़बड़ाहट में अपना विवेक खोकर कुछ ऐसे निर्णय ले रहे हैं जो शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य को ठेस पहुंचा रहे हैं। सवाल यह है कि क्या हमारा मुख्य उद्देश्य शिक्षा नीति में परिवर्तन करना है या फिर इस परिवर्तन के माध्यम से शिक्षा की कमजोरियों को दूर करना है? हमारे नीति-निर्माताओं की नीतियों एवं क्रियाकलापों को देखकर तो ऐसा लगता है कि उनका मुख्य उद्देश्य केवल शिक्षा नीति में परिवर्तन करना भर है। इस दौर में उच्च शिक्षा की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। कहने को तो शिक्षा नीति में काफी बदलाव हुए हैं लेकिन वास्तविकता यह है कि हम अभी भी लीक ही पीट रहे हैं। आज अनेक शिक्षक नवाचार को बढ़ावा देकर बेहतरीन काम कर रहे हैं लेकिन यह भी कटु सत्य है कि आज गुरु के रूप में अध्यापक की प्रतिष्ठा लगातार कम हो रही है। शिक्षा जगत में मौजूद इन विसंगतियों के बीच नई शिक्षा नीति में भी एक बार फिर निजी शिक्षण संस्थानों को अनेक तौर-तरीकों से पनपने का मौका दिया गया है। सवाल यह है कि क्या ये संस्थान शिक्षा के मूल उद्देश्य को पूरा करने की तरफ ध्यान देंगे? अब समय आ गया है कि सरकार निजीकरण की आड़ में पनपे संदिग्ध विश्वविद्यालयों और अन्य शिक्षण संस्थानों के क्रियाकलापों पर गंभीरता से ध्यान दें ताकि हजारों विद्यार्थियों के भविष्य को अंधकारमय होने से बचाए जा सके।

सोशल फोरम

वोटर नहीं, नागरिकता प्रमाणित

क्या बिहार में है वोटबंदी की तैयारी? चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई मतदाता सूची की 'विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया' को लेकर बड़े दावे किए जा रहे हैं-जैसे यह एक सामान्य प्रक्रिया है, सबके लिए समान है, और इससे लोकतंत्र मज़बूत होगा। लेकिन हक़ीक़त कुछ और ही कहती है। इस बार पहली बार ऐसा हो रहा है कि पुरानी मतदाता सूची को पूरी तरह रद्द कर दिया गया है और नागरिकों से नए सिरे से अपना वोटिंग अधिकार साबित करने को कहा जा रहा है-वह भी उन दस्तावेज़ों के आधार पर जो बिहार की लगभग आधी जनता के पास हैं ही नहीं। जनवरी 2025 में ही एक संशोधित सूची प्रकाशित हुई थी। अगर कुछ त्रुटियां थीं तो सामान्य पुनरीक्षण से उन्हें ठीक किया जा सकता था। लेकिन अब सिर्फ एक महीने में सभी से नए फॉर्म, फ़ोटो, हस्ताक्षर और जन्म व नागरिकता प्रमाणपत्र मांगे जा रहे हैं। आयोग ने जिन 11 प्रमाणपत्रों की सूची जारी की है, उनमें से आधार कार्ड, राशन कार्ड और वोटर आईडी मान्य नहीं हैं-मतलब, जो आम लोगों के पास हैं, वो इस प्रक्रिया में बेकार हैं। इसका सबसे बड़ा असर पड़ेगा दलितों, आदिवासियों, महिलाओं, ग़रीबों और प्रवासी मज़दूरों पर-यानी उन पर जिनका वोट पहले भी कमज़ोर माना जाता रहा है। शिक्षित, शहरी और सुविधा संपन्न नागरिक शायद किसी तरह ये काग़ज़ इकट्ठा कर लेंगे, पर क्या एक ग्रामीण महिला, जिसने कभी स्कूल नहीं देखा, या एक मज़दूर जो गांव छोड़कर बाहर कमाने गया है-वो अपनी नागरिकता साबित कर पाएगा? यह तर्क कि यह सब घुसपैठियों को हटाने के लिए है, तथ्य से परे है। अगर बिहार में कोई विदेशी नागरिक हैं भी, तो वे बहुसंख्यक में नहीं हैं। इसके नाम पर ढाई करोड़ भारतीय नागरिकों के वोट कट जाने की आशंका को कैसे नज़रअंदाज़ किया जा सकता है? यह मामला सिर्फ़ वोटर लिस्ट का नहीं है। यह उस एकमात्र अधिकार का सवाल है, जो हर नागरिक को बिना भेदभाव मिला है, वोट देने का अधिकार। क्या हम एक लोकतंत्र में नागरिक हैं या बार-बार अपने ही देश में अपनी नागरिकता साबित करने वाले अनुनयकर्ता? अब सवाल सिर्फ़ यह नहीं है कि आपका नाम सूची में है या नहीं- सवाल यह है कि कहीं यह प्रक्रिया आपके मौलिक अधिकार को ही तो नहीं काट रही?

राजगोपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ लेखक, आगरा

– फेसबुक वॉल से

कभी-कभी अच्छी नीतियों में भी झोल निकल आता है...

मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन को आज तक का सर्वश्रेष्ठ चुनाव आयुक्त माना जाता है। दिसंबर 1990 से दिसंबर 1966 के अपने 6 साल के कार्यकाल के दौरान उन्होंने चुनाव प्रक्रिया के नियमों और संचालन की दिशा में अनेक रचनात्मक सुधार किए थे। आज जैसी स्थिति देखने को मिल रही है, उसे लेकर टी एन शेषन साहब को याद किया जा रहा है। उनके कार्यकाल का एक बड़ा ही मजेदार रोचक वाकया याद आ रहा है, जिसमें इस संदेश को बल मिलता है कि कई बार अच्छी नीतियों में भी कुछ ऐसे झोल निकल आते हैं, जिनका तर्कोचित निराकरण करने की जरूरत महसूस होती है। आजकल तो बिहार चुनाव के मद्देनजर, जिस प्रकार से वोटर लिस्ट के पुनर्निरीक्षण की प्रक्रिया चल रही है, उससे सुप्रीम कोर्ट भी संतुष्ट नही दिखाई दे रहा। आज कोई भी दावे के साथ नहीं कह सकता कि पुनर्निरीक्षण की सामान्य प्रक्रिया, जिसे संपादित करने हेतु चुनाव आयोग को आठ से बारह महीने से ज्यादा का समय लग जाता है, उसे चुनाव आयोग, क्योंकर और कैसे एक दो माह में ही निपटा देने पर उतारू है।

विजय सिंह
रुद्रपुर, उत्तराखंड

खैर, बात टीएन शेषन की उस नीतिगत आदेश की.. जिसका अक्षरशः अनुपालन के चक्कर में मणिपुर के एक जिलाधिकारी (चुनाव अधिकारी) बेहद परेशान हो गए थे। अंततः उनकी परेशानी का निराकरण, एक पत्रकार की रिपोर्ट के बाद, टी एन शेषन के संज्ञान में आने से ही, संभव हो पाया था। दरअसल शेषन साहब ने चुनाव में धांधली रोकने हेतु जो अनेक सुधार किए थे, उसी क्रम में एक आदेश यह भी था कि जिस बूथ पर 70 प्रतिशत से ज्यादा वोटिंग होगी, वहां फिर से रि-पोलिंग की जाएगी। मणिपुर में एक बूथ पर 100 प्रतिशत वोटिंग देखकर वहां के जिलाधिकारी ने रि-पोलिंग कराई। पुनः 100 प्रतिशत पोलिंग देखने को मिली। जिलाधिकारी ने उक्त रि-पोलिंग को भी अमान्य कर, पुनः रि-पोलिंग कराई। इस बार भी 100 प्रतिशत पोलिंग। जिलाधिकारी ने एकबार और रि-पोलिंग के आदेश दिए। यानि कि तीसरी बार रि-पोलिंग..। इसी दौरान एक जागरूक पत्रकार ने पूरे मामले का संज्ञान लेते हुए अखबार में छाप दिया कि, "चाहे जितनी बार रि-पोलिंग करवा लो, वोट 100 प्रतिशत ही पड़ेंगे, क्योंकि उस गांव में कुल 3 वोटर ही हैं, जो वोट डाल आते हैं"। अखबार के माध्यम से जब यह बात शेषन साहब तक पहुंची, तब जाकर रि-पोलिंग की प्रक्रिया को विराम दिया गया। ऐसा भी नहीं था कि 100 प्रतिशत पोलिंग का कारण, जिलाधिकारी को समझ में नहीं आ रहा था, परंतु शेषन साहब की शख्शियत ही कुछ ऐसी थी कि उनका खौफ, अधिकारी तो क्या बड़े बड़े नेताओं के सिर चढ़कर बोलता था। जिलाधिकारी महोदय की हिम्मत ही नहीं हो रही थी कि वो सही कारण की रिपोटिंग, शेषन साहब को करके, मसला सुलझा लेते। ऐसा लगता है कि वो बार-बार यह सोचकर रि-पोलिंग करा रहे थे कि शायद तीन वोटरों में से कोई एक भी वोटर किसी कारण वोट न डाले तो उनकी समस्या का स्वतः निराकरण हो जाएगा। पर ऐसा हो नहीं पा रहा था। आज का समय होता तो एक वोटर को बूथ तक जाने से रोकना प्रशासन के लिए कौन सा मुश्किल होता। चुटकी बजाते समस्या हल हो जाती।

सीखने की कई विधाएं

किताबों से, अनुभवों से, संवाद से, और कभी-कभी केवल चुपचाप देख लेने भर से। यह विविधता ही मानव चेतना की सबसे बड़ी खूबी है। लेकिन दुखद विडंबना यह है कि आज का शिक्षा तंत्र या सामाजिक तर्कशास्त्र हर सीखने को एक जैसे फ्रेम में कसना चाहता है। "आपका तरीका भी उनमें से एक है"-यह वाक्य जितना विनम्र प्रतीत होता है, उतना ही गहरा व्यंग्य भी है उन पर जो अपने तरीके को ही 'अंतिम सत्य' मानकर दूसरों पर थोपना चाहते हैं। हर व्यक्ति के सोचने, समझने, सीखने और प्रतिक्रिया देने की प्रक्रिया भिन्न होती है। यह ज़रूरी नहीं कि किसी की कही बात पर सभी एक जैसी प्रतिक्रिया दें। लेकिन आज की दुनिया में, जहां भीड़ की सराहना ही 'सत्य' की कसौटी बन चुकी है, वहां भिन्न दृष्टिकोण को 'असभ्यता' या 'विद्रोह' कहा जाता है। हम यह भूल जाते हैं कि 'हर क्रिया के लिए एक ही प्रतिक्रिया' केवल मशीनों में होती है, इंसानों में नहीं। इंसानों की सोच परिस्थितियों, परिवेश, पीड़ा, अनुभव और चेतना की परतों से बनती है। यह विविधता किसी भी सजीव समाज की पहचान है, न कि खतरा। जो यह चाहते हैं कि हर विद्यार्थी एक जैसा बोले, हर नागरिक एक जैसा सोचे, हर शिक्षक एक ही भाषा में समझाए- वे दरअसल उस बहुरूपिये मानव मन की हत्या करना चाहते हैं। वे भूल जाते हैं कि जो सवाल सबके भीतर से अलग-अलग तरीके से उठते हैं, उनके उत्तर भी अलग-अलग ही होंगे। इसलिए अगर किसी ने आपके विचार से सहमति नहीं जताई, तो वह नासमझ नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र समझ का प्रतीक हो सकता है। विरोध हमेशा दुश्मनी नहीं होता, यह उस सीखने की प्रक्रिया का हिस्सा है, जिसमें हम दूसरों के सत्य के साथ अपने सत्य की तुलना करते हैं। समाज को एक जैसे उत्तर नहीं चाहिए- उसे वैचारिक विविधता की ज़रूरत है। अगर हम हर प्रतिक्रिया को नियंत्रित करने लगेंगे, तो हम अंततः वही बन जाएंगे, जो सोचने की आज़ादी से डरते हैं। क्योंकि सीखना केवल उत्तर रट लेने की प्रक्रिया नहीं है, यह जानने की यात्रा है कि हर उत्तर एक जैसा नहीं होता।

प्रवीण त्रिवेदी
फतेहपुर

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह* 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharkanpur@gmail.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

प्रोटोकाल से 6 घंटे पहले पहुंचे जलशक्ति मंत्री

संभावित बाढ़ से निपटने की तैयारियों का लिया जायजा, अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण करते जल शक्ति मंत्री। अमृत विचार

रमेड़ी पंप कैनाल परिसर में पौधरोपण भी किया। अमृत विचार

अमृत विचार। जनपद में संभावित बाढ़ की तैयारियों का जायजा लेने के लिए, मंगलवार को उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह प्रोटोकॉल के समय के लगभग छह घंटे पहले ही मुख्यालय पहुंच गए। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का निरीक्षण कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चौकसी बरतने के निर्देश दिए।

ऊपरी क्षेत्रों में बारिश के चलते बांधों से छोड़े गए पानी से यमुना व बेतवा नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए योगी सरकार के मंत्री और प्रशासन अलर्ट मोड पर है। जिला प्रशासन के साथ शासन द्वारा बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में तैयारियों को अमली जामा पहनाया जा रहा है। मंगलवार को बाढ़ के दृष्टिगत बुंदेलखंड के हमीरपुर, बांदा और चित्रकूट में जल शक्ति मंत्री

- रमेड़ी पंप कैनाल परिसर में किया पौधरोपण
- लोगों से संवाद कर मदद का आश्वासन दिया

स्वतंत्रदेव सिंह का एक दिवसीय दौरा रहा।

प्रोटोकॉल के मुताबिक मंत्री को पहले चित्रकूट, फिर बांदा जनपद के चिल्ला घाट का निरीक्षण करने के बाद शाम 5:45 पर हमीरपुर पहुंचना था, लेकिन वह लखनऊ से चलकर सबसे पहले हमीरपुर पहुंच गए और बाढ़ प्रभावित डिग्गी रमेड़ी डांडा, मेरापुर, केसरिया का डेरा आदि स्थानों का दौरा कर बाढ़ की तैयारियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए कि संभावित बाढ़ के दृष्टिगत आवश्यक तैयारियां पूर्ण रखें, ताकि बाढ़ के समय जनमानस को किसी भी प्रकार की समस्या न हो।

उन्होंने लोगों से संवाद कर आश्वस्त किया कि बाढ़ के समय किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न नहीं होगी। जिला प्रशासन आवश्यक तैयारियां कर रहा है। इस दौरान मेरापुर पंप कैनाल एवं उससे लगी पिचिंग और रमेड़ी पंप कैनाल का भी निरीक्षण किया। रमेड़ी पंप कैनाल परिसर में पौधरोपण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी घनश्याम मीना, सदर विधायक डॉ.मनोज कुमार प्रजापति, भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील पाठक, नगर पालिका अध्यक्ष कुलदीप निषाद, पुलिस अधीक्षक डॉ.दीक्षा शर्मा, एसडीएम सदर सुक्रमा प्रसाद विश्वकर्मा, अधिशासी अभियंता मौदहा बांध निर्माण खंड दिनेश कुमार सहित सिंचाई विभाग व अन्य विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिकायत करने पर महंत की पिटाई

राठ। कोतवाली क्षेत्र के मलौहा माफ गांव में मंदिर के महंत द्वारा अवैध कब्जा करने की शिकायत करने पर लोगों कमरे में घुसकर जमकर मारा-पीटा। महंत ने मंदिर पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है।

मलौहा गांव निवासी बृजगोपाल दास पुत्र बाबूलाल ने बताया कि गांव में स्थित सिद्ध बाबा के स्थान पर वह बीते 37 वर्षों से पुजारी है। बताया कि वह दिव्यांग हैं। बताया कि गांव के कुछ लोगों ने प्रतिक्षालय पर अवैध कब्जा कर लिया था। जिसकी शिकायत उसने सम्पूर्ण समाधान दिवस में की थी। बताया कि राजस्व व पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच कर दुकान हटाए जाने की गलत आख्या लगा दी। बताया कि मंगलवार की सुबह करीब एक दर्जन ग्रामीण लोग आए और गालियां देते हुए कमरे के अंदर घुस आए। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। यह भी बताया कि शिकायत करने पर पत्नी से बलात्कार के मामले में फंसाने की धमकी दी है। कोतवाली रामासरे सरोज ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

सार-संक्षेप

युवक को स्किल यूथ आइकॉन का अवार्ड देते डीएम। अमृत विचार

युवाओं को स्वरोजगार अपनाने की जरूरत

सुमेरपुर। विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर कस्बे के राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित कार्यक्रम में जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने युवाओं को स्किल यूथ आइकॉन अवार्ड प्रदान किए। विश्व युवा कौशल दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि युवाओं को स्वरोजगार अपनाने की जरूरत है। इसके लिए सरकार ने बगैर ब्याज के मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना संचालित कर रखी है। इस योजना का लाभ युवा उठाकर उद्यमी बन सकते हैं। उन्होंने 11 युवाओं को स्किल यूथ आइकॉन अवार्ड, 11 नियुक्त प्रमाण पत्र प्रदान किये। इसके अलावा तीन उत्कृष्ट प्रशिक्षण प्रदाता एवं तीन उद्योग प्रतिनिधियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला, उपायुक्त जिला उद्योग केंद्र रवि गुप्ता, नोडल प्रधानाचार्य आईटीआई सरीला बृजेश कुमार, प्रधानाचार्य आईटीआई शैलेंद्र कुमार सैनी, प्रधानाचार्य आईटीआई राठ कमलेश वर्मा, खंड विकास अधिकारी विपिन कुमार, डा. यज्ञेश, प्रदीप कुमार, शिवराज सिंह, रिमझिम के मनोज गुप्ता, बीम के एलबी सिंह आदि मौजूद रहे। इस मौके पर मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के तहत ऋण का वितरण भी किया गया।

डीएम को ज्ञापन देने जाते पटरी दुकानदार। अमृत विचार

पटरी दुकानदारों ने मांगी अनुमति

हमीरपुर। पटरी दुकानदारों ने राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम के बाहर हटाई गई दुकानों को पुनः स्थापित कराने की मांग को लेकर एक बार फिर जिलाधिकारी की चौखट पहुंचे, जहां सिर्फ आश्वासन के सिवा कुछ हासिल नहीं हुआ। 9 जुलाई को मुख्यमंत्री का संभावित दौरा होने के चलते जहां प्रशासन अलर्ट मोड पर था। वहीं सदर नगर पालिका द्वारा राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम के बाहर लगी पटरी दुकानों के दुकानदारों को दौरे के बाद पुनः स्थापित करने का झूठा आश्वासन देकर बीते आठ जुलाई को दुकाने हटवा दी थीं। उसी रात्रि नगर पालिका की टीम ने उतने एरिया में तारबाड़ी कर जेसीबी से गड्ढे करवा दिए थे। मंगलवार को पटरी दुकानदार रामशंकर प्रजापति, पप्पू नामदेव, फैज अली, रवि निषाद, सफीक, नईम, नौसाद, फारुख, रज्जू आदि ने अतिरिक्त एसडीएम को दिए ज्ञापन में कहा कि लगभग तत्कालीन जिलाधिकारी के आदेशानुसार 15 वर्षों से स्पोर्ट्स स्टेडियम के बाहर पटरी दुकान रख कर परिवार का भरण पोषण कर रहे थे। बताया कि नगर पालिका ईओ द्वारा न तो कोई स्थान दिया जा रहा है न ही स्टेडियम के बाहर पुनः स्थापित किया जा रहा है। जिससे उनके परिवार का भरण पोषण करने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही उनके बच्चों की पढ़ाई में भी मुश्किलें उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने यथावत दुकाने रखवाने की मांग की है।

कृषि विज्ञान केंद्र में किसान दिवस आज

हमीरपुर। किसानों की समस्याओं के निस्तारण तथा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने के उद्देश्य से प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किसान दिवस का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र कुरारा में किया जा रहा है। जिसमें विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहेंगे। सभी किसान कृषि विज्ञान केंद्र कुरारा में आयोजित होने वाले किसान दिवस में पूर्वाह्न 11:00 बजे से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं का निराकरण एवं विभागीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकते है।

ई-रिक्शा पलटा, महिला घायल

मौदहा। मौदहा-कपसा मार्ग पर उरदना के निकट ई-रिक्शा पलट जाने से महिला घायल हो गई, जिसे कस्बे के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। महोबा जनपद के खिरही खम्हरिया से सिजनौडा में चल रहे भंडारे में शामिल होने के लिए एक ही परिवार के पांच लोग ई-रिक्शा पर जा रहे थे, तभी उरदना गांव के पास सामने से आ रही वैन को साइड देने के लिए सड़क किनारे ई-रिक्शा उतरने से अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। सूचना पर पहुंची डायल 112 ने घायल महिला को कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया, जहां पर महिला का इलाज चल रहा है।

शराबी ने बड़े भाई को लाठी से पीटा

राठ। कोतवाली क्षेत्र के बरदा गांव में मामूली विवाद के चलते एक शराबी युवक ने घर में सो रहे अपने बड़े भाई के ऊपर लाठियों से हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। घटना के बाद पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर दी है। बरदा गांव निवासी सुखपाल सिंह पुत्र हल्के प्रसाद ने बताया कि रविवार की रात करीब 9 बजे वह खाना खा पीकर अपने कमरे में सो रहा था। बताया कि उसी दौरान शराब के नशे में धुत उसका छोटा भाई घर में आया और अकारण लाठियों से उस पर हमला कर उसे घायल कर दिया। बताया कि जब उसकी पत्नी उसे बचाने के लिए दौड़ी तो पत्नी के साथ भी गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दे डाली। पुलिस घटना की जांच कर रही थी।

विद्युत मेगा कैंप का कल से आयोजन

राठ। पावर कारपोरेशन द्वारा आगामी 17 से 19 जुलाई तक रामलीला मैदान में मेगा कैंप का आयोजन किया जायेगा। इसकी जानकारी अधिशासी अभियंता रमेश चंद्र ने दी। अधिशासी अभियंता ने बताया कि इसके अलावा 19 जुलाई को मुस्करा उपकेंद्र, 17 को गोहांड, 18 को सरीला एवं 19 को ममना में कैंप का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने विद्युत उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि विद्युत संबंधी समस्याओं का निराकरण करा सकते है।

दो लोगों के खिलाफ मारपीट की रिपोर्ट दर्ज

कुरारा। थाना क्षेत्र के बेरी गांव में सोमवार को दुकानदार को गाली गलौज मारपीट करने पर पीड़ित ने दो आरोपियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना क्षेत्र की बेरी गांव निवासी राकेश कुमार ने थाने में दी तहरीर में बताया कि सोमवार रात करीब 9:00 बजे अपनी दुकान पर बैठा था। तभी गांव के भूरा उसका साथी रंजीत हाथ में लाठी डंडे लिए आए और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर मारपीट करने लगे। शोर सुनकर पत्नी बाहर आई तो दोनों लोग जान से मारने की धमकी देकर चले गए। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भागवत कथा के समापन हुआ भंडारा

मौदहा। विकासखंड के गांव सिजनौडा में श्रीमद्भागवत के समापन पर मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें आसपास के गांवों से आए श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। हनुमान मंदिर में 8 जुलाई को श्रीमद्भागवत कथा आरंभ हुई थी, जो 14 जुलाई को समाप्त हुई। कथा में व्यास नीलम ज्योति शास्त्री ने लोगों को कथा का रसपान कराया। मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें गांव सहित आसपास के गांवों के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

युवती को सातवीं बार सांप ने काटा

राठ। कोतवाली क्षेत्र के इटाइल गांव निवासी एक युवती का अजीबो गरीब मामला सामने आया है। सातवीं बार सर्प दंश से बिगड़ी हालत पर परिजनों ने इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया। इटाइल गांव निवासी महिला ने बताया कि उसकी पुत्री डॉली सैनी पुत्री भवानीदीन को आज दर्शन से अधिक बार सांप काट चुका है। बताया कि यदि वह अपनी पुत्री को रिश्तेदारी में भी भेज देती है तो वहां पर भी सांप काट लेता है। बताया कि बीते कुछ समय पहले उसने अपनी पुत्री को दिल्ली गांव में स्थित अपनी रिश्तेदारी में भेजा था। लेकिन वहां पर भी सर्प ने उसकी पुत्री को काट लिया।

एक नजर

पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

बिवांर। पुलिस ने वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। एसआई मोहम्मद सुल्तान ने बताया कि थानाक्षेत्र के मवईजार गांव निवासी नमोनारायण पुत्र जगत नारायण का मुकदमा अदालत में चल रहा है। अदालत से दी गई तारीख में उसके हाजिर न होने से उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था। जिस पर उसे गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया है।

मारपीट के मामले में दो लोगों ने दी तहरीर

बिवांर। क्षेत्र के खड़ेही जार गांव निवासी राखो पुत्र केशवराम यादव ने तहरीर में बताया कि पड़ोसी सुरेंद्र पुत्र चुन्नी यादव शराब के नशे में दरवाजे में आकर अभद्रता करता है। सोमवार की शाम को शराब के नशे में अभद्रता करते हुए घर में ईंट पत्थर फेंक कर हंगामा मचाने लगा। तभी पुत्री 112 पर फोन किया, मौके पर पहुंची पुलिस को देखकर भाग गया। पीड़िता ने आरोपी के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं गांव निवासी शिप्रा यादव ने थाने में दी तहरीर में बताया कि गांव के भीम, भारत, पुत्रगण केशव राम, सालिक राम व उसका पुत्र राम जी लाठी डंडा लेकर घर में घुस आए और मां बहन के साथ गाली गलौज कर मारपीट करने लगे। चारों लोगों के कार्रवाई की मांग की है। एसआई मोहम्मद सुल्तान ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर मिली है, जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

पंखा लगाते समय करंट लगने से युवक की मौत

कुरारा। थाना क्षेत्र के कुसमरा गांव में नवनिर्मित घर में रात को सोने गए युवक को पंखा लगाते समय करंट लग गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। सुबह पत्नी ने जब दरवाजा खोलकर देखा तो उसे मृत पाकर उसके होश उड़ गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। कुसमरा गांव निवासी राम किशुन (35) पुत्र प्रभु दयाल सोमवार की रात गांव में दूसरी जगह अपने नवनिर्मित मकान की तराई करने गया था। वहीं उसे लेटना भी था। मकान की तराई करने के बाद वह सोने के लिए फर्राटा पंखा लगा रहा था। तभी पंखे में उतरे करंट की चपेट में आने से उसकी मौके पर मौत हो गई। मंगलवार की सुबह जब उसकी पत्नी गई और दरवाजा खोलकर अंदर देखा तो रामकिशुन को मृत पड़ा देखकर उसके होश उड़ गए और शोर मचाने लगी। जिससे आसपास के लोगों की भीड़ एकत्र हो गई।

कोटेदार संघ का कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

अतिरिक्त एसडीएम को ज्ञापन सौंपते कोटेदार। अमृत विचार

अमृत विचार। अन्य प्रदेशों की भांति प्रदेश में खाद्यान्न पर लाभांश दिलाने सहित सात सूत्री मांगों को लेकर कोटेदार संघ ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री से संबोधित ज्ञापन अतिरिक्त एसडीएम को सौंपा है।

ऑल इंडियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष सुमंत शर्मा के नेतृत्व में दिए ज्ञापन में बताया कि वर्तमान में फोन से फीडबैक लिया जा रहा है। जिसमें कोटेदारों के विरोधियों के पास फोन जाने पर उल्टा-सीधा जवाब दिया जाता है। साथ ही ऐसा व्यक्ति फोन उठाता है, जो राशन लेने गया ही नहीं। जिसमें उसको पूर्ण जानकारी नहीं रहती है। जिसके आधार पर अनायास जांच के नाम पर शोषण किया जाता है। यूपी के कोटेदारों का खाद्यान्न पर लाभांश 90 रुपये प्रति क्विंटल व चीनी पर 70 रुपये

- खाद्यान्न पर लाभांश दिलाने सहित सात सूत्री मांगों का ज्ञापन मुख्यमंत्री को भेजा

प्रति क्विंटल ही मिलता है, जबकि अन्य प्रदेशों में दो सौ या उससे अधिक दिया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के कोटेदारों को अन्य प्रदेश की भांति लाभांश दिलाने, डोर स्टेप डिलीवरी, गुणवत्तायुक्त खाद्यान्न कोटे की दुकान पर पहुंचाने, पूर्व का सभी बकाया भुगतान करने, वितरण प्रमाण-पत्र व स्टॉक रजिस्टर बंद कर राज्य सरकार द्वारा पेपरलेस का आदेश दिलाने सहित सात सूत्री मांगे शामिल है। उन्होंने मांगे पूरी न होने पर अगस्त माह का वितरण प्रथम तीन दिन रोक देने की चेतावनी दी है। इस मौके पर कलावती, प्रेम कुमार, जयराम, माया देवी, रामकरण, अरुण कुमार चौरसिया, नितिन सिंह, धर्मेंद्र वर्मा, धनीराम वर्मा, पंकज कुमार, सन्तो देवी सहित जिले भर के कोटेदार रहे।

चार साल से ब्लैकमेल कर शारीरिक शोषण का आरोप

संवाददाता, बिवांर

- युवती ने थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग उठाई

अमृत विचार। युवती का अश्लील वीडियो बनाकर शारीरिक शोषण करने का आरोप लगा है। यह भी आरोप है कि 12 जुलाई को घर में अकेला पाकर युवक ने बलात्कार किया और विरोध करने पर लात-घूंसों से मारपीट की। पीड़ित युवती ने युवक के खिलाफ थाने में मारपीट और बलात्कार किए जाने की तहरीर दी है। पुलिस जांच में जुट गई है।

थाना क्षेत्र के एक गांव की युवती ने तहरीर में बताया कि वह राठ कस्बे में एक टेलर के मकान में किराए पर रहती है और जीएनएम की कोचिंग कर रही है। महोबा जिले के चरखारी थाना क्षेत्र के गौरहारी गांव का पूर्व परिचित राहुल राजपूत 17 सितंबर 2021 को उसके कमरे में आया और तमंचा दिखाकर बलात्कार किया। मोबाइल से अश्लील वीडियो भी बना लिया। इसके बाद अश्लील वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लगातार उसका शारीरिक उत्पीड़न कर रहा है। 12 जुलाई को पिता के खेत चले जाने पर राहुल राजपूत उसके घर आया और वीडियो वायरल करने की धमकी देते हुए फिर से दुराचार किया। लगातार चार साल से वह उसका शारीरिक शोषण कर रहा है। शादी की बात कहने पर नाराज हो गया और लात-घूंसों से पीटा। जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गया। युवती ने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि युवती की तहरीर मिली है, मामले की जांच कर युवक के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

फैक्ट्री कर्मी को कार सवारों ने किया घायल

सुमेरपुर। फैक्ट्री से ड्यूटी करके वापस जा रहे कर्मी को कार सवार दबंगों ने रास्ते में रोककर जमकर पीटा। पीड़ित ने पुलिस को तहरीर दी पुलिस घटना को सड़क हादसा बता रही है।

सिसोलर कस्बा निवासी मोहित यादव जेके सीमेंट फैक्ट्री में कार्य करता है। सोमवार को रात 8:00 बजे वह ड्यूटी समाप्त करके बाइक से गांव जा रहा था। मिहुना गांव के समीप कार सवार युवकों ने बाइक को रोककर जमकर पीटा। जिससे वह लहूलुहान हो गया। इसके बाद कार सवार जान से मार देने की धमकी देकर फरार हो गए। सूचना पाकर परिजन रात में ही चर पहिया वाहन से मौके पर लहूलुहान हालत में इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया मंगलवार को सुबह पीड़ित ने अज्ञात कार सवार युवकों के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंपी है। पुलिस ने जांच के बाद कार्यवाही का आश्वासन दिया है। थानाध्यक्ष अनूप कुमार सिंह ने बताया कि युवक के आरोप झूठे हैं।

शिक्षक-शिक्षिकाओं की कार्यशाला

शिक्षक-शिक्षिकाओं की कार्यशाला को संबोधित करते बीईओ। अमृत विचार

सुमेरपुर। बेसिक शिक्षा विभाग के विकासखंड सुमेरपुर में विज्ञान शिक्षक शिक्षिकाओं की उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गयी। जिसमें सभी विद्यालयों में इंस्पायर अवार्ड 2025-26 के लिए प्रत्येक विद्यालय से पांच पांच बच्चों का ऑनलाइन नामांकन कराने को कहा गया। इस कार्यशाला का आयोजन पीपीटी मॉडल पर किया गया। मेंटर शिक्षक अकबर अली के नेतृत्व में सभी उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विज्ञान शिक्षक शिक्षिकाओं को उन्मुखीकरण कार्यशाला में इंस्पायर अवार्ड, अविष्कार अभियान, विज्ञान मेला, विज्ञान भ्रमण, मॉडल प्रोजेक्ट निर्माण, प्रश्नोत्तरी, पाठ योजना निर्माण, विज्ञान कार्य पुस्तिका व संदर्शिका पर चर्चा करते हुए प्रत्येक विद्यालय में पांच पांच बच्चों को बाल वैज्ञानिक के रूप में चयनित करने का टारगेट दिया गया।

खण्ड शिक्षा अधिकारी प्रभाकर सिंह तोमर ने कहा कि समाज में शिक्षकों को बहुत महत्वपूर्ण मानते हुए उन्हें समाज का निर्माता कहा गया है। शिक्षकों का काम सिर्फ ज्ञान देना नहीं है, बल्कि छात्रों को एक बेहतर इंसान और एक अच्छा नागरिक व वैज्ञानिक दृष्टिकोण बनाने में भी मदद करना भी है। बैठक में सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष विभा भारती, सीडब्ल्यूसी सदस्य सफवान अहमद, जन साहस जिला समन्वयक सुशील बक्शी सहित ब्लाक के समस्त उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विज्ञान शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

मजदूर को हंसिया मारकर किया घायल

राठ। मझगवां थाने के खड़ाखर गांव में विपक्षी के खेत में काम करने से नाराज दंपति ने खेतिहर मजदूर को गाली गलौज कर उसे जमकर मारापीटा। घायल ने थाने पहुंच कर तहरीर दी है।

खड़ाखर गांव निवासी हरिश्चंद्र पुत्र मूलचंद ने बताया कि सोमवार की सुबह करीब 10 बजे वह गांव के रामगोपाल के खेत में धान रोपाई कर वापस अपने घर को लौट रहा था। रास्ते में गांव का एक युवक ने उसे रोक लिया। बताया कि आरोपी युवक ने रामगोपाल के खेत में काम करने को लेकर उसके साथ गाली गलौज शुरू कर दी। बताया कि जब उसने गाली गलौज करने का विरोध किया तो आरोपी युवक और उसकी पत्नी ने उसके साथ जमकर मारपीट कर उसे घायल कर दिया। आरोप लगाया कि उसी दौरान महिला ने उसके पीठ में हंसिया से वार कर उसे घायल भी कर दिया। मझगवां थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

कलेक्ट्रेट में बैठक

जिलाधिकारी ने समीक्षा बैठक में खराब रैंकिंग वाले विभागों को दी सख्त हिदायत

विकास कार्यों में शिथिलता पर पर होगी कार्रवाई

कार्यालय संवाददाता, हमीरपुर

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक करते डीएम घनश्याम मीना। अमृत विचार

अमृत विचार। सरकार के विकास प्राथमिकता कार्यक्रमों के मूल्यांकन एवं अनुश्रवण के लिए, सीएम डैशबोर्ड द्वारा जारी की गई माह जून की रैंकिंग पुस्तिका के संबंध में जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता व सीडीओ चंद्रशेखर शुक्ला की उपस्थिति में सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से प्राप्त विभिन्न विकास कार्यों, योजनाओं की प्रगति की रैंकिंग व ग्रेडिंग के अनुसार विभागवार समीक्षा करते हुए कहा कि विकास कार्यों में किसी तरह की शिथिलता न बरती जाए। जिन विभागों की रैंकिंग खराब है उनके द्वारा विभागीय कार्यों की प्रगति में तेजी लाकर रैंकिंग में सुधार किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि गलत डाटा फीड करने के कारण जनपद की रैंक प्रभावित होगी तो संबंधित विभागीय अधिकारी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि आइजीआरएस शिकायतों को सभी संबंधित विभागों द्वारा गंभीरता से लिया जाए, तथा इनका निस्तारण गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध रूप से किया जाय। बैठक में डिप्टी कलेक्टर कुंदेलीन शर्मा, डीआईओएस एमके गुप्ता, डीपीआरओ जितेंद्र कुमार मिश्रा, उपनिदेशक कृषि डॉ.प्रमोद कुमार, जिला खाद्य विपणन अधिकारी घनश्याम वर्मा, एलडीएम संगम लाल वर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

चार दिन बाद भी कारीगर के हत्यारों का सुराग नहीं

फालोअप

संवाददाता, सुमेरपुर

- पिछले शुक्रवार को सिर कूचकर की गई थी जूती कारीगर की हत्या

अमृत विचार। 11 जुलाई को कस्बे की इमिलिया बाड़ा मोहल्ले में जूती कारीगर की सिर कूचकर की गई हत्या का खुलासा अभी तक नहीं होने पर लोगों में दहशत है। मोहल्ले में दस दिन के अंदर दो जूती कारीगर मौत हो चुकी हैं। जूती कारीगर की कारीगर की हत्या के खुलासे के लिए, पुलिस की तीन टीम बनी हुई है। फिर भी पुलिस के हाथ खाली है।

कस्बे का इमिलिया बाड़ा मोहल्ला दलित बाहुल्य मोहल्ला है। इसमें कस्बे की मशहूर नागरा जूती बनाने वाले कई कारीगर रहते हैं। कई घरों में जूती बनाने का कार्य बड़े पैमाने पर होता है। यहां का निवासी रामबिहारी भी घर में जूती बनाने का कार्य करता था। उसने कारीगर भी लगा रखे थे। इसका परिवार दिल्ली में रहकर मजदूरी करता था। गत 11 जुलाई की इसकी सिर कूचकर हत्या करके शव पड़ोसी के चबूतरे के सामने फेंक दिया गया था। दिल्ली से लौटे पुत्र ने अज्ञात पर रिपोर्ट लिखाई थी। चार दिन गुजर जाने के बाद पुलिस के हाथ खाली है। खुलासा के लिए गठित पुलिस की तीन टीमें हत्यारोपी का सुराग नहीं लगा पाई।

पर्यटकों के लिए खुलेगा मंगलगढ़ किला

कार्यालय संवाददाता, महोबा

मंगलगढ़ किले का निरीक्षण करते अधिकारी और एमएलसी। अमृत विचार

अमृत विचार। विधान परिषद सदस्य जितेंद्र सिंह सेंगर, चरखारी एसडीएम डॉ. प्रदीप कुमार और पुरातत्व विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी राजीव त्रिवेदी ने बुंदेलखंड क्षेत्र के ऐतिहासिक पर्यटन स्थल मंगलगढ़ किले का निरीक्षण किया। यह किला 400 फीट ऊंचाई के साथ कई हेक्टेयर में फैला है। प्राकृतिक सौन्दर्य से भरपूर किले के अंदर सात बड़े सरोवर, मंदिर, रियासत कालीन तोपे एवं विहंगम दृश्य लोगों के लिए आकर्षक का केन्द्र है।

किले में पिछले 30 वर्षों से आवागमन बंद है। एमएलसी ने वहां पर साफ-सफाई और अन्य व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए आवश्यक निर्देश दिए, जिससे किले की सुंदरता बढेगी। जल्द ही इस किले को पर्यटकों के लिए खोल दिया जाएगा। लोग परिवार सहित किला घूमने आएंगे, उन्हें कोई परेशानी न हो, इसके लिए सुरक्षा एवं अन्य पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

- किले में सात बड़े सरोवर और मंदिर के साथ रियासतकालीन तोपे एवं विहंगम दृश्य

पुरातत्व विभाग के अधिकारी ने बताया कि मंगलगढ़ किला खुलने से चरखारी का विकास तेजी से होगा। साथ ही स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर भी मिलेंगे। उनका मानना है कि किला खुलने के बाद देशी-विदेशी पर्यटकों की आवाजाही बढ़ेगी। इससे जहां चरखारी क्षेत्र में चहल-पहल बढ़ेगी, वहीं टेंपों, ऑटो और ई-रिक्शा चालकों को रोजगार मिलेगा।

मंदिर का ताला तोड़कर रुपये और त्रिशूल चोरी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

मंदिर परिसर में विरोध जताते ग्रामीण।

अमृत विचार। महोबकंठ थाना क्षेत्र के धवार गांव स्थित प्रसिद्ध सिद्ध बाबा मंदिर का ताला तोड़कर चोरों ने दानपेटी तोड़ डाली और हजारों रुपये समेटकर भाग निकले। इतना ही नहीं, भगवान शंकर भोले का त्रिशूल भी ले गए। चोरी की घटना से नाराज ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर विरोध जताया, बाद में थाने में चोरी की तहरीर दी। पुलिस घटना की जांच-पड़ताल करने में जुट गई है।

मंदिर के पुजारी मेवाराम सैन ने बताया कि वह प्रतिदिन की तरह रात में मंदिर की कुटी में सोने के लिए चले गए थे। रात के समय कुछ अज्ञात लोग कुटी का दरवाजा खटखटाते हुए बोले, दरवाजा खोलो। पुजारी को संदेह हुआ और डर की वजह से उन्होंने दरवाजा नहीं खोला। सुबह जब वह बाहर आए, तो देखा कि मंदिर की दानपेटी टूटी हुई थी और उससे दान के हजारों रुपये गायब थे। पुजारी ने दानपेटी से हजारों रुपये की चोरी होने कर सूचना ग्रामीणों को दी। चोरी की सूचना मिलने पर धीरे-धीरे ग्रामीण एकुजट हो गए और पुजारी के साथ महोबकंठ थाने पहुंचे, जहां पर तहरीर देकर घटना का खुलासा किए जाने की मांग की है।

सार-संक्षेप

कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक करतीं डीएम गजल भारद्वाज। अमृत विचार

योजनाओं की सभी दिक्कतें दूर करने के निर्देश

महोबा। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में जिला बाल संरक्षण इकाई, वन स्टॉप सेन्टर, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, चाइल्ड हेल्पलाइन, रानी लक्ष्मीबाई महिला बाल सम्मान कोष योजना की समीक्षा की गई। जिलाधिकरी ने उपरोक्त योजनाओं की समीक्षा करते हुए विभागीय योजनाओं के कियावन्यन, संचालन में आ रही कठिनाइयों के निवारण के लिए उपस्थित सभी अधिकारियों को निर्देश दिये, एवं लम्बित प्रकरणों के शीघ्र ही निस्तारण के लिए निर्देशित किया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला अभियोजन अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, जिला विद्यालय निरीक्षक, जिला कीडा अधिकारी, बाल विकास परियोजना अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, जिला बाल संरक्षण इकाई, वन स्टाप सेन्टर, चाइल्ड हेल्पलाइन आदि अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंगलवार को डीएम से मजदूरी मांगने कलेक्ट्रेट पहुंचे मजदूर। अमृत विचार

हर घर नल योजना में काम के बाद नहीं मिली मजदूरी

चरखारी। कस्बे में हर घर जल योजना में ठेकेदार द्वारा काम कराने के बाद भी मजदूर की मजदूरी न दिए जाने से नाराज मजदूरों ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र सौंपा और मजदूरी दिलाए जाने की मांग की। मजदूर रोहित, रामकिशोर, रामायोग, राममित्र, धनीराम सहित दो दर्जन से ज्यादा मजदूरों ने मंगलवार को जिलाधिकारी को दिए गए प्रार्थना पत्र में बताया कि हर घर जल योजना के तहत कस्बा चरखारी में खुदाई करके कई मुहल्लों में पाइप लाइन बिछाई गई। ठेकेदार द्वारा मजदूरों को खानपान के लिए प्रति दिन आधा अधूरा पैसा देता रहा, काम पूरा होने के बाद हिसाब किए जाने की बात कही थी। शिकायती पत्र में बताया मिक पाइप लाइन बिछाने का पूरा काम हो जाने पर अब ठेकेदार मजदूरी देने के लिए टाल मटोल नीति अपना रहा है। फोन करने पर ठेकेदार फोन भी नही रिसीव करता है। और कभी कभार फोन उठ जाने पर मजदूरी मांगने पर अभद्रता करता है। मजदूरों ने ठेकेदार से मजदूरी का पैसा दिलाए जाने की मांग की है।

छात्र–छात्राओं को योगाभ्यास कराते योगाचार्य। अमृत विचार

छात्र-छात्राओं को कराया गया योगाभ्यास

महोबा। प्राथमिक विद्यालय चांदो में छात्र–छात्राओं को यौगिक क्रियाओं से अवगत कराए जाने को लेकर मंगलवार को एक दिवसीय योग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के माध्यम से योग वेलनेस सेंटर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय महोबा के योग प्रशिक्षकों द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए योगाभ्यास कराया गया, साथ ही योग से मिलने वाले लाभ के प्रति जागरूक किया गया। प्राथमिक विद्यालय चांदो में आयोजित एक दिवसीय योग शिविर का शुभारंभ प्रार्थना से किया गया। इसके बाद योग प्रशिक्षक सचिन गुप्ता एवं योग सहायक गिरीश कुमारी द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार की यौगिक क्रियाओं से अवगत कराया गया। शिविर में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रशिक्षक द्वारा प्राणायाम ताड़ासन, ताड़ासन, वृक्षासन, अर्धचक्रासन, त्रिकोणासन, पादहस्तासन, मेरूवक्रासन, नौका संचालन, रज्जुकर्षण, चक्की चालन, शशांकासन, मंडूकासन, उष्ट्रासन, भुजंगासन, बालासन, मकरासन आदि आसनों के अलावा कपालभाति, प्राणायाम, अनुलोम विलोम प्राणायाम, शीतली प्राणायाम, भ्रामरी प्राणायाम आदि आसनों का योगाभ्यास कराया। योगाचार्य सचिन गुप्ता ने कहा कि योग से व्यक्ति का शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास होता है। इसलिए सभी को योग को अपनी दिनचर्या में जरूर शामिल करना चाहिए। योग के कई लाभ हैं, जिनमें शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार शामिल है। योग मांसपेशियों और जोड़ों को मजबूत और लचीला बनाता है, तनाव और चिंता को भी कम करता है साथ ही नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है। इसके अतिरिक्त, योग पाचन में सुधार, हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और वजन कम करने में भी योगाभ्यास सहायक है। योग शिविर में प्रधानाध्यापिका प्रार्थना गुप्ता के साथ शिक्षिकाएं सरोज कुमारी, वीना सोनी, सरिता सक्सेना एवं छाया राजपूत सहित स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

प्रदूषित पानी की आपूर्ति, लोगों में गुस्सा

लगातार बारिश के चलते उर्मिल बांध का पानी हुआ मटमैला, पीना तो दूर बर्तन भी धुलने के लायक नहीं

कार्यालय संवाददाता, महोबा

उर्मिल बांध में भरा मटमैला पानी। अमृत विचार

बर्तनों में भरा गंदा पानी। अमृत विचार

अमृत विचार। इस साल लगातार हो रही झमाझम बारिश के चलते सूखे पड़े तालाब और बांध उपनाने लगे है। इतना ही नही प्रतिदिन बारिश के होने से बांध और तालाब का पानी बंधान की मिट्टी बहकर जाने से पानी मिट्टीयुक्त हो गया है। इसी प्रदूषित पानी की शहर में आपूर्ति की जा रही है। जिससे लोग बांध का पानी न पीकर हैंडपंपो से पानी भरने को मजबूर है। प्रदूषित पानी की आपूर्ति से शहर में संक्रामक बीमारियों का खतरा पैदा हो गया है।

पूर्व विधायक अरिमर्दन सिंह और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता डिब्बों और बाल्टियों मे गंदा पानी लेकर कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन भी कर चुके हैं, इसके बाद भी जल निगम स्वच्छ पानी की आपूर्ति नहीं कर पा रहा है। जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर उर्मिल बांध से श्रीनगर, सिजहरी गांव के अलावा शहर में भी पानी की आपूर्ति की जाती है, लेकिन इस साल बांध का पानी पूरी तरह मिट्टीयुक्त और मटमैला हो गया है।

इस पानी को पीना तो दूर लोग नहाने और बर्तन साफ करने तक में इसका इस्तेमाल नहीं कर रहे है। प्रदूषित पानी की आपूर्ति होने से लोगों में खासा गुस्सा दिखाई दे रहा है। मंगलवार को पूर्व विधायक अरिमर्दन सिंह ने भी अधिकारियों को मटमैले पानी की होने वाली आपूर्ति के स्थान पर स्वच्छ पानी की आपूर्ति कराए जाने की मांग की है।

गौरतलब है कि शहरियों को स्वच्छ पानी की आपूर्ति करने के लिए श्रीनगर में करोड़ों रुपये की लागत से फिल्टर प्लांट तैयार किया गया। फिल्टर प्लांट से उर्मिल बांध तक पाइप लाइन बिछाई गई। उर्मिल से पानी आने के बाद श्रीनगर में फिल्टर प्लांट के जरिये पानी को फिल्टर करने के बाद पाइप लाइन के जरिये श्रीनगर, सिजहरी महोबा शहर में पानी की आपूर्ति की जाती है, लेकिन इस साल पानी को फिल्टर करने के बाद भी नलों में गंदा पानी आ रहा है।

- 30 किमी दूर उर्मिल बांध से शहर में होती जलापूर्ति
- कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन के बाद भी जल निगम लापरवाह

एक्सईएन की सलाह, पानी भरने के बाद डालें फिटकरी

जल निगम के अधिशासी अभियंता का कहना है कि प्रतिदिन हो रही बारिश के चलते बांध के किनारों की मिट्टी बहकर बांध में पहुंच रही है, जिससे बांध का पानी मटमैला हो गया है। बांध के पानी को श्रीनगर में पानी को फिल्टर भी किया जा रहा है, लेकिन बांध में मिट्टी अधिक जाने से पानी अधिक मटमैला हो गया है, जिससे फिल्टर प्लांट भी पानी को साफ नहीं कर पा रहा है। उन्होने सलाह दी है कि बांध से पाइप लाइन के जरिए घरों में आने वाले पानी को बर्तनों में भरने के बाद उनमें फिटकरी डाल दी जाए, जिससे पानी साफ हो जाएगा। बांध का भी पानी एक सप्ताह बाद कुछ साफ होने पर प्लांट में फिल्टर कर भेजा जाएगा।

पुत्री को बहलाकर ले जाने की तहरीर पुलिस जांच में जुटी

बिवांर। जनपद छतरपुर थाना गौरिहार के खड्डी गांव के 19 वर्षीय युवती के पिता ने थाना में तहरीर देते हुए बताया कि सपरिवार घाटमपुर के ईंट भट्ठा में रहकर मजदूरी का कार्य करते है।

ईंट भट्ठा में बिवांर क्षेत्र के छानी खुर्द गांव के दो सगे भाई अभिषेक व अतुल मजदूरी करते थे। एक साथ मजदूरी करने पर दोनों भाइयों ने पुत्री को प्रेम जाल में फंसा लिया। परिवार के भट्ठा से वापस घर आने पर दोनों भाई आकर उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले गए है। दोनों भाई उसकी पुत्री को अपने घर में रखे हुए हैं। रिश्तेदार पड़ोसियों के साथ पिता के दोनों भाइयों के घर में जाने पर पुत्री से मुलाकात न कराकर कमरे के अंदर कैद किए हैं। पिता ने दोनों भाइयों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार ने बताया कि युवती के पिता की तहरीर मिली है जांच का कार्य कर दोनों भाइयों खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी युवती को बरामद किया जाएगा।

कानपुर-खजुराहो पैसेंजर ट्रेन दो दिन निरस्त रहेगी

कार्यालय संवाददाता, महोबा

अमृत विचार। खजुराहो-कानपुर रेल लाइन पर दौड़ने वाली खजुराहो-कानुपर पैसेंजर ट्रेन 18 और 19 जुलाई को नहीं चलेगी। खैरार और भीमसेन रेलवे ट्रैक पर रागौल व अकौना रेलवे स्टेशन के बीच नॉन इंटरलॉकिंग का कार्य किया जाएगा।

खजुराहो से चलकर महोबा होते हुए कानपुर जाने वाली एकलौती पैसेंजर ट्रेन है। इस ट्रेन में महोबा और बांदा जनपद के व्यापारियों के साथ आम लोगों को भी कानपुर जाने में सुविधा मिलती है। खजुराहो से कानपुर जाने वाली एकलौती ट्रेन सुबह पांच बजे महोबा से कानपुर के लिए रवाना होती है और कानपुर से करीब 4:30 बजे वापस महोबा, खजुराहो के लिए चलती है। इस समय भीमसेन-खैरार ट्रैक के दोहरीकरण का काम चल रहा है।

- 18 और 19 जुलाई को होगा नॉन इंटरलॉकिंग का काम

ट्रैक पर दोहरीकरण में उत्तर मध्य रेलवे झांसी मंडल रागौल व अकौना स्टेशन के बीच ट्रैक पर नॉन इंटरलॉकिंग का काम कराएगा। इससे यह ट्रेन दो दिन तक निरस्त रहेगी। रेलवे झांसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी मनोज कुमार सिंह का कहना है कि खजुराहो-कानपुर पैसेंजर ट्रेन 18 और 19 जुलाई तक नहीं चलेगी।

महापुरुषों के पोस्टर कबाड़ में फेंके गए

संवाददाता, जैतपुर

कबाड़ में पड़े महापुरुषों के पोस्टर। अमृत विचार

अमृत विचार। विकास खंड की ग्राम पंचायत बडेराखुर्द में सचिव व ग्राम प्रधान की मनमानी और उदासीनता के चलते सचिवालय में महापुरुषों के पोस्टर कबाड़ में फेंककर अपमान किया गया। साथ ही वहां का फर्नीचर टूटा पड़ा मिला और सीसीटीवी कैमरे भी गायब मिले, जिससे ग्रामीणों और समाजसेवियों में खासा आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों ने ब्लाक प्रमुख से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग उठाई, जिस पर ब्लाक प्रमुख ने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

ग्राम पंचायत बडेराखुर्द के आनंदपुर निवासी रमेश, माधव, राकेश कुमार आदि ने बताया कि आवश्यक कार्य के लिए सचिवालय गए थे जहां पर उन्होंने देखा कि महात्मा गांधी, डॉक्टर भीमराव आंबेडकर, डॉ अब्दुल कलाम, झांसी की रानी जैसे अन्य महापुरूषों के फटे हुए पोस्टर कबाड़ में पड़े हुए थे और कुछ पोस्टर वहां मौजूद मेज पर बिछे हुए मिले थे। जब इस संबन्ध में वहां मौजूद कर्मचारियों से पूछा तो उन्हें कोई जवाब नहीं दिया। बताया कि महापुरूषों ने हमारे देश के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया और उनके जाने के बाद उनके पोस्टरों को कबाड़ समझकर फेंक दिया। ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत बडेराखुर्द आनंदपुरा का कार्यालय का फर्नीचर टूटा हुआ, जिससे यहां आने वालों को बैठने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं मिल रही है। इतना ही नहीं यहां पर लगे सीसीटीवी कैमरों को प्रधान पुत्र ने अपने घर पर लगा लिए, जिससे यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर भी खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों ने बताया कि इसकी शिकायत जिला पंचायत राज अधिकारी सीके वर्मा से की गई साथ ही महापुरूषों की तस्वीरों का किया जा रहे अपमान की वीडियों भी भेजा गया था। इसके अलावा इस संबन्ध में ब्लाक प्रमुख संदीप राजपूत को भी अवगत कराया गया था, जिस पर उन्होंने अधिकारियों से वार्ता कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

- ग्रामीणों की शिकायत पर जैतपुर ब्लाक प्रमुख ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

तैयारियों पर चर्चा — उत्तर भारत के मशहूर कजली मेले को नया स्वरूप देने के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई बैठक

अब ई–लॉटरी से कजली मेला परिसर में मिलेंगी दुकानें

कार्यालय संवाददाता, महोबा

मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक के दौरान दिशा–निर्देश देतीं डीएम गजल भारद्वाज। अमृत विचार

अमृत विचार। उत्तर भारत का मशहूर कजली मेले के आयोजन को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी गजल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक हुई। जिले में 10 अगस्त से शुरू होने वाला ऐतिहासिक कजली मेला का 17 अगस्त तक चलेगा। इस ऐतिहासिक कजली मेले को नया स्वरूप देने के लिए जिलाधिकारी ने साहित्यकारों, व्यापारियों, समाजसेवियों और नागरिकों से सुझाव लिया।

बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि जिले की सांस्कृतिक विरासत एवं ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि को संरक्षित रखने तथा जनपद वासियों को इसके संबंध में पूर्ण जानकारी दिलाए जाने के बावत तथा परंपरागत कजली महोत्सव के अंतर्गत इस कजली मेला का आयोजन किया जाएगा। एक सप्ताह तक चलने वाले मशरहूर कजली मेले में जिले के अलावा बाहरी दुकानदारों झूला संचालकों व कलाकारों को भी आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनपद में आल्हा ऊदल की ऐतिहासिक कर्मभूमि एवं अनेकों ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर हैं जिनके बारे में लोगों को जानकारी दिलाए जाने के लिए कजली महोत्सव कार्यक्रम में प्रतिदिन किसी न किसी रूप से कार्यक्रम आयोजित कर लोगों को इसके बारे में जानकारी देते हुए जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही कजरी महोत्सव में अन्य सांस्कृतिक दलों व विभिन्न विद्यालयों के छात्र.छात्राओं के कार्यक्रम तथा अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन गुणवत्तायुक्त एवं सुंदर तरीके से कराया जाएगा, ताकि लोगों को स्वच्छ एवं बेहतर मनोरंजन के साथ ही उनके ज्ञान में जनपद की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संबंध में वृद्धि हो सके।

उन्होंने कजली महोत्सव समिति के सदस्यों को कजली महोत्सव के आयोजन के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने तथा आयोजित कराए जाने वाले कार्यक्रमों की प्रतिदिन के अनुसार कार्यक्रमों का विवरण एवं सूची बनाते हुए प्रस्तुत करने के निर्देश दिए, जिससे कि इन कार्यक्रमों को अंतिम रूप दिया जा सके। उन्होंने समिति के सदस्यों एवं गणमान्य लोगों से 15 दिन में कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में सुझाव भी प्रस्तुत करने की अपेक्षा व्यक्त की है। जिलाधिकारी ने अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका महोबा को निर्देशित करते हुए कहा कि वाहन पार्किंग के लिए ठेका वसूली की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए।

उन्होंने कहा कि रूट डाइवर्जन की तैयारी पहले से की जाए और विकास प्रदर्शनी के माध्यम से लोगों को शासन द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया जाए तथा महोबा जनपद की धरोहरों के बारे में भी लोगों को बताया जाए। उन्होंने कहा कि दुकानें आवंटित करने के लिए ई. लॉटरी व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त, राजस्व राम प्रकाश, अपर पुलिस अधीक्षक वंदना सिंह अपर जिलाधिकारी नमामि गंगे मोईनुल इस्लाम, अपर जिलाधिकारी न्यायिक सुखबीर सिंह, मुख्य विकास अधिकारी बलराम कुमार, मुख्य चिकित्सकारी डॉ आशाराम, समाजसेवी दाऊ तिवारी सहित कजली महोत्सव के आयोजन समिति के सदस्य तथा जिला स्तरीय अधिकारी एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जमीनी स्तर पर मजबूत होगी कांग्रेस

कार्यालय संवाददाता, महोबा

बैठक में बोलते कांग्रेस जिलाध्यक्ष। अमृत विचार

अमृत विचार। पनवाड़ी में कांग्रेस कमेटी की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष हरिश्चंद्र राजपूत ने की। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महासचिव अनुज मिश्रा ने संगठन सृजन अभियान को लेकर रणनीति बनाई और आगामी पंचायत व विधानसभा चुनावों के लिए कार्यकर्ताओं से तैयार रहने का आह्वान किया।

बैठक में प्रदेश महासचिव अनुज मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर प्रदेश भर में संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक जिले और ब्लॉक स्तर पर सक्रिय कार्यकर्ताओं को जोड़कर पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सभी वर्गों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए ब्लॉक स्तरीय कमेटियों का गठन जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। प्रदेश महासचिव ने संगठन विस्तार में महिलाओं की सहभागिता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने आह्वान किया कि राहुल गांधी के नेतृत्व में अभियान को जन-जन तक पहुंचाएं और पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों से आम जनता को अवगत कराएं।

बैठक में वक्ताओं ने कांग्रेस सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि मनरेगा, रोजगार गारंटी, मिड-डे मील, शिक्षा का अधिकार कानून जैसी योजनाएं कांग्रेस की ही देन हैं, जिनसे देश के गरीब, दलित, पिछड़े और मजदूर वर्ग को सीधा लाभ मिला। उन्होंने भाजपा सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि वर्तमान शासन में विद्यालयों को मर्ज किया जा रहा है, जिससे ग्रामीण बच्चों की शिक्षा पर सीधा असर पड़ेगा।

कंग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष धुरिया ने कहा कि ष्छोटे.छोटे बच्चों को अब दो से ढाई किलोमीटर दूर स्कूल जाना पड़ेगा, व्यवहारिक नहीं है। इससे दलित, पिछड़ा, ओबीसी, गरीब और सवर्ण समुदाय के बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होगी। भाजपा सरकार शिक्षा विरोधी फैसले ले रही है, जिसका कांग्रेस मजबूती से विरोध करेगी। बैठक में जिला महासचिव अरविंद कुमार चतुर्वेदी, जिला महासचिव वृंदावन कुशवाहा, जिला प्रवक्ता महेंद्र प्रताप, महासचिव शैलेंद्र कुमार विश्वकर्मा, जिला सचिव अरविंद कुमार श्रीवास, अशोक कुमार, ब्लॉक कोषाध्यक्ष रविंद्र कुमार आदि कांग्रेसी मौजूद रहे।

भवन ध्वस्त, पेड़ों के नीचे बैठकर पढ़ाई कर रहे बच्चे

हरी नारायण पांडेय, रामनगर चित्रकूट

मटियारा का प्राथमिक विद्यालय, जहां परिसर में पड़ा है मलबा। अमृत विचार

पेड़ के नीचे बैठकर पढ़ रहे बच्चे। अमृत विचार

अमृत विचार। यह बात अगर सही है कि कम छात्रों वाले परिषदीय विद्यालयों को दूसरे विद्यालयों में युग्मित करा दिया जाए, तो उन स्कूलों के बारे में क्या कहा जाएगा, जहां छात्र संख्या पर्याप्त होने के बाद भी व्यवस्थाएं, सुविधाएं नहीं हैं। आकांक्षी ब्लाक रामनगर की ग्राम पंचायत ढढवार के मजरा मटियारा के प्राथमिक विद्यालय की हालत तो यही विरोधाभास बयान कर रही है। यहां लगभग चार साल से पेड़ों के नीचे बैठकर बच्चे अपना भविष्य संवार रहे हैं। जगह की कमी की वजह से तेज धूप और बारिश के मौसम में बच्चों की छुट्टी कर दी जाती है।

प्राथमिक विद्यालय मटियारा का निर्माण वर्ष 2002-03 में हुआ था, जो वर्ष 2018-19 तक जर्जर स्थिति में आ गया। ग्रामीण बताते हैं कि इसके बाद कोविड का दौर रहा। कोविड काल से देश उबरा और विद्यालय खुले तब 12 दिसंबर 2021 को तत्कालीन बीईओ मिथलेश कुमार ने इस विद्यालय का

- मटियारा के प्राथमिक विद्यालय का हाल भंडारगृह में चल रहा है ऑफिस

औचक निरीक्षण किया। विद्यालय भवन की हालत देखकर उन्होंने कक्षों में शिक्षण कार्य तत्काल बंद कराया और इस भवन पर ताला लगवा दिया। इसके बाद 2022-23 में यह विद्यालय ध्वस्तीकरण स्कूलों की सूची में आ गया। बताते हैं कि नीलामी लागत ज्यादा होने से कोई भी सामने नहीं आया। 2024 में प्रशासन ने ग्राम पंचायत को भवन ध्वस्तीकरण कराने के निर्देश दिए। शिक्षक और ग्रामीण बताते हैं कि नवंबर-दिसम्बर 2024 में इस विद्यालय के जर्जर भवन का ध्वस्तीकरण करा दिया गया। इसका मलबा अभी भी विद्यालय परिसर में बना है। एक कमरे सहित कुछ हिस्से को ठीकठाक होने की वजह से छोड़ दिया गया था।

एक कमरा, एक किचन और स्टोर रूम में कार्यालय के सहारे चलता स्कूल।

लगातार दी जा रही सूचना

- शिक्षकों ने बताया कि भवन की समस्या विद्यालय स्तर से जाने वाली मासिक सूचना से बताई जा रही है पर विभाग द्वारा सुना नहीं जा रहा। बारिश का मौसम हो या फिर तेज धूप मासूम पेड़ों तले बैठकर अपना भविष्य संवारने को विवश हैं।

स्टोर रूम में कार्यालय

- शिक्षक बताते हैं कि वर्तमान में यहां एकल कक्ष, किचन एवं एक स्टोर रूम है। इसमें स्टोर रूम को विद्यालय का कार्यालय बना दिया गया है और उसी के बाहर बने छोटे बरामदे में कक्षा एक से तीन तक के बच्चों को बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। बाकी कक्षाएं बाहर पेड़ों के नीचे लग रही हैं।

पढ़ने के लिए नियमित आते हैं बच्चे

विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक शिवाकांत पांडेय ने बताया कि इस स्कूल में नामांकित छात्र संख्या 101 है। बताया कि आठ जुलाई को बीईओ एनपी सिंह ने यहां मुआयना भी किया था। यहां पर भवन की दिक्कत के बाद भी बच्चों की संख्या लगभग शत प्रतिशत रहती है। उनके अतिरिक्त दो सहायक शिक्षक, दो शिक्षामित्र समेत कुल पांच शिक्षकों की तैनाती है।

पाइप लाइन भी नहीं पहुंची

इंचार्ज प्रधानाध्यापक ने बताया कि यहां नमामि गंगे योजना के तहत पाइप लाइन स्कूल तक तो आई पर आज तक पानी नहीं आया। जब कार्यदायी संस्था के कर्मचारियों से पानी नहीं आने की मौखिक शिकायत की तो वे विद्यालय बंद होने के बाद चुपके से टोंटी भी उखाड़ कर ले गए। बताया कि फिलहाल विद्यालय में सबमर्सिबल पंप लगा है। उससे बच्चे पानी पीते हैं। बिजली न होने पर दिक्कत जरूर होती है।

एसडीएम सौरभ यादव से मिलकर समस्याएं बताते ग्रामीण। अमृत विचार

एसडीएम को बताईं रामपुर के मजरे बेलरी की दिक्कतें

संवाददाता, मऊ चित्रकूट

अमृत विचार। आभास महासंघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार भास्कर की अगुवाई में ग्रामीणों ने उप जिलाधिकारी सौरभ यादव से मिलकर ग्राम पंचायत रामपुर के मजरे बेलरी की समस्याएं बताईं। ग्रामीणों का कहना था कि गांव चारों ओर से जलमग्न है।

घरों के इर्द गिर्द लबालब पानी भरा है। आनेजाने को रास्ता नहीं है। इन्होंने उचित जगह पर रहने के लिए आवासीय पट्टों की मांग की। मानक अनुरूप चैकडैम और रामपुर से बेलरी संपर्क मार्ग रोड आदि की गुहार लगाई। इस मौके पर बेलरी प्रधान रामकेश यादव, वीरेंद्र कुमार भास्कर, कमलेश, नारायण सिंह, लालमन, प्रकाश बुद्दी प्रजापति, राजाराम गोविंद, चुनकावन, छोटेलाल, मुन्ना, सुनील, ऊमा, सीमा, श्यामता, हीरामणि, शिवपतिया, गुड़िया आदि मौजूद रहीं।

5 हजार रिश्वत लेते धरा गया सब इंस्पेक्टर

बांदा की एंटी करप्शन टीम ने रामनगर चौराहे से पकड़ा

कार्यालय, चित्रकूट

अमृत विचार। चोरी के मामले में जेल न भेजने के एवज में ग्रामीण से पांच हजार रिश्वत मांगने के आरोप में रैपुरा थाने के उप निरीक्षक शिवसागर दुबे को एंटी करप्शन टीम ने धर लिया। आरोपी को लखनऊ ले जाया गया है, जहां उसे कोर्ट में पेश किया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक, रामनगर ब्लाक अंतर्गत बसिंघा थाना रैपुरा निवासी शत्रुघ्न सिंह पुत्र उदयबीर सिंह ने इस संबंध में एंटी करप्शन विभाग को सूचना दी थी। उसने बताया था कि रैपुरा थाने के एसआई शिवसागर दुबे उसे थाना रैपुरा में दर्ज चोरी के एक मामले में जेल न भेजने के एवज में पांच हजार रुपये मांग रहे हैं। इस पर एंटी करप्शन थाना बांदा के निरीक्षक श्याम बाबू की अगुवाई में चालक समेत छह सदस्यीय टीम मंगलवार को यहां पहुंची। टीम ने एसआई शिवसागर दुबे पुत्र स्व. परमानंद दुबे निवासी ग्राम कोछिया पोस्ट पूरे गड़रिया थाना सुरियावां जिला भदोही को मंगलवार अपराह्न लगभग दो बजे रामनगर चौराहे से रंगे हाथ गिरफ्तार किया। टीम इसे लेकर कोतवाली कर्वी पहुंची, जहां रिपोर्ट दर्ज कराई गई। बताया जाता है कि आरोपी एसआई पुलिसकर्मी के रूप में भर्ती हुआ था और फिर दीवान के बाद सब इंस्पेक्टर की पोस्ट तक पहुंचा था।

बताया गया कि आरोपी को लखनऊ में एंटी करप्शन कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा।

आजमगढ़ पुलिस की गिरफ्त में आरोपी पंकज यादव। अमृत विचार

आरोपी एसआई शिवसागर दुबे।

- लखनऊ में एंटी करप्शन कोर्ट के समक्ष पेश किया जाएगा

अधिकारी बनकर प्रधानों से ठगी करने वाला गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। खुद को सूचना आयोग का अधिकारी बताकर ग्राम प्रधानों से ठगी करने के आरोपी को आजमगढ़ की साइबर क्राइम टीम ने चित्रकूट से गिरफ्तार किया।

बाराबंकी जनपद के असंद्रा थाना क्षेत्र के नाथूपुर सूरजपुर 35 रामसनेही घाट का निवासी आरोपी पंकज यादव खुद को राजभवन सचिवालय का अधिकारी हर्षवर्धन सिंह राठौर (आईएएस) बताकर प्रदेश के प्रधानों को ठगता था। आरोप है कि उसने अब तक लाखों रुपये की ठगी की है। यहां पहुंची पुलिस ने चित्रकूट से उसे गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल और 3200 रुपये बरामद किए गए हैं। आजमगढ़ के अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि यह कार्रवाई 13 जुलाई को की गई। आरोपी के विरुद्ध साइबर थाना आजमगढ़ में पहले से ही रिपोर्ट दर्ज थी। आरोपी ने बताया है कि वह प्रधानों और पूर्व प्रधानों की जानकारी एकत्र करता था। वह खुद को सूचना आयोग या राजभवन सचिवालय का अधिकारी बताकर प्रधानों को फोन करता और जांच का डर दिखाकर उनसे पैसे वसूलता था। वह अपने बताए खातों में रकम ट्रांसफर करवा लेता था। 2024 में उसने आजमगढ़ जिले के गोछा गांव के प्रधानपति को ठगा था। बताते हैं उसने खुद को राजभवन का सचिव बताकर 8,26,995 रुपये ठगे थे। बताया जाता है कि उसने खुद की मौत की खबर भी फैला दी थी। हालांकि साइबर टीम ने उसे चित्रकूट से दबोच लिया। हालांकि इस संबंध में किसी भी जानकारी से जिले के पुलिस अधिकारियों ने इंकार किया।

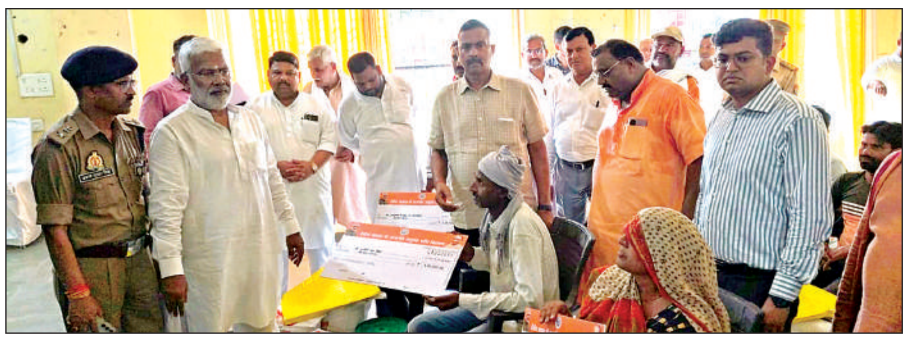

बाढ़ प्रभावित लोगों को ढांढस बंधाते प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह। अमृत विचार

बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के नुकसान का आकलन कर भेजें रिपोर्ट

संवाददाता, सीतापुर (चित्रकूट)

- मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने जिलाधिकारी को दिए निर्देश
- बाढ़ पीड़ितों से मिलकर बंधाया ढांढस, दिया आश्वासन

अमृत विचार। प्रदेश सरकार के जल शक्ति विभाग मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को रामघाट पहुंचकर बाढ़ प्रभावितों को ढांढस बंधाया। उन्होंने हर संभव मदद का आश्वासन दिया। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन को निर्देश दिए कि वह उप जिलाधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में नुकसान का आकलन कर रिपोर्ट शासन को भेजें। मंत्री ने दुकानदारों से दुकान के बीमे के संबंध में भी पूछा। उन्होंने भजन संध्या स्थल पर पहुंचकर आपदा राहत किट दीं। मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सर्वे के बाद दुकानदार, व्यापारी, किसान व मजदूर जो भी प्रभावित हैं, तत्काल राहत दी जाएगी। मुख्यमंत्री का निर्देश है कि जिला प्रशासन द्वारा स्वच्छता ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, दवाओं की उपलब्धता एवं साफ सफाई की व्यवस्था अच्छी रहनी चाहिए। बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में लोगों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। बाद में मंत्री ने भगवान मत्यगजेंद्र नाथ की पूजा की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अशोक जाटव, विधायक मानिकपुर अविनाश चंद्र द्विवेदी, जिलाध्यक्ष कोऑपरेटिव बैंक पंकज अग्रवाल, पालिकाध्यक्ष नरेंद्र गुप्ता आदि मौजूद रहे।

घरों में सौर ऊर्जा पैनल लगवाने के लिए करें प्रेरित

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- मुख्य विकास अधिकारी ने अफसरों को दिए निर्देश
- कहा, सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है

बैठक में विकास कार्यों की समीक्षा करतीं मुख्य विकास अधिकारी अमृत पाल कौर।

अमृत विचार। मुख्य विकास अधिकारी अमृतपाल कौर ने मंगलवार को सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से विकास कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक की। उन्होंने बीएसए बीके शर्मा से कहा कि शिक्षकों को प्रेरित करें कि उनके घरों पर सौर ऊर्जा पैनल लगाया जाए। अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिए कि क्षेत्र में अवर अभियंताओं को भेजकर लोगों को इसके प्रेरित करें। यह सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है।

मुख्य विकास अधिकारी ने विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन विभागों की रैंकिंग कम है, उसको ठीक कराया जाए। शासन स्तर से कोई समस्या है तो उसे भी दूर कराएं कि जनपद की रैंकिंग अच्छी रहे। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक से प्रोजेक्ट अलंकार योजना में प्रगति कराने, जिला कार्यक्रम अधिकारी बाल विकास से पोषण अभियान के तहत जो सैम- मैम बच्चों की फीडिंग पोषण ट्रैकर में कराने को कहा। पेंशन योजना से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित आवेदन पत्रों का तत्काल निस्तारण कराया जाए। जिला विकास अधिकारी सत्यराम यादव को निर्देशित किया कि खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दें कि पंचायत सहायकों के माध्यम से फैमिली आईडी में प्रगति कराएं। बैठक में सीएमओ डा. भूपेश द्विवेदी, डीसी एनआरएलएम ओमप्रकाश मिश्र, डीसी मनरेगा डीएन पांडेय, उप निदेशक कृषि राजकुमार, जिला अग्रणी प्रबंधक इंडियन बैंक आशुतोष शर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी डा. वैभव त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी पीडी विश्वकर्मा, जिला दिव्यांग जन सशक्तिकरण अधिकारी प्रियंका यादव, सहायक निदेशक मत्स्य भानु चंद्रा, जिला उद्यान अधिकारी प्रतिभा पांडेय, जिला प्रोबेशन अधिकारी प्रगति गुप्ता, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी राजदीप वर्मा आदि अधिकारी मौजूद रहे।

बीएसए के निरीक्षण में कई मिले गैरहाजिर, रुकेगा एक दिन का वेतन

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

अमृत विचार। जिला बेसिक शिक्षाधिकारी बीके शर्मा ने कई स्कूलों का औचक निरीक्षण किया। गैरहाजिर पाए जाने पर एक सहायक अध्यापिका, तीन शिक्षामित्र, तीन अनुदेशकों और एक परिचारिका का एक दिन का वेतन-मानदेय रोकने के आदेश दिए। इनसे तीन दिन के अंदर स्पष्टीकरण देने को कहा गया है। बीएसए ने बताया कि प्राथमिक विद्यालय छीबों में सहायक अध्यापिका निशा, शिक्षामित्र पुष्पा देवी गैरहाजिर मिलीं। इस पर दोनों का एक दिन का वेतन-मानदेय रोक दिया गया है। उच्च प्राथमिक विद्यालय छीबो में अनुदेशक महेंद्र कुमार और सुमन स्वर्णकार अनुपस्थित थीं। इन दोनों का भी मानदेय रोकने के आदेश जारी किए गए। प्राथमिक विद्यालय पराको में गैरहाजिर रहने के आरोप में शिक्षामित्र सत्येंद्र कुमार का मानदेय रोका गया। बीएसए ने बताया कि कंपोजिट विद्यालय राजापुर में निरीक्षण के दौरान अनुदेशक संजय पांडेय अनधिकृत रूप से अनुपस्थित मिले। यहां परिचारक प्रेमा देवी कक्षा में आराम करते पाई गई। इस पर अनुदेशक का एक दिन का मानदेय और परिचारक का एक दिन का वेतन रोकने के आदेश दिए गए। बीएसए ने कई अन्य स्कूलों का भी मुआयना किया। बताया कि सभी से अपना स्पष्टीकरण तीन दिन में देने के निर्देश और सभी विद्यालयों में शिक्षा का स्तर सुधारने और छात्र संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए गए।

स्कूल का निरीक्षण करते बीएसए बीके शर्मा। अमृत विचार

- सहायक अध्यापिका, तीन शिक्षामित्र, तीन अनुदेशक व परिचारिका पर हुई कार्रवाई

जुआ खेलने के आरोप में 10 लोग गिरफ्तार किये गये

चित्रकूट। पुलिस ने जुआ खेलने के आरोप में अलग-अगल स्थानों से दस लोगों को पकड़ा। प्रभारी निरीक्षक रैपुरा विनोद कुमार शुक्ला ने दीनदयाल, नंदकिशोर, पुष्पेंद्र सिंह, संजय, महेंद्र सिंह निवासी रैपुरा, खुशीनन निवासी अरवारी को जुआ खेलने के आरोप में गिरफ्तार किया। इनकी मालफड़ से 2500 रुपये और जामा तलाशी से 310 रुपये बरामद किए गए। वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना पहाड़ी मनीष कुमार ने विनोद निवासी ग्राम रेहुटा, मुन्ना धुरिया निवासी नई दुनिया बनकट, सुधीर सिंह निवासी पटेलनगर, सीताराम निवासी लोढ़वारा को पकड़ा। मालफड़ से 1200 रुपये और जामातलाशी से 400 रुपये बरामद किए गए।

तैयारी | उप जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बनाई गई रूपरेखा

दिव्य और भव्य होगा महाकवि तुलसी का जयंती महोत्सव

संवाददाता, राजापुर (चित्रकूट)

उप जिलाधिकारी रामऋषि रमन को ज्ञापन देते समाजसेवी। अमृत विचार

अमृत विचार। संत शिरोमणि गोस्वामी तुलसीदास के जन्म जयंती महोत्सव को भव्यता देने की मंशा से तहसील सभागार में मंगलवार को एक बैठक हुई। इसमें उप जिलाधिकारी राम ऋषि रमन ने लोगों से कहा कि बढ़ चढ़कर हिस्सा लें।

इस दौरान तुलसी सेवा परिवार एवं तुलसी सेवा समिति तथा अन्य सामाजिक संगठनों के लोगों ने अपने विचार रखे। तुलसी सेवा परिवार ने एसडीएम को पांच सूत्रीय ज्ञापन भी दिया। सुनील मिश्रा ने कहा कि ओम नमः शिवाय गौशाला बंसीवट वृंदावन के संत रामदास की अगुवाई में सन् 2013 से प्रतिवर्ष 10 दिवसीय तुलसी जन्म महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें देश भर से संतों का आगमन होता है लेकिन तुलसी जन्मकुटीर जाने वाले रास्ते पर गंदा पानी सड़क के ऊपर से बहने से इनमें रोष पनपता है। मांग की कि यहां नाली बनाई जाए। सफाई के साथ अन्ना गोवंशों को संरक्षित करना आवश्यक है। उप जिलाधिकारी ने कहा कि गोस्वामी तुलसीदास जी ने उस काल में रामचरितमानस की रचना की है जब मुगलों का आतंक चरम पर था। वह भक्ति आंदोलन के महान कवि थे। ऐसे महान संत के जन्म जयंती महोत्सव में कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को समर्पण के साथ शरीक होना चाहिए।

बैठक में अधिशासी अभियंता विद्युत शिव कुमार, प्रभारी चिकित्साधिकारी डा. दिनेश कुमार, राजेंद्र पांडेय, सतीश मिश्रा, अशोक कुमार सोनी, राकेश नामदेव, मंगल पांडेय, शंकर दयाल जायसवाल, पुष्पेंद्र त्रिपाठी एडवोकेट, सौरभ मिश्रा एडवोकेट, मयंक तिवारी, अनिल त्रिपाठी, शिवपूजन गुप्ता, अनिल गुप्ता, छोटा सोनी, रज्जू सोनी, धर्मेंद्र द्विवेदी, जुगराज केशरवानी आदि मौजूद रहे।

पत्नी व उसके प्रेमी को उम्रकैद की सजा

कार्यालय संवाददाता चित्रकूट

- प्रेमी और एक अन्य के साथ मिलकर की थी पति की हत्या एक अन्य को भी उम्रकैद

अमृत विचार। प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतारने में एक महिला को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई। साथ ही प्रेमी और एक अन्य को भी उम्रकैद की सजा हुई है।

सहायक शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार सिंह ने बताया कि सात मार्च 2021 को थाना रैपुरा को सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम कपुरी के बाहर करीब 500 मीटर दूर गांव के रास्ते पर शारदा प्रसाद पुत्र सत्यनाराण निवासी कपुरी की हत्या करने के बाद हत्यारे बाइक छोड़कर भाग गए हैं। शव से कुछ दूरी पर खेत के पास बाइक पाई गई थी। इस मामले में मृतक की पत्नी रानू उर्फ रागिनी की तहरीर पर थाना रैपुरा में अज्ञात पर रिपोर्ट दर्ज हुई थी। विवेचना में बाइक स्वामी पहाड़ी क्षेत्र के नांदी तौरा निवासी कन्हैयालाल व देवेंद्र कुमार का नाम सामने आया। जांच में पता चला कि देवेंद्र कुमार मृतक का परिचित था, जो एक आपराधिक मामले में करीब दो महीने से गिरफ्तारी से बचने के लिए छिपकर उसीके घर में रह रहा था। तभी उसके व मृतक की पत्नी में प्रेम संबंध हो गये थे। इसके बाद वह करीब एक वर्ष जेल में रहा। जमानत पर जेल से छूटा तो वह पुनः रागिनी से बातचीत करने लगा। रागिनी ने देवेंद्र के साथ रहने के लिए पति को मारने की साजिश रची। इसके मुताबिक, देवेंद्र उर्फ शानू ने गांव निवासी कन्हैयालाल को पैसे का लालच देकर अपनी साजिश में सामिल किया। इसके बाद ये लोग रागिनी के घर गए और रात में तीनों ने मिलकर शारदा की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या को सड़क दुर्घटना का रूप देने के लिए शव को सड़क पर फेंकने के लिए जा रहे थे तभी ग्रामीणों को देखकर शव एवं बाइक फेंककर भाग गए थे। पुलिस ने हत्यारोपी पत्नी रागिनी, प्रेमी देवेंद्र कुमार व कन्हैयालाल को गिरफ्तार किया था। बचाव और अभियोजन पक्ष के अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद मंगलवार को अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम अनुराग कुरील ने इस मामले में निर्णय सुनाया। दोषसिद्ध होने पर रानू, देवेंद्र व कन्हैयालाल को उम्रकैद की सजा सुनाई। साथ ही प्रत्येक को 50-50 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

बेरोजगारी दर जून में 5.6 प्रतिशत पर स्थिर

सरकार ने जारी किए सीडब्ल्यूएस में एकत्रित नवीनतम आंकड़े, महिलाओं के लिए बेरोजगारी दर घटी

नई दिल्ली, एजेंसी

इस साल जून के महीने में देश में बेरोजगारी दर 5.6 प्रतिशत पर स्थिर रही है। मंगलवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने इस साल अप्रैल में पहली बार मासिक आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) जारी किया था। इसके जरिये देश में नौकरियों के लिए पात्र लोगों में बेरोजगार लोगों के अनुपात की वास्तविक समय में निगरानी की कोशिश की गई है।

वर्तमान साप्ताहिक स्थिति (सीडब्ल्यूएस) में एकत्रित नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि मई एवं जून, 2025 के दौरान सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए बेरोजगारी दर 5.6% पर अपरिवर्तित रही, जो इस साल अप्रैल के 5.1% आंकड़े से थोड़ा अधिक है। जून महीने में महिलाओं और पुरुषों के बीच बेरोजगारी दर राष्ट्रीय स्तर पर 5.6% पर अपरिवर्तित रही।

महिलाओं के लिए बेरोजगारी दर पिछले महीने घटकर 5.6% पर गई, जबकि इस साल मई में यह 5.8% थी। वहीं, 15-29 आयु वर्ग के लोगों में बेरोज़गारी दर जून में बढ़कर 15.3% हो गई, जो मई, 2025 में 15% थी। शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर जून में बढ़कर 18.8% हो गई, जो मई में 17.9% थी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आलोच्य महीने में 13.8% थी, जो मई में 13.7% थी।

सीडब्ल्यूएस, सर्वेक्षण की तारीख से पहले के सात दिन में निर्धारित गतिविधियों को दर्शाता है। इस सर्वेक्षण से पता चलता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए बेरोजगारी दर में कमी का कारण मई, 2025 की तुलना में खुद का काम करने वाले श्रमिकों की हिस्सेदारी में वृद्धि और बेरोजगार व्यक्तियों की संख्या में कमी है। सर्वेक्षण के मुताबिक, 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में बेरोजगारी दर भी पिछले महीने बढ़कर 17.4% हो गई, जबकि मई में यह 16.3% थी, जिसमें ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्र शामिल हैं। शहरों में बेरोजगारी दर भी मई के 24.4%से बढ़कर जून में 25.8% हो गई और गांवों में मई के 13 से बढ़कर पिछले महीने 13.7% हो गई।

15-29 वर्ष की आयु के पुरुषों बढ़ी बेरोजगारी दर

15-29 वर्ष की आयु के पुरुषों में बेरोज़गारी दर मई के 14 .5 से बढ़कर जून में 14 .7% हो गई। शहरों में यह दर पिछले महीने के 15 .8% की तुलना में जून में बढ़कर 16 .6% हो गई, जबकि गांवों में बेरोजगारी दर जून के 14 से घटकर 13 .8% हो गई। आंकड़ों से पता चला है कि 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में श्रमबल भागीदारी दर (एलएफपीआर) जून, 2025 के दौरान 54 .2% थी, जबकि मई, 2025 के दौरान यह 54 .8% थी। ग्रामीण क्षेत्रों में, 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के व्यक्तियों में एलएफपीआर 56 .1% थी और शहरी क्षेत्रों में उक्त आयु वर्ग में जून, 2025 के दौरान 50 .4% थी। जून, 2025 के दौरान, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के पुरुषों के लिए सीडब्ल्यूएस में एलएफपीआर क्रमशः 78 .1 और 75% था, जो मई, 2025 के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए क्रमशः 78 .3 और 75 .1% था। जून, 2025 में एलएफपीआर और श्रमिक जनसंख्या अनुपात (डब्ल्यूपीआर) में मामूली गिरावट मुख्य रूप से मौसमी कृषि रुझान, भीषण गर्मी और कुछ अवैतनिक सहायकों के घरेलू कामों की ओर रुख करने से प्रभावित थी।

4 दिन बाद शेयर बाजार में लौटी तेजी सेंसेक्स 317, निफ्टी 113 अंक चढ़ा

मुंबई, एजेंसी

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को पिछले चार दिन से जारी गिरावट पर विराम लगा और बीएसई सेंसेक्स 317 अंक चढ़ गया। वहीं एनएसई निफ्टी में 113 अंक की तेजी रही। खुदरा महंगाई दर के छह साल के निचले स्तर पर आने के साथ वाहन और औषधि शेयरों में लिवाली से बाजार में तेजी आई।

बीएसई का सेंसेक्स 317.45 अंक की बढ़त के साथ 82,570.91 अंक पर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी 113.50 अंक की बढ़त के साथ 25,195.80 अंक पर बंद हुआ। इससे पहले, पिछले चार कारोबारी सत्रों में, सेंसेक्स 1,459.05 अंक यानी 1.74% और निफ्टी 440 अंक यानी 1.72% टूटा था। सेंसेक्स की कंपनियों में सन फार्मा, ट्रेंट, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा और बजाज फाइनेंस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। दूसरी तरफ, आईटी सेवा कंपनी एचसीएल टेक का शेयर 3.31% के नुकसान में रहा।

जून तिमाही में कंपनी के एकीकृत शुद्ध लाभ में 9.7% की गिरावट आई है, जिससे इसका शेयर नीचे आया। वहीं, इटर्नल (पूर्व में जोमैटो), टाटा स्टील, कोटक महिंद्रा बैंक और एक्सिस बैंक के शेयर भी नुकसान में रहे।

उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति 2.82%

अच्छे मानसून के कारण सब्जियों सहित खाने का सामान सस्ता होने खुदरा मुद्रास्फीति जून में छह साल के निचले स्तर 2.1 प्रतिशत पर आ गई। यह भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संतोषजनक स्तर (2 से 6%) के करीब है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति मई में 2.82% और जून, 2024 में 5 .08% थी। पिछले साल नवंबर से मुद्रास्फीति में गिरावट आ रही है। बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0 .95% चढ़ा जबकि मिडकैप 0 .83% के लाभ में रहा। बीएसई के 2,576 शेयरों में तेजी रही जबकि 1,479 में गिरावट दर्ज की गयी। दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हांगकांग का हैंगसेंग बढ़त में रहे जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट गिरावट के साथ बंद हुआ।

फर्जी कॉल्स व साइबर खतरों से बचाने के लिए होगा एआई का प्रयोग: बैंकर्स समिति

लखनऊ, एजेंसी

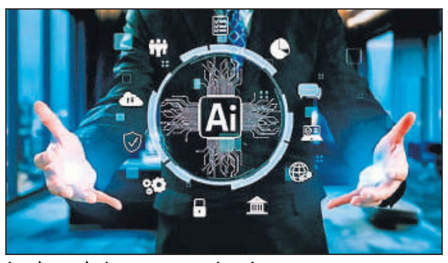

बैंक उपभोक्ताओं खासकर ग्रामीण नागरिकों को साइबर सुरक्षा एवं डिजिटल ठगी से बचाने को बैंक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) की मदद लेंगी। बैंक आफ बड़ौदा के आंचलिक प्रमुख एवं राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति (उप्र) के संयोजक शैलेन्द्र सिंह ने मंगलवार को बताया कि केंद्र सरकार 1 जुलाई से 30 सितंबर के बीच वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान चला रही है। सरकारी योजनाओं के माध्यम से वित्तीय समावेशन की जानकारी दी जा रही है।

उन्होने बताया कि लोगों को ओटीपी साझा न करना, फिशिंग ईमेल्स, फर्जी कॉल्स व अन्य डिजिटल खतरों के प्रति जागरूक किया जाएगा। एआई की मदद से ग्रामीण नागरिकों के साथ हो रही धोखाधड़ी से बचने के लिए लोगों को जागरुक किया जा रहा है। सिंह ने कहा कि इस अभियान के दौरान बैंको द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों की 57 हजार 702 ग्राम पंचायतों में प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से शून्य शेष राशि पर प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत खाता खोले जा रहे हैं। केवल 436 रुपये प्रति वर्ष के प्रीमियम पर दो लाख के जीवन बीमा के लिए प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा में लोगों का नामांकन किया जा रहा है।

औद्योगिक परिदृश्य सर्वेक्षण आरबीआई ने किया शुरू

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने मंगलवार को कहा कि उसने कारोबारी धारणा का आकलन करने के लिए भारतीय विनिर्माण क्षेत्र का तिमाही औद्योगिक परिदृश्य सर्वेक्षण शुरू किया है। आरबीआई ने तिमाही सेवा एवं बुनियादी ढांचा परिदृश्य सर्वेक्षण (एसआईओएस) का 46वां दौर भी शुरू किया है। भारतीय विनिर्माण क्षेत्र के तिमाही बुनियादी ढांचा परिदृश्य सर्वे (आईओएस) का 111वां दौर चालू तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए कारोबारी धारणा और आगामी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के लिए उम्मीद का आकलन करेगा। एसआईओएस का 46वां दौर सेवा और बुनियादी ढांचा क्षेत्र के कारोबारी स्थिति और मांग की स्थिति, वित्तीय स्थिति, रोजगार की स्थिति और मूल्य स्थिति से संबंधित संकेतकों से जुड़े सवालों पर आगामी तिमाही के लिए उनकी अपेक्षाओं का आकलन करेगा।

- **सेवा एवं बुनियादी ढांचा परिदृश्य सर्वेक्षण के 46वें दौर की भी शुरुआत**

6.5% की दर से बढ़ेगा भारत : ईएसी-पीएम

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) के चेयरमैन एस महेंद्र देव ने मंगलवार को कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार नीति से जुड़ी अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष (2025-26) में 6.5% की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

देव ने कहा कि अच्छे मानसून और नीतिगत ब्याज दर में तीन कटौतियों से मुद्रास्फीति कम रहने से घरेलू वृद्धि को समर्थन मिलेगा। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार नीति से जुड़ी अनिश्चितताओं के दोहरे झटके जैसी कई वैश्विक चुनौतियां हैं। हालांकि,

- **भू-राजनीतिक तनाव व अनिश्चितताओं के बाद भी अर्थव्यवस्था के बढ़ने की उम्मीद**

भारत की अर्थव्यवस्था जुझारू है और यह बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाला देश बना हुआ है। 2025-26 के पहले दो महीनों के प्रमुख संकेतक घरेलू अर्थव्यवस्था के जुझारू प्रदर्शन का संकेत देते हैं। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 6.5% की दर से बढ़ पाना संभव है। उन्होंने कहा, मजबूत राजकोषीय प्रबंधन के साथ भारत की मध्यम अवधि की वृद्धि संभावनाएं मजबूत प्रतीत होती हैं। बढ़ते सरकारी पूंजीगत व्यय का निजी उपभोग में स्वस्थ वृद्धि के साथ वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) व विश्व बैंक ने अनिश्चित वैश्विक परिवेश और व्यापार तनाव को देखते हुए चालू वित्त वर्ष में भारत के वृद्धि दर अनुमान को घटाकर क्रमशः 6.2 और 6.3% कर दिया है। देव ने कहा कि घरेलू स्तर पर मौजूद कई अनुकूल परिस्थितियां निवेश, उपभोग और निर्यात को बढ़ावा देकर ग्रामीण और शहरी दोनों मांग को बढ़ा सकती हैं।

लोग किसी को कुछ भी कह देते हैं : सुप्रीम कोर्ट

मोदी, आरएसएस पर आपत्तिजनक कार्टून पर कार्टूनिस्ट को मिला संरक्षण

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री मोदी व आरएसएस के आपत्तिजनक कार्टून सोशल मीडिया पर साझा करने के आरोपी कार्टूनिस्ट को मंगलवार को दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण प्रदान किया। शीर्ष अदालत ने सोशल मीडिया पर बढ़ती आपत्तिजनक पोस्ट पर भी चिंता व्यक्त की और अंकुश लगाने को न्यायिक आदेश पारित करने पर बल दिया।

न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया व अरविंद कुमार की पीठ ने कहा, लोग किसी को भी, कुछ भी कह देते हैं। हमें इस बारे में कुछ करना होगा। पीठ ने कार्टूनिस्ट हेमंत मालवीय को मध्य प्रदेश में दर्ज प्राथमिकी के मद्देनजर राज्य की दंडात्मक कार्रवाई से संरक्षण प्रदान किया। मालवीय की वकील वृंदा ग्रोवर ने आश्वासन दिया कि इस मामले में माफी मांग ली गई है। हालांकि, पीठ ने आगाह किया कि अगर कार्टूनिस्ट सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालते रहे, तो राज्य सरकार उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए स्वतंत्र है। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने 'एक्स' पर न्यायपालिका के खिलाफ भी मालवीय के कुछ अन्य पोस्ट का जिक्र किया, जिसके बाद पीठ ने कहा, यदि याचिकाकर्ता सोशल मीडिया पर कोई आपत्तिजनक पोस्ट डालते हैं, तो प्रतिवादी राज्य (मध्य प्रदेश) को कानून के अनुसार आगे बढ़ने की स्वतंत्रता होगी। ग्रोवर ने विधि अधिकारी की दलील का विरोध करते हुए कहा, इससे तो समस्याओं का पिटारा खुल जाएगा।

ईडी के अधिकार संबंधी फैसले की मांग पर 31 को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को 2022 के उस फैसले की समीक्षा की मांग वाली याचिकाओं पर सुनवाई के लिए 31 जुलाई की तारीख तय की, जिसमें पीएमएलए के तहत धन शोधन में शामिल लोगों की गिरफ्तारी और संपत्ति कुर्क करने के प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारों को बरकरार रखा गया था। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने बुधवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध मामले को 31 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया, जब केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि वह उपलब्ध नहीं हैं। याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि अगर मामला 31 जुलाई को सूचीबद्ध किया जाता है, तो उन्हें आपत्ति नहीं है। 7 मई को, शीर्ष अदालत ने केंद्र और याचिकाकर्ताओं से उस फैसले को चुनौती देने को लेकर मुद्दे तय करने को कहा, जिसमें आरोपियों की गिरफ्तारी और संपत्ति कुर्क करने की ईडी की शक्तियों को बरकरार रखा गया था।

उदयपुर फाइल्स की रिलीज पर आज सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट कन्हैया लाल दर्जी हत्याकांड में आरोपियों की उस याचिका पर बुधवार को सुनवाई करेगा, जिसमें मामले पर आधारित फिल्म की रिलीज का विरोध किया गया है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और जे. बागची की पीठ ने कहा कि उदयपुर फाइल्स: कन्हैया लाल दर्जी मर्डर की रिलीज पर रोक लगाने के दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली फिल्म निर्माताओं की याचिका 16 जुलाई को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है। यह फिल्म पिछले हफ्ते 11 जुलाई को रिलीज़ होने वाली थी। शीर्ष अदालत में यह याचिका मोहम्मद जावेद ने दायर की थी, जो आठवें आरोपी के रूप में मुकदमे का सामना कर रहा है।

आप कुत्तों को घर पर खाना क्यों नहीं देते: कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा में आवारा कुत्तों को खाना देने पर परेशान किए जाने का आरोप लगाने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए मंगलवार को याचिकाकर्ता से पूछा, आप उन्हें घर में खाना क्यों नहीं देते हैं। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील से कहा, क्या हमें इन बड़े दिलवाले लोगों के लिए हर गली, हर सड़क खुली छोड़ देनी चाहिए? जानवरों के लिए तो जगह है, लेकिन इंसानों के लिए जगह नहीं है। आप उन्हें अपने घर में खाना क्यों नहीं देते? आपको कोई नहीं रोक रहा है।यह याचिका इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मार्च 2025 के आदेश से संबंधित है।

मोदी शासन में औसत मुद्रास्फीति 5.1, संप्रग में 8.1% थी : भाजपा

नई दिल्ली, एजेंसी

- **नरेन्द्र मोदी की सरकार के महंगाई से निपटने के तरीके की सराहना की**

भाजपा ने नरेन्द्र मोदी की सरकार के महंगाई से निपटने के तरीके की मंगलवार को सराहना की। खुदरा मुद्रास्फीति जून में घटकर छह साल के निचले स्तर 2.1% पर आने के बाद पार्टी ने यह बात कही।

पार्टी के अनुसार, भाजपा नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के शासन में औसत मुद्रास्फीति 5.1% रही है, जबकि कांग्रेस नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में यह औसत 8.1% थी। भाजपा के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि जनवरी 2012 से अप्रैल 2014 के बीच जब संप्रग सत्ता में था तब खुदरा मुद्रास्फीति 28 महीनों में से 22 महीनों में नौ प्रतिशत से अधिक रही।

उन्होंने कहा कि यहां तक कि कई बार यह दोहरे अंकों में भी पहुंच गई थी। मालवीय ने एक्स पर लिखा, इसके विपरीत मोदी सरकार ने खुदरा मुद्रास्फीति को अधिकतर 5% से नीचे बनाए रखा और इसे कभी 8% से ऊपर नहीं जाने दिया।

संप्रग के अंतिम तीन साल के कार्यकाल में भारत औसतन 9.8% की खुदरा मुद्रास्फीति से जूझ रहा था। यह इस लिहाज से और खराब थी कि उस समय वैश्विक मुद्रास्फीति अपेक्षाकृत स्थिर तथा 4-5% के बीच थी। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने सोमवार को बयान में कहा कि सब्जियों, दालों, मांस और दूध सहित खाद्य पदार्थों की कीमतों में नरमी से खुदरा महंगाई दर जून में घटकर छह साल से भी अधिक के निचले स्तर 2.1% पर आ गई है।

एक नजर

इंजीनियर रशीद की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने 21 जुलाई से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र को लेकर लोकसभा सांसद इंजीनियर रशीद की अर्जी पर मंगलवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंद्रजीत सिंह ने बारामूला के सांसद रशीद की याचिका पर 21 जुलाई के लिए फैसला सुरक्षित रख लिया। रशीद ने इस याचिका में सांसद के तौर पर अपने कर्तव्य के निर्वहन के लिए अंतरिम जमानत या अभिरक्षा पैरोल का अनुरोध किया था।

जम्मू कश्मीर में वाहन खाई में गिरा, 5 की मौत

जम्मू। जम्मू कश्मीर के डोडा जिले में मंगलवार को यात्री वाहन के सड़क से फिसलकर गहरी खाई में गिरने से एक महिला समेत 5 लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि वाहन में क्षमता से अधिक लोग थे। यह दुर्घटना डोडा शहर से 30 किलोमीटर दूर पोंडा के पास डोडा-भर्थ मार्ग पर हुई।

करंट से झुलसे बच्चे के काटने पड़े हाथ, चार पर केस

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जिले के गांव में करंट लगने से झुलसे 7 वर्षीय बच्चे के दोनों हाथ काटने पड़े जिसके बाद पुलिस ने बिजली विभाग के उपमंडल अधिकारी (एसडीओ), कनिष्ठ अभियंता (जेई) समेत चार लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। दनकौर थाना क्षेत्र के गांव अच्छेजा बुजुर्ग में 22 मई को हुई घटना के संबंध में सोमवार रात शिकायत दर्ज कराई गई।

दिल्ली: सेंट स्टीफंस और द्वारका स्थित स्कूल को बम की धमकी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज व सेंट थॉमस स्कूल को मंगलवार को ईमेल से बम की धमकी मिली, जिसके बाद दोनों परिसरों में आपातकालीन सेवाएं पहुंचीं और परिसरों में तलाशी ली।

पुलिस ने बताया कि बम निरोधक दस्ता, श्वान दस्ता व अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस उपायुक्त (उत्तर) राजा बंथिया ने कहा कि सेंट स्टीफन कॉलेज की ओर से कहा गया है कि कॉलेज को सुबह सवा सात बजे बम की धमकी मिली थी।

मुंबई में बीएसई भवन को बम से उड़ाने की धमकी

मुंबई। दक्षिण मुंबई में स्थित बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) भवन को ईमेल से बम की धमकी दी गई, लेकिन तलाशी लेने के बाद यह झूठी निकली। पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि बीएसई के कर्मचारी को रविवार को ईमेल पर संदेश मिला, जिसमें दक्षिण भारत के एक नेता का नाम था। ईमेल में दावा किया गया था कि बीएसई भवन में चार आरडीएक्स (विस्फोटक पदार्थ) युक्त परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) लगाए गए हैं।

आतंकवाद के आरोपी को जमानत देने से दिल्ली हाईकोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने आतंकवादी संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ)' के कार्यकर्ता को जमानत देने से यह कहते हुए इनकार कर दिया है कि वह अपने 'प्रभाव' के चलते सबूतों से छेड़छाड़ कर सकता है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने आरोपी अर्सलान फिरोज अहेनगर (जिसकी उम्र 20 साल के आसपास बताई गई) के खिलाफ पर्याप्त साक्ष्य पाए। पीठ ने 7 जुलाई को पारित आदेश में कहा कि अर्सलान ने आतंकवादियों की तस्वीरें पोस्ट कीं और लोगों को आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने के लिए उकसाया। यह नहीं कहा जा सकता कि अपीलकर्ता (अर्सलान) के खिलाफ यह दिखाने के लिए सबूत नहीं है कि वह मारे गए आतंकवादी मेहरान यासीन शल्ला से जुड़ा था या उसने आतंकवादी गतिविधियों में हिस्सा लिया था।

- **कोर्ट ने कहा- आरोपी सबूतों से कर सकता है छेड़छाड़**

हैदराबाद में भाकपा नेता की हत्या

हैदराबाद। तेलंगाना में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता की मंगलवार सुबह यहां मलकपेट में अज्ञात लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि भाकपा की राज्य परिषद सदस्य के. चंदू नाइक (47) सुबह की सैर पर निकले थे, तभी एक पार्क के पास कार सवार हमलावरों ने उन पर गोलियां चलाईं, जिससे भाकपा नेता की मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस उपायुक्त (दक्षिण पूर्व क्षेत्र) एस चैतन्य कुमार ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। कुमार ने कहा कि वारदात को तीन-चार लोगों ने अंजाम दिया है।

आरोपी पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाने का अनुरोध बोर्ड ने ठुकराया

पुणे। किशोर न्याय बोर्ड ने पुणे पुलिस की उस अर्जी को मंगलवार को खारिज कर दिया, जिसमें पिछले साल नशे में पोर्श कार चलाने और दो लोगों को कुचलने के आरोपी 17 वर्षीय लड़के पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाने का अनुरोध किया गया था। यह घटना पिछले साल पुणे के कल्याणी नगर इलाके में घटी थी, जिसमें बाइक सवार आईटी पेशेवर अनीश अवधिया और उसकी दोस्त अश्विनी कोस्टा की मौत हो गई थी। पुलिस ने पिछले साल यह कहते हुए आरोपी पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाने की अनुमति का अनुरोध किया था कि उसने जघन्य कृत्य किया है और उस पर न केवल दो लोगों की हत्या, बल्कि सबूतों से छेड़छाड़ के भी आरोप हैं। बचाव पक्ष के वकील के मुताबिक, किशोर न्याय बोर्ड ने आरोपी पर वयस्क की तरह मुकदमा चलाने का अनुरोध ठुकरा दिया।

पुणे पोर्श कार का मामला

अमरनाथ यात्रा

अमरनाथ यात्रा को लेकर सेना और केंद्र व राज्य सरकार काफी सतर्क है, जिसे लेकर सुरक्षा एजेंसियों और सेना ने चौकसी बढ़ा रखी है। इसी क्रम में श्रीनगर के लाल चौक पर मुस्तैदी से खड़े सुरक्षाकर्मी। एजेंसी

ओडिशा : छात्रा की मौत, सीएम बोले- दोषियों पर होगी कड़ी कार्रवाई

भुवनेश्वर, एजेंसी

एक शिक्षक द्वारा यौन उत्पीड़न किए जाने के मामले में न्याय न मिलने पर आत्मदाह करने वाली छात्रा ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में दम तोड़ दिया। बालासोर के फकीर मोहन (स्वायत्त) महाविद्यालय की बीएड की द्वितीय वर्ष की छात्रा ने तीन दिन तक मौत से लड़ने के बाद सोमवार रात दम तोड़ दिया। शिक्षक पर कार्रवाई नहीं किए जाने से आहत छात्रा ने शनिवार को यह कदम उठाया।

छात्रा की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने कहा कि सभी दोषियों को कानून के तहत कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। छात्रा को पहले बालासोर के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था और फिर भुवनेश्वर स्थित एम्स भेज दिया गया। मुख्यमंत्री माझी ने एक्स पर कहा, छात्रा की मृत्यु की खबर से बेहद दुखी हूं। सरकार द्वारा सभी जिम्मेदारियों को निभाने और विशेषज्ञ चिकित्सा दल के अथक प्रयासों के बावजूद, छात्रा को नहीं बचाया जा सका।

भुवनेश्वर स्थित एम्स के पांचवें दीक्षांत समारोह में शामिल होने पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार शाम को बिना किसी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के 'बर्न एवं प्लास्टिक सर्जरी' विभाग का दौरा किया था और छात्रा का हालचाल जाना था।

- **एम्स के दीक्षांत समारोह में पहुंचीं राष्ट्रपति मुर्मू ने भी की थी पीड़िता से मुलाकात**

विपक्ष ने 17 जुलाई को ओडिशा बंद का किया आह्वान

कांग्रेस नीत आठ विपक्षी दलों ने कॉलेज छात्रा की मौत के विरोध में 17 जुलाई को ओडिशा बंद का आह्वान किया है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा कि बंद को वाम दलों सहित आठ दलों का समर्थन प्राप्त है। महाविद्यालय में हुई यह घटना दर्शाती है कि राज्य सरकार महिलाओं की सुरक्षा करने में नाकाम रही है। दास ने सत्तारूढ़ भाजपा पर हमला करते हुए कहा, छात्रा पेट्रोल लेकर आई और सब देखते रहे। किसी ने कोई कदम नहीं उठाया। छात्रा को न्याय दिलाने के लिए बंद का आह्वान किया गया है।

परिजनों को 20 लाख की अनुग्रह राशि देंगे मुख्यमंत्री माझी

ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने आत्मदाह करने वाली छात्रा के परिवार के लिए 20 लाख की अनुग्रह राशि देने की मंगलवार को घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान के अनुसार, माझी ने घटना की उचित जांच का निर्देश दिया है। राज्यपाल हरि बाबू कंभमपति ने भी छात्रा की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने एक्स पर कहा, महाविद्यालय की छात्रा की मृत्यु की खबर सुनकर स्तब्ध हूं। उसकी मृत्यु सिर्फ घटना नहीं है, यह हमारे परिसरों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की सख्त जरूरत का एक साफ संकेत है। कानून के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं।

एक नजर

मुंबई : गोवा एसेस जेए रेसिंग के मालिक जॉन अब्राहम, कोलकाता रॉयल टाइगर्स के मालिक सौरव गांगुली और स्पीड डेमन्स दिल्ली के मालिक अर्जुन कपूर इंडियन रेसिंग फेस्टिवल 2025 के संबंध में जानकारी देते हुए। ● एजेंसी

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी का तय हुआ खाका

लॉस एंजिल्स : लॉस एंजिल्स में 2028 में होने वाले ओलंपिक में क्रिकेट की 128 साल बाद बहुप्रतीक्षित वापसी लॉस एंजिल्स से लगभग 50 किलोमीटर दूर पोमेना शहर के फेयरग्राउंड्स स्टेडियम में 12 जुलाई को होगी, जिसमें पदक मैच 20 और 29 जुलाई, 2028 को खेले जाएंगे। पुरुष और महिला वर्ग में कुल छह-छह टीमें और 180 खिलाड़ी ओलंपिक में क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप टी20 में भाग लेंगे। प्रतियोगिता के कार्यक्रम के अनुसार अधिकतर दिन दो मैच खेले जाएंगे जबकि 14 और 21 जुलाई को कोई मैच नहीं होगा। ओलंपिक में इससे पहले केवल एक बार 1900 में पेरिस ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल किया गया था। उसमें तब केवल दो टीम ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस ने भाग लिया था। ग्रेट ब्रिटेन ने प्रतियोगिता के एकमात्र मैच में जीत हासिल करके स्वर्ण पदक जीता था। पुरुष और महिला वर्ग में कुल 90 खिलाड़ियों का कोटा आवंटित होने के कारण 12 प्रतिस्पर्धी टीमें 15 सदस्यीय दल की घोषणा कर सकती हैं।

कीबोर्ड योद्धाओं को चुप कराकर खुश हूं : जोफ्रा आर्चर

लंदन : इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अपने आलोचकों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि उन्होंने उन 'कीबोर्ड योद्धाओं' को चुप करा दिया जो कई चोटों से उबरने के बाद रिहैबिलिटेशन के दौरान उनके पीछे पड़े थे। 2021 के बाद से अपना पहला टेस्ट खेल रहे आर्चर ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट की दूसरी पारी में भारत की हार का कारण बने। उन्होंने सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को शून्य पर आउट किया और फिर ऋषभ पंत और वाशिंगटन सुंदर के विकेट लेकर सोमवार को इंग्लैंड को 22 रन से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आर्चर ने 'स्काई स्पोर्ट्स' से कहा मुझे लगता है कि मैं (इंग्लैंड की जीत के बाद) थोड़ा भावुक हो गया था। यह सफर काफी लंबा रहा। मैं आपको बता नहीं सकता कि पिछले तीन या चार वर्षों में कितने कीबोर्ड योद्धा मेरे पीछे पड़े हुए थे।

पंजाब एफसी ने डिफेंडर बिजॉय वर्गीस के साथ किया करार

मोहाली : पंजाब एफसी ने मंगलवार को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) फुटबॉल टूर्नामेंट के आगामी सत्र के लिए इंटर काशी से डिफेंडर बिजॉय वर्गीस को अपने साथ जोड़ने की घोषणा की। पच्चीस वर्षीय सेंटर बैक बिजॉय ने टीम के साथ 2028 तक अनुबंध किया है। बिजॉय 2021-22 सत्र में केरला ब्लास्टर्स में शामिल हुए और उस वर्ष उपविजेता रही टीम का हिस्सा थे। इसके बाद वह 2023-24 सत्र के लिए उधार पर आईलीग फ्रेंचाइजी इंटर काशी में शामिल हुए और 2024-25 सत्र में 10 मैच खेले।

ऋतुपर्णा-श्वेतापर्णा की जोड़ी जापान ओपन बैडमिंटन से बाहर

टोक्यो : ऋतुपर्णा पांडा और श्वेतापर्णा पांडा की भारतीय महिला युगल जोड़ी को मंगलवार को जापान ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में कोकोना इशिकावा और माइको कावाजोई से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 39वें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी जापान की जोड़ी को कोई टक्कर नहीं दे पायी। इशिकावा और कावाजोई ने मैच की शुरुआत से दबदबा कायम करते हुए महज 32 मिनट में 21-13, 21-7 से एकतरफा जीत हासिल की। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू, लक्ष्य सेन और पुरुष युगल में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी बुधवार को अपने अभियान का आगाज करेंगे।

जडेजा जोखिम उठाकर खेल सकते थे आक्रामक शॉट

रविंद्र जडेजा।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा को स्पिनर शोएब बशीर के खिलाफ मोहम्मद सिराज को स्ट्राइक देने की जगह खुद जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेलना चाहिए था।

जडेजा के साथ पुछल्ले बल्लेबाजों के संघर्ष से भारत मैच में वापसी करने में काफी हद तक सफल रहा लेकिन उसे 22 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा। कुंबले को इस मैच ने चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट की याद दिला दी जिसमें सचिन तेंदुलकर ने पीठ दर्द के बावजूद 136 रन की पारी खेली, लेकिन भारतीय टीम को 12 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में ऑफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक

● अनिल कुंबले ने जीत के करीब पहुंचकर हार पर जताई निराशा

द्वारा जवागल श्रीनाथ का आउट होना सोमवार को सिराज के स्टंप्स की गिल्लियों को गिराने वाली गेंद के समान था। चेन्नई में जनवरी 1999 में खेले गए उस टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा रहे कुंबले ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा मुझे इस मैच को देखकर चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया टेस्ट मैच याद आ गया। इसमें हम 12 रन से हार गए थे। (सिराज का आउट होना) कुछ वैसा ही था। टीम लक्ष्य से सिर्फ 22 रन दूर थी।

जडेजा एक छोर पर बस खड़े रहे। मेरा मतलब है, वह भारत को जीत के इतने करीब लाने की योजना में सफल रहे, लेकिन इंग्लैंड ने कोई ढिलाई नहीं बरती। जडेजा ज्यादातर ओवर की चौथी या पांचवीं गेंद पर एक रन चुरा रहे थे, लेकिन कुंबले का मानना है कि उन्हें कम गति के गेंदबाजों के खिलाफ जोखिम उठाना चाहिए था। कुंबले ने कहा उन्हें उन गेंदबाजों का चयन करना चाहिए थे जिसके खिलाफ वह आक्रामक रूख अपना सकते थे। क्रिस वोक्स, जो रूट और बशीर ऐसे गेंदबाज थे। बशीर और रूट भले ही ऑफ स्पिनर है लेकिन उनकी गेंद बहुत ज्यादा टर्न नहीं ले रही थी। उन्होंने कहा अगर किसी को जोखिम उठाना था तो वह जडेजा ही थे जिन्हें ऐसा करना चाहिए था। उन्होंने बुमराह और सिराज के साथ बल्लेबाजी के दौरान अपने पास ज्यादा स्ट्राइक रखकर अच्छा काम किया लेकिन सिराज को बशीर का पूरा ओवर खेलने के लिए देना जोखिम भरा था। उन्हें इसकी जगह खुद ही आक्रामक रुख अपनाना चाहिए थे।

कुंबले ने जडेजा की नाबाद 61 रन की जुझारू पारी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने जीत के लिए 193 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत को 170 रन पहुंचा कर लगभग चमत्कार कर दिया था। कुंबले ने कहा वह पूरे समय बेहतरीन रहे। वह दिन के छठे ओवर में ही बल्लेबाजी के लिए आ गये थे और आखिर तक नाबाद रहे। बुमराह और सिराज के साथ 82 पर 7 विकेट गिरने के बाद स्कोर को दोगुना करना अविश्वसनीय है। उन्होंने कहा उनकी बल्लेबाजी देखकर टीम के अन्य बल्लेबाज खुद के प्रदर्शन से निराश होंगे। भारत को दोनों पारियों में लगभग 65 अतिरिक्त रन देना भी भारी पड़ा। यह चर्चा का एक बड़ा विषय होगा। कुंबले ने कहा कि जोफ्रा आर्चर की गेंद कंधे पर लगने से सिराज थोड़े असहज हो गये और उनका ध्यान थोड़ा भंग हो गया।

किंग चार्ल्स तृतीय लंदन के क्लेरेंस हाउस में भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीम के सदस्यों के साथ मुलाकात की। ● एजेंसी

किंग चार्ल्स तृतीय ने गिल से पूछा

आखिरी बल्लेबाज के आउट होने पर आपको कैसा महसूस हुआ था

लंदन : किंग चार्ल्स तृतीय ने मंगलवार को क्लेरेंस हाउस के बगीचे में भारत की पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों से मुलाकात के दौरान मोहम्मद सिराज के आउट होने को 'दुर्भाग्यपूर्ण' करार दिया लेकिन इसके बारे में भारतीय कप्तान शुभमन गिल से पूछे बिना नहीं रह सके। ब्रिटेन के 76 वर्षीय महाराजा ने भारतीय क्रिकेटरों के साथ इस खेल को लेकर काफी समय तक चर्चा की। गिल ने उनसे टीम की मुलाकात को अद्भुत करार दिया। भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दुरईस्वामी और उप उच्चायुक्त सुजीत घोष के साथ कांग्रेस राज्यसभा सांसद एवं बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला तथा सचिव देवजीत सैकिया इस दौरान वहां मौजूद थे। गिल ने मुलाकात के बाद कहा यह अद्भुत था। मुझे लगता है कि वह (किंग चार्ल्स) बहुत दयालु और उदार हैं। हमारी उन से बहुत अच्छी बातचीत हुई। भारत को सोमवार को लॉर्ड्स मैदान पर श्रृंखला के रोमांचक तीसरे टेस्ट मैच में 22 रन से हार का सामना करना पड़ा। भारत के आखिरी बल्लेबाज मोहम्मद सिराज थोड़े दुर्भाग्यशाली रहे कि शोएब बशीर की गेंद उनके बल्ले का किनारा लेने के बाद धीरे से विकेट से टकराई और फिर गिल्लियां गिर गयी। गिल ने कहा उन्होंने (किंग चार्ल्स) हमें बताया कि हमारे आखिरी बल्लेबाज के आउट होने का तरीका काफी दुर्भाग्यपूर्ण था, गेंद लुढ़कती हुई विकेट पर लग गई। वह हमसे बस पूछ रहे थे उसके बाद आपको कैसा महसूस हुआ? और हमने उन्हें बताया कि यह हमारे लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण मैच था। उम्मीद है कि अगले दोनों मैचों में हमें किस्मत का अच्छा साथ मिलेगा। गिल ने कहा कि भारतीय टीम जब भी इंग्लैंड में खेलती है, उसे प्रवासियों भारतीय से जबरदस्त समर्थन मिलता है।

पंत का रन आउट होना निर्णायक पल था : गिल

लंदन : भारत के कप्तान शुभमन गिल ने लॉर्ड्स टेस्ट के रोमांचक आखिरी दिन सोमवार को अपनी टीम की जुझारू कोशिशों पर गर्व जताया। लेकिन साथ ही कहा कि चौथे दिन लंच से ठीक पहले हुए पंत का रनआउट होना मैच का टर्निंग प्वाइंट था। लंच से ठीक पहले जब भारत का स्कोर 82 पर 7 हो गया था, तब लगा कि मैच जल्दी खत्म हो जाएगा। लेकिन निचले क्रम के बल्लेबाजों ने डटकर मुकाबला किया और मैच को आखिरी सत्र तक ले गए। अंतत: भारत 170 रन पर ऑल आउट हो गया और 22 रन से हार गया। गिल ने पोस्ट-मैच प्रेजेंटेशन में कहा मैं बेहद गर्व महसूस कर रहा हूं। कोई भी टेस्ट मैच इससे ज्यादा करीबी नहीं हो सकता। पांच दिन तक कड़ा मुकाबला चला, जिसका फैसला आखिरी सत्र और आखिरी विकेट गिरने के बाद आया। हमारी टीम ने इस मैच में जिस तरह का जुझारूपन दिखाया, उससे मैं बहुत खुश हूं।

गिल तकनीकी रूप से उतने मजबूत नहीं दिखे : वॉन

लंदन : इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने कहा कि भारतीय कप्तान शुभमन गिल तीसरे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए उतरे तो वह तकनीकी रूप से मजबूत नहीं दिखे और उन्होंने धैर्य की कमी भी नजर आई। शुभमन गिल ने श्रृंखला के पहले दो टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने हेडिंग्ले में पहले टेस्ट में शतक बनाया और फिर बर्मिंघम में शतक और दोहरा शतक जड़कर कई रिकॉर्ड तोड़े।

स्पिनर डॉसन की आठ साल बाद इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी

लंदन : बाएं हाथ के स्पिनर लियाम डॉसन ने आठ साल के अंतराल के बाद मंगलवार को इंग्लैंड की टेस्ट टीम में वापसी की। उन्हें भारत के खिलाफ 23 जुलाई से मैनचेस्टर में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच के लिए चोटिल शोएब बशीर की जगह टीम में शामिल किया गया है। तीसरे टेस्ट मैच में भारत की पहली पारी के दौरान अपनी ही गेंद पर क्षेत्ररक्षण करते समय बशीर के बाएं हाथ में फ्रैक्चर हो गया था। यह मैच इंग्लैंड ने 22 रन से जीता था। चोट के बावजूद बशीर ने भारत की दूसरी पारी में गेंदबाजी की और मोहम्मद सिराज को आउट करके अपनी टीम को रोमांचक जीत दिलाने में मदद की। 35 वर्षीय डॉसन ने अपने तीन टेस्ट मैचों में से आखिरी टेस्ट 2017 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेला था। उन्होंने सात विकेट लिए हैं। इसके अलावा उन्होंने इंग्लैंड की तरफ से छह वनडे और 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं। वह कई वर्षों से हैम्पशर के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उन्हें 2023 और 2024 में पीसीए प्लेयर ऑफ द ईयर चुना गया था। डॉसन ने अब तक 212 प्रथम श्रेणी मैचों में 371 विकेट लिए हैं। वह निचले मध्यक्रम के उपयोगी बल्लेबाज भी हैं।

टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, जैकब बेथेल, हैरी ब्रुक, ब्रायडन कार्स, जैक क्रॉली, लियाम डॉसन, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, जेमी स्मिथ, जोश टंग, क्रिस वोक्स।

आक्रामक बल्लेबाज शेफाली टी20 रैंकिंग में शीर्ष 10 में पहुंची

दुबई, एजेंसी

भारत की आक्रामक सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा मंगलवार को जारी आईसीसी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में शीर्ष 10 में वापसी करने में सफल रही। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में 158.56 के स्ट्राइक रेट से 176 रन बनाने वाली शेफाली इस रैंकिंग में 655 अंकों के साथ चार स्थान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गई है।

उप-कप्तान स्मृति मंधाना तीसरे नंबर के साथ इस सूची में शीर्ष भारतीय खिलाड़ी है। मध्यक्रम की बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान नीचे 14वें स्थान पर खिसक गयी। भारत की ऐतिहासिक 3-2 से श्रृंखला जीत में अहम योगदान देने वाली अरुंधति रेड्डी गेंदबाजी रैंकिंग में चार स्थान की सुधार के साथ 39वें स्थान पर और हरफनमौला खिलाड़ियों की सूची में 26 स्थान

की छलांग लगाकर 80वें स्थान पर पहुंच गयी। अनुभवी ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा को गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह तीसरे पायदान पर खिसक गयी है। राधा यादव तीन पायदान के सुधार के साथ रैंकिंग में 15वें स्थान पर है। इस रैंकिंग में श्रृंखला गंवाने वाली इंग्लैंड की टीम के कई खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा हुआ है। श्रृंखला के आखिरी मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच' का पुरस्कार हासिल करने वाली स्पिनर चार्ली डीन रैंकिंग में शीर्ष 10 में जगह बनाने में सफल रही।

ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को 27 रनों पर ढेर किया

किंग्स्टन (जमैका), एजेंसी

● सीरीज 3-0 से जीती, मिशेल स्टार्क ने नौ रन देकर झटके छह विकेट

मिशेल स्टार्क ने नौ रन देकर छह विकेट लिए और स्कॉट बोलैंड ने हैट्रिक ली जिससे ऑस्ट्रेलिया ने वेस्टइंडीज को टेस्ट क्रिकेट के दूसरे न्यूनतम स्कोर 27 रनों पर आउट कर दिया तथा तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच 176 रनों से जीत कर श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप किया।

वेस्टइंडीज पर एक समय टेस्ट क्रिकेट में न्यूनतम स्कोर पर आउट होने का खतरा मंडरा रहा था लेकिन खराब फील्डिंग का फायदा उठाकर वह न्यूजीलैंड के 26 रनों के विश्व रिकॉर्ड से एक रन आगे निकलने में सफल रहा। अपना 100वां टेस्ट मैच खेल रहे स्टार्क ने अपनी पहली 15 गेंद पर पांच विकेट लिए जो टेस्ट इतिहास में सबसे तेज पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने

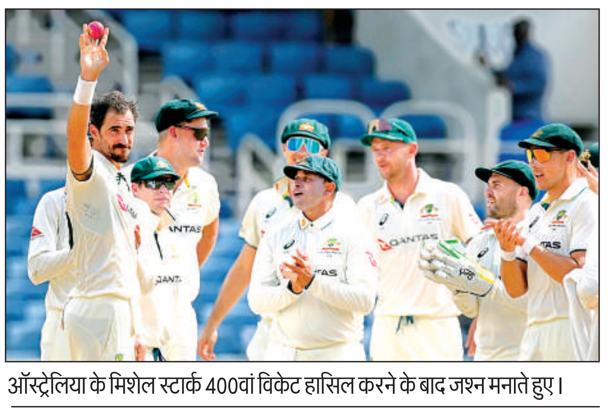
ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क 400वां विकेट हासिल करने के बाद जश्न मनाते हुए।

करियर में 15वीं बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट लिए। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने इस दौरान टेस्ट क्रिकेट में 400 विकेट भी पूरे किए। उन्होंने वेस्टइंडीज़ की दूसरी पारी की पहली ही गेंद पर एक विकेट और पहले ही ओवर में तीन विकेट लिए। ऑस्ट्रेलिया को सबीना पार्क में पहले दिन-रात्रि टेस्ट में 204 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरे वेस्टइंडीज को हराने और श्रृंखला में 3-0 से क्लीन स्वीप करने में केवल 14.3 ओवर लगे।

यह मैच केवल ढाई दिन में समाप्त हो गया। वेस्टइंडीज के शीर्ष छह बल्लेबाजों ने कुल मिलाकर केवल छह रन बनाए। उसके सात बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाए। उसकी तरफ से जस्टिन ग्रीव्स ने सर्वाधिक 11 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट मैच 159 रनों और दूसरा टेस्ट मैच 133 रनों से जीता था और इस तरह से फ्रैंक वारेल ट्रॉफी अपने पास बरकरार रखी। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए स्टार्क ने कहा यह शानदार श्रृंखला रही। पूरे मैच में बल्लेबाजों के लिए हालत बहुत अच्छे नहीं रहे। ऐसी परिस्थितियों में दूधिया रोशनी में सख्त गुलाबी गेंद से खेलना आसान नहीं होता लेकिन हमें विश्वास नहीं था कि मैच इतनी जल्दी खत्म हो जाएगा। स्टार्क ने लगातार गेंदों पर केवलन एंडरसन और ब्रैंडन किंग को आउट किया लेकिन उन्होंने हैट्रिक का मौका गंवा दिया।

महिला विश्व कप से पहले इंग्लैंड और न्यूजीलैंड से अभ्यास मैच खेलेगा भारत

दुबई, एजेंसी

भारत इस साल सितंबर-अक्टूबर में अपनी और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले महिला एकदिवसीय विश्व कप से पहले बेंगलुरु में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। पाकिस्तान अपने अभ्यास

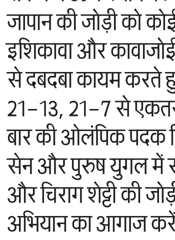

मैच और विश्व कप मैच दोनों श्रीलंका में खेलेगा। यह बीसीसीआई और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने आपसी सहमति से तय किया है। भारत 25 सितंबर को बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एक मैदान पर पहले अभ्यास मैच में इंग्लैंड से भिड़ेगा और 30 सितंबर को चिन्नास्वामी स्टेडियम में टूर्नामेंट शुरू होने से तीन दिन पहले 27 सितंबर को न्यूजीलैंड से उसी स्थान पर खेलेगा। पाकिस्तान 25 और 28 सितंबर को कोलंबो के कोलंबो क्रिकेट क्लब में क्रमशः श्रीलंका और श्रीलंका 'ए' टीम के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा। आईसीसी ने कहा 25 से 28 सितंबर तक एम चिन्नास्वामी स्टेडियम, बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस एक मैदान (दोनों बेंगलुरु), आर प्रेमदासा स्टेडियम और कोलंबो क्रिकेट क्लब (दोनों कोलंबो) में कुल नौ दिन-रात्रि मैच खेले जाएंगे।

अभ्यास मैचों का कार्यक्रम

25 सितंबर : भारत बनाम इंग्लैंड, बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान। दक्षिण अफ्रीका बनाम न्यूजीलैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम। श्रीलंका बनाम पाकिस्तान, कोलंबो क्रिकेट क्लब। बांग्लादेश बनाम श्रीलंका 'ए', आर प्रेमदासा स्टेडियम।

27 सितंबर : ऑस्ट्रेलिया बनाम इंग्लैंड, बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान। भारत बनाम न्यूजीलैंड, एम चिन्नास्वामी स्टेडियम। श्रीलंका बनाम बांग्लादेश, कोलंबो क्रिकेट क्लब।

28 सितंबर : दक्षिण अफ्रीका बनाम भारत 'ए', बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मैदान पाकिस्तान बनाम श्रीलंका 'ए', कोलंबो क्रिकेट क्लब।

यहां होगा विश्व कप

एकदिवसीय विश्व कप की 12 साल बाद उपमहाद्वीप में वापसी हो रही है। यह टूर्नामेंट 30 सितंबर से दो नवंबर तक पांच स्थानों - एम चिन्नास्वामी स्टेडियम (बेंगलुरु), एसीए स्टेडियम (गुवाहाटी), होल्कर स्टेडियम (इंदौर), एसीए-वीडीसीए स्टेडियम (विशाखापत्तनम) और आर प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो) में खेला जाएगा।

प्रतिबद्धता और जज्बे की अद्भुत मिसाल थे फौजा सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी

● 114 वर्ष की उम्र में वाहन की टक्कर से हो गया है निधन

● 89 वर्ष की उम्र में मैराथन दौड़ना किया था शुरू

पुरानी कहावत है कि दोबारा शुरुआत करने में कभी देर नहीं होती और अगर कभी इस बात के प्रमाण की जरूरत पड़े तो एक बार फौजा सिंह के जीवन पर गौर कर लेना जिन्होंने प्रतिबद्धता और जज्बे की अद्भुत मिसाल पेश की। फौजा सिंह ने 89 वर्ष की उम्र में मैराथन दौड़नी शुरू की और फिर दुनिया भर में अपने जोश और जज्बे का डंका जमाया। उनका सोमवार को 114 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी उम्र के बावजूद, यह एक दिल दहला देने वाला अचानक अंत था। वह जालंधर स्थित अपने पैतृक गांव ब्यास पिंड में टहलने निकले थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी।

फौजा सिंह ने अपने जीवन में कई मुश्किलों का सामना किया। वह जब मैराथन धावक बने तो उन्होंने अपने

वर्ष 2016 में मुंबई में जॉगिंग करते हुए फौजा सिंह। ● एजेंसी (फाइल फोटो)

करियर का एक बड़ा हिस्सा ब्रिटेन में बिताया, लेकिन संन्यास लेने के बाद तीन साल पहले वह अपने गांव लौट आए थे। उनकी जीवनी 'द टर्बन्ड टॉरनेडो' के लेखक खुशवंत सिंह ने कहा हम हमेशा उनसे कहते थे कि भारत में दौड़ने वाले उनकी उम्र के व्यक्ति को हमेशा टक्कर लगने का खतरा बना रहता है, क्योंकि यहां वाहन चलाने का तरीका बहुत लापरवाही वाला है। दुर्भाग्यवश आखिर में ऐसा ही हुआ। फौजा की असली कहानी तब शुरू हुई जब ज्यादातर लोगों के लिए समय धीमा पड़ जाता है, खासकर उन लोगों के लिए जो जिंदगी की कई त्रासदियों से जूझ चुके हैं। वह भी जीवन के इन थपेड़ों से जूझ रहे थे।

फौजा सिंह 90 के दशक के मध्य में अपने छोटे बेटे की मौत से काफी व्यथित हो गए थे। इसके बाद जब उनकी पत्नी और बेटी का भी निधन हो गया तो उन्हें इंग्लैंड के एसेक्स में एक स्थानीय क्लब में दौड़ने से सांत्वना मिली। खुशवंत ने बताया गांव वालों ने उनके एक बेटे से कहा कि वह उन्हें ब्रिटेन ले जाए, क्योंकि वह श्मशान घाट जाते रहते थे और घंटों वहीं बैठे रहते थे। इसलिए वह इलफोर्ड (पूर्वी लंदन का एक शहर) चले गए। फौजा सिंह ने वहां पहुंचने के बाद ही दौड़ना शुरू किया। इसके बाद वह अंतर्राष्ट्रीय स्तर के धावक बन गए और उन्होंने अपने दमखम और जज्बे से दुनिया भर के लोगों को हैरान कर दिया। उन्होंने लंदन, न्यूयॉर्क और हांगकांग की प्रसिद्ध मैराथनों सहित अन्य मैराथनों में भाग लिया और कमजोर पैरों के साथ पैदा हुए 90 वर्ष से अधिक उम्र के इस व्यक्ति ने इस दौरान कुछ अच्छा समय भी निकाला जिससे पेशेवर धावक भी हैरान थे।

मैराथन से कमाए हर पैसे को कर देते थे दान

फौजा सिंह ने कहा वह ऐसे व्यक्ति थे जिनमें कोई लालच नहीं था। मैराथन दौड़कर कमाए गए हर एक पैसे को वह दान में देते थे। जब वह प्रसिद्ध हो गए, तो लोग गुरुद्वारों में भी उनके पास पैसे देने आते थे, लेकिन वह तुरंत ही उस धनराशि को वहां के दानपात्रों में डाल देते थे। एक सच्चे, बड़े दिल वाले रूमानी पंजाबी की तरह, फौजा को अपनी पिन्नियां (घी, आटे और गुड़ से बनी मीठी गोलियां जिन पर सूखे मेवे लगे होते हैं) और मैकडॉनल्ड्स से कभी-कभार मिलने वाला स्ट्रॉबेरी शेक बहुत पसंद था। लेकिन वह एक अनुशासित धावक भी थे जो दौड़ से पहले कड़ा अभ्यास करते थे। उनकी सबसे यादगार दौड़ में से एक 2011 की थी जब वह 100 वर्ष के हो गए थे। टोरंटो में आयोजित आमंत्रण प्रतियोगिता का नाम उनके सम्मान में रखा गया था।

ऑर्थोडॉक्स पार्टी गठबंधन से अलग, नेतन्याहू को झटका

तेल अवीव, एजेंसी

इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की गठबंधन सरकार में प्रमुख सहयोगी दल रहे अति-रूढ़िवादी दल ने मंगलवार को कहा कि वह गठबंधन सरकार छोड़ रही है। अति-रूढ़िवादी दल की इस घोषणा को गाजा में युद्ध के निर्णायक समय में इजराइली नेता के शासन को अस्थिर करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

यूनाइटेड टोरा जूडिज्म नामक पार्टी के दो गुटों ने कहा कि वे एक कानून पर असहमति के कारण सरकार पर निशाना साध रहे हैं। यह कानून अपने सदस्यों के लिए व्यापक सैन्य मसौदा छूट को संहिताबद्ध करेगा। इन दलों के सदस्यों में से कई लोग सेना में भर्ती होने के बजाय यहूदी ग्रंथों का अध्ययन करते हैं। इस मुद्दे ने यहूदी इजराइलियों को विभाजित कर रखा है, जिनमें से अधिकांश को सेना में भर्ती होने की आवश्यकता होती है। इजराइलियों में यह दरार तब से और गहरी होती जा रही है, जब से गाजा में युद्ध शुरू हुआ है और सैनिकों की मांग लगातार बढ़ रही है। इजराइल की राजनीति में लंबे समय से 'किंगमेकर' की भूमिका निभाने वाली पार्टी के जाने से नेतन्याहू को तत्काल कोई खतरा नहीं है।

• गाजा में युद्ध के निर्णायक दौर में सरकार अस्थिर होने की आशंका

ट्रंप को शिक्षा विभाग में 1,400 कर्मचारियों की छंटनी की अनुमति

वाशिंगटन। अमेरिका के उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को शिक्षा विभाग को समाप्त करने की उनकी योजना को फिर से आगे बढ़ाने और लगभग 1,400 कर्मचारियों की छंटनी की अनुमति दे दी है।

तीन न्यायमूर्तियों की असहमति बावजूद, उच्चतम न्यायालय ने बोस्टन के डिस्ट्रिक्ट न्यायाधीश मयोंग जॉन के उस आदेश पर रोक लगा दी जिसमें उन्होंने कर्मचारियों की छंटनी को रद्द करते हुए अंतरिम रोक लगाई थी। जॉन ने आदेश में कहा था, छंटनी से विभाग संभवतः कमजोर हो जाएगा।'एक संघीय अपीलीय अदालत ने भी प्रशासन की अपील पर इस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

मुस्लिम देशों में शरीया कानून का हिस्सा है

ब्लड मनी परंपरा

केरल की नर्स निमिषा को यमन में फांसी की सजा सुनाए जाने के बाद इस इस्लामी देश की 'ब्लड मनी' नाम की वह परंपरा भी चर्चा में आई है जो पैसों के बदले मौत की सजा माफ कर देती है। ब्लड मनी को अरबी में दिया कहा जाता है और यह परंपरा उन कई और मुस्लिम देशों में लागू है जहां इस्लामी शरीया कानून का प्रभाव है। इस पारंपरिक कानून के तहत अगर कोई व्यक्ति किसी की हत्या का गुनहगार है तो वह मृतक के परिवार को मुआवजा देकर सजा में छूट या माफी हासिल कर सकता है।

इन देशों में भी ब्लड मनी जैसा कानून

सऊदी अरब : दिया यानी ब्लड मनी यहां शरीया कानून के अनुसार लागू है। हत्या, दुर्घटना और मेडिकल लापरवाही में भी ब्लड मनी दी जा सकती है। पीड़ित परिवार चाहे तो ब्लड मनी लेकर दोषी को माफ कर सकता है और इससे फांसी की सजा रुक सकती है।

ईरान : ईरान की इस्लामी दंड संहिता में ब्लड मनी को मान्यता है। अब तक यहां महिला और पुरुष की ब्लड मनी में अंतर होता था लेकिन अब इसे बराबरी की ओर लाया जा रहा है। विदेशी नागरिकों को भी कुछ मामलों में इसका फायदा या नुकसान झेलना पड़ता है।

पाकिस्तान : पाकिस्तान में सन् 1990 के दशक में दिया और किसास कानून लागू किए गए। ये कानूनी दंड संहिता से हटकर शरीया आधारित है। इसमें पीड़ित के परिवार को मुआवजा लेकर दोषी व्यक्ति को माफ करने का अधिकार है। अदालत इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करती।

संयुक्त अरब अमीरात : यूएई में भी शरीया कानून दिया लागू है। अफगानिस्तान, सूडान, नाइजीरिया समेत कई और देशों में आंशिक या पूर्ण रूप से दिया लागू है, वहां भी पीड़ित परिवार को सजा माफ करने का अधिकार है।

पश्चिमी देश

पश्चिमी देशों में सीधे तौर पर ब्लड मनी जैसा शरीया आधारित सिस्टम नहीं है, लेकिन वहां सिविल सूट और मुआवजा/क्षतिपूर्ति की व्यवस्था होती है।

समर्थन

ब्लड मनी परंपरा इस्लामी न्याय प्रणाली का हिस्सा है। इससे पीड़ित के परिवार को कुछ राहत मिलती है, साथ ही बदले की भावना को रोकने में मदद मिलती है।

आलोचना

अमीर अपराधियों को बच निकलने का मौका मिलता है और न्यायिक समानता पर सवाल उठते हैं। इसके अलावा गरीब पैसे के अभाव में न्याय नहीं दिला पाते।

ब्लड मनी के चर्चित केस

- उत्तर प्रदेश के रईस खान को सऊदी अरब में एक पाकिस्तानी नागरिक की हत्या के मामले में फांसी की सजा सुनाई गई थी। भारतीय सामाजिक संगठनों और परिवार ने मृतक के परिवार को लगभग 30 लाख रुपये ब्लड मनी देकर माफी दिलवा दी।
- एक अमीर व्यवसायी के बेटे शाहरुख जटोई ने कराची में युवा छात्र शाहजेब खान की हत्या कर दी थी। जनता में भारी गुस्सा फैला मगर शाहजेब के परिवार ने शाहरुख से ब्लड मनी लेकर उसे माफ कर दिया। लोगों ने इसे पैसे वालों का न्याय तंत्र से खिलवाड़ कहा।
- पंजाब के नवदीप पर 2019 में एक साथी भारतीय की हत्या का आरोप लगा। सऊदी कोर्ट ने उसे फांसी की सजा सुनाई। लेकिन एनजीओ और गुरुद्वारों की मदद से करीब 1 करोड़ रुपये की ब्लड मनी दिए जाने के बाद मृतक के परिवार ने उसे माफ कर दिया।

एक नजर

दिग्गज अभिनेता-निर्माता धीरज कुमार का निधन

मुंबई। मनोज कुमार की फिल्म 'रोटी कपड़ा और मकान' में अभिनय करने और हिट टेलीविजन शो 'ओम नमः शिवाय' और 'अदालत' के निर्माण के लिए पहचाने जाने वाले दिग्गज अभिनेता-निर्माता धीरज कुमार का यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके एक पारिवारिक मित्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वह 79 वर्ष के थे। कुमार निमोनिया से गंभीर रूप से पीड़ित थे और उन्हें कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल की गहन चिकित्सा यूनिट में भर्ती कराया गया था।

छत्तीसगढ़: 30 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेश के 30 नागरिकों को उनके देश वापस भेजा गया है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार से इन लोगों को निर्वासित करने की अनुमति मिलने के बाद राज्य सरकार और रायपुर पुलिस ने मंगलवार को 30 बांग्लादेशी नागरिकों को रायपुर हवाईअड्डे से विमान के जरिए गुवाहटी भेजा गया। घुसपैठियों को रायपुर पुलिस बीएसएफ को सौंपेगी फिर असम से बंगलादेश सीमा पर बीएसएफ के जरिए निर्वासन की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

गजनी में एक ही परिवार के पांच लोगों की हत्या

काबुल। अफगानिस्तान के गजनी प्रांत में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने एक ही परिवार के पांच लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। प्रांतीय सरकार के एक प्रवक्ता ने सोमवार रात को यह जानकारी दी। गजनी के गवर्नर के प्रवक्ता एजातुल्लाह सईदी ने बताया कि यह घटना कारा बाग ज़िले के तोलाखैल इलाके में हुई। यहां एक घर में हमलावर घुस आए और गोलीबारी शुरू कर दी जिससे परिवार के पांच सदस्यों की मौके पर ही मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। इस मामले में कई संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

सिन्हा सीएम अब्दुल्ला से दुर्व्यवहार पर माफी मांगें

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उप मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने प्रदेश की पुलिस द्वारा मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के साथ की गई धक्कामुक्की के लिए उप राज्यपाल मनोज सिन्हा से माफी मांगने की मांग की है। चौधरी ने कहा कि जुलाई 1931 के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए जाते समय निर्वाचित मुख्यमंत्री के साथ दुर्व्यवहार लोकतंत्र और जनता द्वारा दिए गए जनादेश का अपमान है। चौधरी ने कहा, उमर अब्दुल्ला सिर्फ मेरे नेता नहीं हैं, बल्कि जम्मू-कश्मीर के निर्वाचित मुख्यमंत्री हैं। यह सिर्फ़ उमर साहब का अपमान नहीं था। यह जम्मू-कश्मीर और पूरे देश में लोकतंत्र का अपमान था।

कैदियों को महंगा खाना न मिलना मौलिक अधिकारों का हनन नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- जेल सुधारात्मक संस्थान है, सुविधाओं का विस्तार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि जेल में कैदियों को उनका पसंदीदा भोजन या महंगे खाद्य पदार्थ न दिया जाना मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन का अधिकार सभी कैदियों को हासिल है, लेकिन यह पसंदीदा या शानदार भोजन की मांग करने का अधिकार नहीं देता।

पीठ ने कहा, केवल पसंदीदा या महंगी खाद्य सामग्री की आपूर्ति न किए जाने को मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं माना जा सकता। राज्य का दायित्व यह सुनिश्चित करना है कि दिव्यांगों सहित सभी कैदियों को पर्याप्त, पौष्टिक और चिकित्सकीय रूप से उपयुक्त भोजन मिले, जो चिकित्सा प्रमाणीकरण के अधीन हो। शीर्ष अदालत ने जेल को सुधारात्मक संस्थान बताया, न कि नागरिक समाज की सुविधाओं का विस्तार। उसने कहा कि गैर-जरूरी या महंगी वस्तुओं की आपूर्ति न करना संवैधानिक या मानवाधिकारों का उल्लंघन नहीं है, जब तक कि इससे स्वास्थ्य या सम्मान को स्पष्ट नुकसान न पहुंचे।

पीठ ने कहा, जेलों को अक्सर आपराधिक न्याय प्रणाली का 'अंतिम छोर' माना जाता है, जिन्हें ऐतिहासिक रूप से सख्त अनुशासन, कठोर परिस्थितियों और न्यूनतम स्वतंत्रता के लिए तैयार किया गया है।

सर्वोच्च अदालत ने 'बेकर मस्कुलर डिस्ट्रॉफी' से पीड़ित अधिवक्ता एल. मुरुगनन्थम की मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान ये टिप्पणियां कीं, जिसमें उन्हें पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया था। मुरुगनन्थम को सजा एक जमीन विवाद में मिली थी जिसमें उनका परिवार एक अन्य व्यक्ति के साथ उलझा हुआ था। उन्होंने दावा किया कि कारावास के दौरान उन्हें प्रतिदिन चिकित्सा और पर्याप्त प्रोटीन युक्त भोजन, जैसे अंडे, चिकन और मेवे नहीं मिले।

आतंकी कृत्य के दोषी की समय पूर्व रिहाई से इन्कार

नई दिल्ली। शीर्ष न्यायालय ने एक आतंकवादी कृत्य से जुड़े तिहरे हत्याकांड के दोषी गुलाम मोहम्मद भट की समय पूर्व रिहाई का आदेश देने से इन्कार कर दिया। हालांकि, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने भट को एक अन्य लंबित मामले में आवेदन दायर करके केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर की सजा छूट नीति को चुनौती देने की अनुमति दे दी। पीठ ने भट की समय पूर्व रिहाई की याचिका पर इस आधार पर सुनवाई की कि उसने 27 साल जेल में बिताए हैं। भट कथित तौर पर एक सेना के मुखबिर के घर में घुस गया था और एके-47 राइफल से गोली चला दी थी, जिसमें तीन लोग मारे गए थे।

दिव्यांगों का मजाक उड़ाने वाली टिप्पणी पर समय रैना, दूसरे इन्फ्लुएंसर कोर्ट में पेश

नई दिल्ली। दिव्यांग लोगों का मजाक उड़ाने के आरोप में कार्रवाई की मांग को लेकर दर्ज मामले में 'इंडियाज गॉट लैटेंट' के प्रस्तोता समय रैना सहित पांच सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जे. बागची की पीठ ने उन्हें याचिका पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा। उन पर दिव्यांगों और स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी तथा दृष्टिहीनता से पीड़ित लोगों का मजाक उड़ाने का आरोप है। उन्हें अगली सुनवाई में व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया गया है। शीर्ष अदालत ने इन्फ्लुएंसर सोनाली ठक्कर उर्फ सोनाली आदित्य देसाई को कुछ शारीरिक समस्या के कारण अगली सुनवाई पर डिजिटल माध्यम से पेश होने की छूट दे दी।

दुनिया के 1.4 करोड़ बच्चों को नहीं लगा एक भी टीका, आधे भारत समेत 9 देशों के

लंदन। दुनियाभर में पिछले साल 1.4 करोड़ से अधिक बच्चों को एक भी टीका नहीं लगा जो 2023 की संख्या के लगभग बराबर है। इन बच्चों में से आधे से ज्यादा भारत समेत नौ देशों से हैं। संयुक्त राष्ट्र के स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

वैश्विक टीकाकरण के संबंध में मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ ने बताया कि 2024 में एक वर्ष से कम उम्र के लगभग 89 प्रतिशत बच्चों को डिप्थीरिया, टेटनस और काली खांसी के टीके की पहली खुराक मिली जो 2023 के बराबर है। इसने कहा कि लगभग 85 प्रतिशत बच्चों ने ही इन टीकों की तीनों खुराक लीं, जबकि 2023 में यह आंकड़ा 84 प्रतिशत था। संयुक्त राष्ट्र के विशेषज्ञों ने कहा कि टीकाकरण अब भी आसान नहीं है और संघर्ष व मानवीय संकटों के कारण टीकाकरण में हुई प्रगति तुरंत ही कमजोर पड़ने लग जाती है।

• संयुक्त राष्ट्र के स्वास्थ्य अधिकारियों ने जारी की 2024 की रिपोर्ट

आतंकवाद को कतई बर्दाश्त न करने पर अडिग रहेगा भारत

बीजिंग/नई दिल्ली, एजेंसी

• बीजिंग में एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक में जयशंकर ने किया पहलगाम हमले का जिक्र

विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) से आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की चुनौती से सख्ती से निपटने के अपने उद्देश्यों पर अड़िग रहने का आह्वान करते हुए कहा है कि भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की अपनी नीति पर चलते हुए आतंकवादियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करता रहेगा।

डॉ. जयशंकर ने मंगलवार को यहां बीजिंग में संगठन के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि इस संगठन की स्थापना आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद की चुनौती से निपटने के लिए की गई थी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में नृशंस आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ये तीनों चुनौती अक्सर एक साथ आती हैं। उन्होंने कहा कि यह हमला जानबूझकर जम्मू-कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और धर्म के आधार पर विभाजन को बढ़ावा देने के लिए किया गया था।

उन्होंने कहा कि शंघाई सहयोग संगठन के कुछ सदस्य संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के भी सदस्य हैं और सुरक्षा परिषद ने इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। सुरक्षा परिषद ने, आतंकवाद के इस निंदनीय कृत्य के अपराधियों, आयोजकों, वित्तपोषकों और प्रायोजकों को जवाबदेह ठहराने तथा उन्हें न्याय के कटघरे में लाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत ने इसी के अनुरूप कार्रवाई की है। उन्होंने कहा,हमने तब से ठीक यही किया है और आगे भी करते रहेंगे।

सुरक्षा खतरों से निपटने तंत्र में सुधार करें: शी

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने एससीओ देशों के विदेश मंत्रियों से कहा कि समूह को सुरक्षा खतरों और चुनौतियों का जवाब देने के लिए तंत्र में सुधार करने के साथ एक ठोस सुरक्षा कवच तैयार करना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि स्थापना के बाद से पिछले 24 वर्षों में एससीओ ने हमेशा शंघाई भावना को कायम रखा है, एक परिपक्व और मजबूत संगठन के रूप में विकसित हुआ है। उन्होंने जोर दिया कि अशांत और बदलते अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य के मद्देनजर, एससीओ को केंद्रित और आश्वस्त रहना चाहिए।

मानव रहित विमानों के निर्माण में आत्मनिर्भर होने की कवायद

नई दिल्ली, एजेंसी

सेना के अधिकारी, रक्षा विशेषज्ञ, नीति निर्माता और निजी उद्योगों के प्रतिनिधि बुधवार को एकत्रित होंगे और स्वदेशीकरण के लिए एक 'रणनीतिक रोडमैप' विकसित करने पर विचार करेंगे, जिसका व्यापक उद्देश्य महत्वपूर्ण मानवरहित वायु यानों (यूएवी) और काउंटर-मानवरहित हवाई प्रणालियों (सी-यूएएस) के घटकों के लिए विदेशी कंपनियों पर निर्भरता कम करना है।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि मुख्यालय एकीकृत रक्षा स्टाफ द्वारा थिंक-टैंक 'सेंटर फॉर ज्वाइंट वारफेयर स्टडीज' के सहयोग से आयोजित की जाने वाली कार्यशाला-सह-प्रदर्शनी 'ऑपरेशन सिंदूर' सहित भारत-पाकिस्तान के हालिया सैन्य संघर्ष की पृष्ठभूमि में आयोजित की जा रही है, जिसमें यूएवी और सी-यूएएस के सामरिक महत्व तथा परिचालन प्रभावशीलता पर प्रकाश डाला गया था।

• हाल ही में पाकिस्तान के साथ हुए संघर्ष के बाद लिया गया फैसला

स्वदेशी तकनीक से तैयार किया सस्ता कार्बन फाइबर कृत्रिम पैर

नई दिल्ली। डीआरडीओ की एक प्रयोगशाला और तेलंगाना स्थित एम्स बीबीनगर ने स्वदेशी तकनीक से अपनी तरह का पहला उन्नत कार्बन फाइबर कृत्रिम पैर विकसित किया है जो 125 किलोग्राम तक का भार सहन करने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, प्रदर्शन के मामले में बाजार में उपलब्ध विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मॉडल को टक्कर देने वाला यह कृत्रिम पैर जरूरतमंद आबादी को उच्च गुणवत्ता वाला किफायती समाधान मुहैया कराने के लिए डिजाइन किया गया है।

मणिपुर में बड़ी कार्रवाई में हथियारों का जखीरा बरामद

इंफाल। मणिपुर के घाटी के पांच जिलों में मंगलवार को सुरक्षा बलों ने एक साथ चलाए गए समन्वित अभियान में 86 हथियार और 974 गोला-बारूद बरामद किए।

पुलिस महानिरीक्षक के. कबीब ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इंफाल पूर्व, काकचिंग, इंफाल पश्चिम, थौबल और बिष्णुपुर जिलों में अभियान चलाया। उन्होंने कहा, मणिपुर पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल, सेना और असम राइफल्स की संयुक्त टीम द्वारा कई स्थानों पर एक साथ समन्वित अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि बरामद हथियारों में पांच एके राइफल, तीन इंसास राइफल, 16 एसएलआर, पांच प्वॉइंट 303 राइफल, 19 पिस्तौलें, दो कार्बाइन, नौ अन्य प्रकार की राइफल और 16 सिंगल बैरल बंदूक शामिल हैं।

आस्था का सैलाब

हरिद्वार में हर की पौड़ी पर पवित्र श्रावण मास शुरू होने के बाद रोज लाखों कांवड़िए गंगाजल लेने पहुंच रहे हैं। मंगलवार को भी यहां भगवान शिव के भक्तों का सैलाब उमड़ता दिखाई दिया। शिव के अभिषेक के लिए गंगाजल लेने से पहले कांवड़ियों ने गंगा नदीं में स्नान भी किया। एजेंसी

विमान हादसे की जांच रिपोर्ट में किसी सवाल का जवाब नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एयरलाइन पायलट्स एसोसिएशन (इफाल्पा) ने कहा है कि एअर इंडिया विमान दुर्घटना पर एएआईबी की प्रारंभिक रिपोर्ट अपनी प्रकृति के अनुसार ही कई सवाल उठाती है लेकिन जवाब मुहैया नहीं कराती। संगठन ने इस मामले में सभी पक्षों से अटकलों से बचने का आग्रह किया है।

गत 12 जून को अहमदाबाद में एअर इंडिया के बोइंग 787-8 विमान की दुर्घटना पर अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में एएआईबी ने शनिवार को कहा था कि उड़ान भरने के तुरंत बाद 1 सेकंड के अंतराल में इंजन के ईंधन स्विच बंद हो गए, जिससे विमान के कॉकपिट में भ्रम की स्थिति पैदा हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि एक पायलट ने पूछा कि स्विच क्यों बंद हुआ और दूसरे पायलट ने जवाब दिया कि उसने ऐसा नहीं किया। हालांकि प्रारंभिक रिपोर्ट में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला गया है।

इफाल्पा ने एक बयान में कहा, हालांकि यह प्रारंभिक रिपोर्ट अपने आप में कई सवाल उठाती है, लेकिन इसमें कोई जवाब नहीं है, और इसकी सामग्री का कोई भी अनुमान केवल अनुमान ही माना जा सकता है, जो जांच के सुचारू संचालन के लिए उपयुक्त नहीं है।

• अब इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ पायलट एसोसिएशन असंतुष्ट

मुंबई: डब्बा ट्रेडिंग और ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ईडी की छापे

मुंबई। ईडी ने मंगलवार को मुंबई में अवैध 'डब्बा ट्रेडिंग' और ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत छापेमारी की। ये नेटवर्क करोड़ों रुपये की धनराशि का लेन-देन कर रहे थे।

ईडी ने मुंबई में चार ठिकानों से लगभग 3.3 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी, कुछ लग्जरी घड़ियां और आभूषण, विदेशी मुद्रा और महंगे वाहन जब्त किए हैं। सूत्रों ने बताया कि कार्रवाई अब भी जारी है। 'डब्बा ट्रेडिंग' शेयरों में व्यापार के एक अवैध और अनियमित रूप को संदर्भित करता है। उन्होंने बताया कि इस जांच के तहत वीमनी, वीएम ट्रेडिंग, स्टैंडर्ड ट्रेड्स लिमिटेड, आईबुल कैपिटल लिमिटेड, लोटसबुक, 11स्टार्स और गेमबेटलीग जैसे कुछ ऑनलाइन ट्रेडिंग और सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म एजेंसी की जांच के दायरे में हैं।

संबोधन

कटक के रेवेनशॉ विश्वविद्यालय में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किया दीक्षांत समारोह को संबोधित

जीवन बदल रही है प्रौद्योगिकी, मगर इसका दुरुपयोग घातक

कटक, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से लोगों की सोच और कार्यशैली में व्यापक बदलाव आने का उल्लेख करते हुए मंगलवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के दुरुपयोग के प्रति सावधान रहने की सलाह भी दी।

मुर्मू ने यहां रेवेनशॉ विश्वविद्यालय के 13वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि विश्वविद्यालय इन प्रौद्योगिकियों का अच्छा उपयोग कर रहा है। उन्होंने कहा, यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, 3डी प्रिंटिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग ने हमारी सोच और कार्यशैली में व्यापक बदलाव ला दिया है। हालांकि, मुर्मू ने सभी को इन उन्नत प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग के प्रति सावधान रहने की सलाह दी।

मुर्मू ने छात्राओं के बढ़ते शैक्षणिक प्रदर्शन का उल्लेख किया, जिन्होंने इस वर्ष विश्वविद्यालय के 27 विभागों में से 21 में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कहा, पिछले पांच वर्षों में, संस्थान में छात्राओं ने पढ़ाई के मामले में लगातार छात्रों से बेहतर प्रदर्शन किया है। स्नातकोत्तर स्तर पर, टॉप करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों की तुलना में साढ़े तीन गुना से भी अधिक है। यह दर्शाता है कि भारत महिला सशक्तीकरण से महिला-नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वविद्यालय में जनजातीय छात्रों, वंचित और दिव्यांग छात्रों के नामांकन में लगातार हो रही वृद्धि पर भी संतोष जताया।

स्नातक छात्रों से भविष्य में और अधिक ईमानदार और मेहनती बनने का आह्वान करते हुए, मुर्मू ने कहा, आज से, आपका जीवन एक नया मोड़ लेगा। आप शैक्षणिक विश्वविद्यालय से बाहर निकलकर जीवन और समाज के एक बड़े विश्वविद्यालय में कदम रखेंगे। मुझे आशा है कि आप जीवन और समाज के विश्वविद्यालय में भी सफलता और सम्मान प्राप्त करेंगे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि यह शैक्षणिक संस्थान स्वतंत्रता संग्राम का एक सक्रिय केंद्र था और ओडिशा राज्य के गठन के आंदोलन से जुड़ा था। उन्होंने न केवल नौकरी पाने, बल्कि दूसरों को भी नौकरी प्रदान करने के माध्यम से उद्यमशीलता और सामाजिक योगदान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों से कहा, अगर आप चाहें, तो उद्यमी बन सकते हैं और अपना खुद का उद्यम स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने कहा, राष्ट्र प्रथम की भावना हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसे समझना चाहिए।

समान सुविधाएं मिलने पर लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर

मुर्मू ने कहा, विभिन्न दीक्षांत समारोहों के दौरान उन्होंने पाया कि समान सुविधाएं और अवसर मिलने पर लड़कियां बेहतर प्रदर्शन करती हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि महिलाएं हर क्षेत्र में सक्रिय रूप से योगदान दे रही हैं, चाहे वह शिक्षा और साहित्य हो या विज्ञान, प्रौद्योगिकी, उद्योग और वाणिज्य। उन्होंने कहा, हमारी विविधता इंद्रधनुष की तरह है। हमारी एकता सदियों से बहुत मजबूत रही है। हमारी कई भाषाएं हैं, लेकिन भावना एक है। दुनिया इस बात से चकित है कि इतनी सारी भाषाओं और इतने सारे धर्मों के बीच भारत कैसे एकजुट और एकीकृत बना हुआ है। भारतीय भाषाओं ने शैक्षिक परंपरा को समृद्ध बनाने में बहुत योगदान दिया है।